100
प्रमुखस्वामी महाराज
शताब्दी महोत्सव

वर्ष : 3 अंक: 307 मूल्य : 4 रू.

RNI No. -DELHIN/2019/78266

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस

शुक्रवार, 08 जुलाई 2022

राष्ट्र प्रेमियों का दैनिक समाचार पत्र

दिल्ली से प्रकाशित एवं जयपुर, लुधियाना, चंडीगढ़, पटना, रायपुर, देहरादून, शिमला में प्रसारित

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मुख्य आधार शिक्षा को संकुचित सोच के दायरे से बाहर निकालना : पीएम मोदी

लखनऊ, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वाराणसी दौरे के दौरान अक्षय पात्र मिड डे मील किचन का उद्घाटन किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने अखिल भारतीय शिक्षा समागम का भी उद्घाटन किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अखिल भारतीय शिक्षा समागम का ये आयोजन उस पवित्र धरती पर हो रहा है। जहां आजादी से पहले देश की इतनी महत्वपूर्ण यूनिवर्सिटी की स्थापना हुई थी। उन्होंने कहा कि ये समागम आज उस समय हो रहा है, जब देश अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। अमृत काल में देश के अमृत संकल्पों को पूरा करने की बड़ी जिम्मेदारी हमारी शिक्षा व्यवस्था और युवा पीढ़ी पर है।

मोदी ने कहा कि काशी को भी मोक्ष की नगरी इसकारण कहते हैं, क्योंकि हमारे यहां मुक्ति का एकमात्र मार्ग ज्ञान को ही माना गया है। इसलिए शिक्षा और शोध का, विद्या और बोध का मंथन, जब सर्व विद्या के प्रमुख केंद्र काशी में होगा, तब इससे निकलने वाला अमृत अवश्य देश को नई दिशा देगा। पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मुख्य आधार शिक्षा को संकुचित सोच के दायरे से बाहर निकालना और उस 21वीं सदी के विचारों से जोड़ना है। हमारे देश में मेधा की कभी कमी नहीं रही। लेकिन दुर्भाग्य से हमें ऐसी व्यवस्था बनाकर दी गई थी, जिसमें पढ़ाई का मतलब नौकरी ही माना गया। प्रधानमंत्री मे कहा कि आजादी के बाद शिक्षा नीति में थोड़ा बहुत बदलाव हुआ, लेकिन बहुत बड़ा बदलाव रह गया था। अंग्रेजों की बनाई व्यवस्था कभी भी भारत के मूल स्वभाव का हिस्सा नहीं थी और न हो सकती।

पीएम मोदी ने कहा कि नए भारत के निर्माण के लिए नई व्यवस्थाओं का निर्माण, आधुनिक व्यवस्थाओं का समावेश उतना ही जरूरी है। जो पहले कभी भी नहीं हुआ, जिनकी देश पहले कभी कल्पना भी नहीं करता था, वहां आज के भारत में हकीकत बन रहे हैं। आज हम दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम हैं। स्पेस टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में जहाँ पहले केवल सरकार ही सब करती थी वहां अब प्राइवेट प्लेयर्स के जरिए युवाओं के लिए नई दुनिया बन रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आप सभी को वर्तमान को संभालना है, आपके पहले जो करके गए हैं, उस आगे बढ़ाना है। लेकिन आज जो काम कर रहे हैं,उन्हें भविष्य के लिए ही सोचना होगा, व्यवस्थाएं भी भविष्य के लिए ही विकसित करनी होंगी। 29 जुलाई को राष्ट्रीय शिक्षा नीति को 2 साल पूरे होने वाले हैं। बड़े मंथन के बाद ये शिक्षा नीति बनाई गई है। हमने हर पल इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति को जिंदा रखा है। मैं स्वयं इतने कम समय में कम से कम 25 सेमिनार में गया हूं और इसी विषय पर बोलता रहा हूं। कस्तूरीरंजन जी भी इस रिपोर्ट को देने के बाद लगातार लोगों से इस विषय पर संवाद कर रहे हैं।राष्ट्रीय शिक्षा नीति का इतनी विविधताओं से भरे देश में स्वागत हो, ये अपने आप में बहुत बड़ी सिद्धि है। मोदी ने कहा कि इन 2 वर्षों में देश राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने की दिशा में कई ठोस कदम उठा चुका है।

आदिवासी समुदाय की सदस्य द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति के पद पर नामांकित करना गर्व की बात : शिंदे

ठाणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि यह गर्व की बात हैं, कि आदिवासी समुदाय की सदस्य द्रौपदी मुर्मू को देश के राष्ट्रपति पद के लिए नामांकित किया गया है। सीएम शिंदे ठाणे जिलाधीश कार्यालय में बैठकें करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। कुछ मीडियाकर्मियों ने उनसे शिवसेना के लोकसभा सांसद राहुल शेवाले के बयान के बारे में पूछा था, जिसमें शेवाले ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से पार्टी सांसदों को राजग प्रत्याशी मुर्मू के आदिवासी समुदाय से ताल्लुक होने तथा समाज में उनके योगदान पर विचार करते हुए उनका समर्थन करने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया था।

मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुर्मू को देश की राष्ट्रपति बनने का अवसर दिया है। यह गर्व और सम्मान की बात है। मुझे भी गर्व है कि आदिवासी समुदाय की एक सदस्य को इस पद के लिए नामांकित किया गया है ह्लह्ल राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए मतदान 18 जुलाई को होगा तथा मतगणना 21 जुलाई को होगी। वर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का कार्यकाल 24 जुलाई को समाप्त हो रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार के साथ अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बारे में पूछने पर शिंदे ने कहा कि उन्होंने हाल फिलहाल में पवार से मुलाकात नहीं की और यह तस्वीर हालिया वक्त की नहीं है। शिंदे ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद वह पवार से नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा पवार राज्य और देश के बड़े नेता हैं, उनसे मुलाकात करने में गलत क्या है ? उन्होंने कहा, ह्वह्वमैं पहले उनसे कई बार मिला हूं। मुख्यमंत्री के तौर पर मैं उनसे कभी भी मुलाकात कर सकता हूं। शिंदे ने यह भी कहा कि ऐसी अफवाहें फैलायी गई कि उन्होंने राकांपा नेता से मुलाकात की। शिंदे ने बुधवार को ट्वीट किया, ह्वह्वराकांपा प्रमुख शरद पवार के साथ मेरी तस्वीर प्रसारित की जा रही है। ऐसी कोई मुलाकात नहीं हुई। कृपया अफवाहों पर ध्यान न दें।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री मोदी आज पहले अरुण जेटली स्मृति व्याख्यान माला को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 8 जुलाई को शाम 6:30 बजे नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित होने वाले पहले ह्वअरुण जेटली स्मृति व्याख्यानह्ल (एजेएमएल) में सभा को संबोधित भी करेंगे। गौरतलब है कि वित्त मंत्रालय ने अरुण जेटली के राष्ट्र के लिए अमूल्य योगदान की मान्यता में पहला ह्वअरुण जेटली स्मृति व्याख्यानह्ल आयोजित किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक पहले एजेएमएल में मुख्य भाषण सिंगापुर सरकार के वरिष्ठ मंत्री थरमन शनमुगरत्नम द्वारा ह्वसमावेशिता के माध्यम से विकास, विकास के माध्यम से समावेशिताह्ल विषय पर दिया जाएगा। व्याख्यान के बाद माथियास कॉर्मन (ओईसीडी महासचिव) और अरविंद पनगढ़िया (प्रोफेसर, कोलंबिया विश्वविद्यालय) द्वारा पैनल चर्चा होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 से 10 जुलाई तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय कार्यक्रम कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन (केईसी) में हिस्सा लेने वाले प्रतिनिधियों के साथ भी बातचीत करेंगे। जिन प्रख्यात अर्थशास्त्रियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मिलेंगे, उनमें ऐनी क्रुएगर (जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय), निकोलस स्टर्न (लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स), रॉबर्ट लॉरेंस (हार्वर्ड केनेडी स्कूल), जॉन लिप्स्की (पूर्व कार्यवाहक प्रबंध निदेशक, आईएमएफ), जुनैद अहमद (भारत के लिए विश्व बैंक के कंट्री डायरेक्टर) सहित अन्य लोग शामिल हैं। केईसी का आयोजन वित्त मंत्रालय के सहयोग से आर्थिक विकास संस्थान द्वारा किया जा रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में उमस भरी गर्मी का प्रकोप बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में उमस भरी गर्मी का प्रकोप जारी है। बुधवार को भी दिल्ली में गर्मी ने जमकर पसीने छुड़ाए। हालांकि, दिन में बादल भी दिखे और कुछ जगहों पर बारिश भी हुई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक दिल्ली के जफरपुर मानक केंद्र पर 1.5 मिलीमीटर और मयूर विहार मानक केंद्र पर 2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। वहीं बुधवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से दो अधिक 38.6 डिग्री सेल्सियस रहा। भारतीय मौसम विज्ञान विभागके मुताबिक गुरुवार को आसमान में बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश हो सकती है। लगातार दो दिनों तक हल्की बारिश के आसार हैं। इसके बाद 9 जुलाई को सामान्य दर्जे की बारिश की आसार हैं, जिससे गर्मी के तेवर ढीले होंगे और तापमान लुढ़केगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि 12 जुलाई तक आसमान में बादलों के आने-जाने का सिलसिला जारी रहेगा। इस बीच कहीं-कहीं पर हल्की बारिश या बूंदा-बांदी हो सकती है, लेकिन अच्छी बारिश की संभावना अभी कम दिख रही है।

बोरिस जॉनसन ने ब्रिटेन के कंजरवेटिव पार्टी के नेता के पद से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। बोरिस जॉनसन ने ब्रिटेन के कंजरवेटिव पार्टी के नेता के पद से इस्तीफा दे दिया है। इससे ब्रिटेन में नए प्रधानमंत्री के चयन के लिए रास्ता खुल गया है। जॉनसन की कई विवादों में फंसी सरकार से दर्जन भर से अधिक सांसदों ने इस्तीफा दे दिया था। बोरिस जॉनसन ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर कहा, ह्वयह साफ है कि संसद में कंजरवेटिव पार्टी की इच्छा यह है कि पार्टी का कोई नया नेता होना चाहिए। इसका मतलब एक नया प्रधानमंत्री होना चाहिए ह्व

58 साल के बोरिस जॉनसन ने घोषणा की कि अपनी सबसे नजदीकी टीम में से भी उनके नेतृत्व के खिलाफ आए कई इस्तीफों के बाद अपने पद से इस्तीफा दे रहे हैं लेकिन वो नया प्रधानमंत्री चुने जाने तक अपने पद पर बने रहेंगे।

ब्रेग्ज़िट प्रधानमंत्री पद पर बिताए 3 विवादास्पद सालों के बाद बोरिस जॉनसन ने कहा, ह्व टोरी लीडरशिप की दौड़ के लिए एक नए टाइमटेबल की जरूरत होगी। अगले हफ्ते इस टाइमटेबल की घोषणा हो सकती है ह्व

लीडरशिप इलेक्शन गर्मियों में होगा और विजेता अक्टूबर की शुरूआत में पार्टी की वार्षिक कॉन्फ्रेंस में बोरिस जॉनसन का स्थान लेगा। इससे पहले खबर आई थी कि प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के नए नियुक्त किए गए मंत्रियों ने भी उनका साथ छोड़ दिया था और उनकी कैबिनेट से 50 से अधिक सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया था।

इनमें 8 मंत्री और दो सेक्रेट्री ऑफ स्टेट ने पिछले 2 घंटों में इस्तीफा दिया। इससे जॉनसन बेहद अलग-थलग पड़ गए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जॉनसन को बागी नेताओं की मांग के आगे झुकना पड़ा और बाद में घोषणा की कि वो इस्तीफा दे रहे हैं। कंजरवेटिव पार्टी बहुमत से जीती थी इस कारण इस पार्टी के नेता को ही ब्रिटिश प्रधानमंत्री के पद पर रहने का अधिकार होता है।

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को राहत हाईकोर्ट ने रद्द की याचिका की गई थी पद से हटाने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार के मामले में न्यायिक हिरासत में चल रहे दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को पद से हटाने की याचिका खारिज कर दी है। याचिका में कहा गया है कि हिरासत में होने के बावजूद सत्येंद्र जैन कैबिनेट मंत्री की सुविधाएं ले रहे हैं। उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज है, जिनमें उन्हें गंभीर सजा मिल सकती है। मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में ईडी ने जैन को 30 मई को गिरफ्तार किया था। इससे पहले अप्रैल महीने में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम, 2002 के तहत जैन के परिवार और कंपनियों की 4.81 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां कुर्क की थी। इसमें अकिंचन डेवेलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, इंडो मेटल इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड और अन्य कंपनियों की संपत्तियां शामिल थीं। जैन पर आरोप हैं कि उन्होंने दिल्ली में कई शेल कंपनियों को लॉन्च किया या खरीदा था। उन्होंने कोलकाता के तीन हवाला ऑपरेटरों की 54 शेल कंपनियों के माध्यम से 16.39 करोड़ रुपये के काले धन को भी सफेद किया था। जैन के पास प्रयास, इंडो और अकिंचन नाम की कंपनियों में बड़ी संख्या में शेयर थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, 2015 में केजरीवाल सरकार में मंत्री बनने के बाद जैन के सभी शेयर उनकी पत्नी के नाम कर दिए गए थे। मामला सामने आने पर गिरफ्तारी के बाद जब ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के कागजात दिखाकर जैन से सवाल पूछे तो उन्होंने कोरोना के कारण याददाश्त चले जाने का दावा कर दिया। ईडी ने जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान ही अदालत को यह बात बताई थी।

अगर राष्ट्रपति चुना गया तो संविधान के प्रति उत्तरदायी रहूंगा-यशवंत सिन्हा

लखनऊ, एजेंसी। राष्ट्रपति चुनाव के विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने कहा कि अगर वह राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो सिर्फ और सिर्फ संविधान के प्रति उत्तरदायी रहेंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिए मुझे राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया है। समाजवादी पार्टी के मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में यशवंत सिन्हा ने कहा कि इस बार का राष्ट्रपति चुनाव असाधारण किस्म का है। वह इसलिए क्योंकि देश में जो हालात हैं उससे समाज कई हिस्सों में बंट गया है। बड़ी घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुप हो जाते हैं। देश में अशांत और असाधारण स्थिति है। संविधान के मूल्य खत्म किए जा रहे हैं। अगर ऐसे ही चलता रहा तो एक दिन संविधान अर्थहीन हो जाएगा। उन्होंने कहा कि लखनऊ से मेरा गहरा नाता रहा है। मुलायम सिंह यादव के दीघार्यु होने की कामना करता हूं। चैधरी अजित सिंह से भी मेरे अच्छे संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने लखनऊ को अपनी कर्मभूमि बनाया लेकिन अफसोस है कि आज उनकी पार्टी कहां से कहां पहुंच गई है। राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार को समर्थन देने के लिए रालोद विधायकों को लेकर जयंत चैधरी भी सपा कार्यालय में पहुंचे लेकिन सपा के सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के विधायक इस बैठक में शामिल नहीं हुए।

जम्मू कश्मीर प्रशासन ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आतंकवाद पर निर्णायक रूप से नियंत्रण कायम किया : शाह

श्रीनगर, एजेंसी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि जम्मू कश्मीर प्रशासन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद पर निर्णायक रूप से नियंत्रण कायम किया है। गृहमंत्री शाह ने कहा, आज उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में, जम्मू कश्मीर शांति और विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। सिन्हा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद पर निर्णायक रूप से नियंत्रण कायम किया है। सोनावर में दार्शनिक और समाज सुधारक रामानुजाचार्य की ह्वशांति प्रतिमाह्ल (स्टेच्यू ऑफ पीस) का अनावरण करने का बाद केंद्रीय गृहमंत्री ने यह बात कही। शाह ने कहा कि सिन्हा के नेतृत्व में प्रशासन ने कश्मीर के लोगों को बिना किसी भेदभाव के विकास उपलब्ध कराया है। उन्होंने कहा, ह्वलंबे समय तक, देश के लोगों को उम्मीद थी कि अनुच्छेद 370 के प्रावधान और अनुच्छेद 35ए हटाने के बाद जम्मू कश्मीर का राष्ट्र के साथ एकीकरण हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उम्मीद को पूरा किया। पांच अगस्त 2019 को कश्मीर में एक नए युग की शुरूआत हुई। शाह ने कहा कि उन्हें यह सोचकर शांति मिलती है कि श्रीनगर में सूर्य मंदिर का जीर्णोद्धार हो सका। उन्होंने कहा, श्रीनगर में शांति प्रतिमा का अनावरण होना भारत के लोगों के लिए अच्छा संकेत है, विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि शांति प्रतिमा कश्मीर के हर धर्म के लोगों के लिए रामानुजाचार्य की शिक्षा और उनका आशीर्वाद लाएगी और उन्हें शांति तथा विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाएगी।

शाह ने कहा कि रामानुजाचार्य ने ज्यादातर काम दक्षिण भारत में किया लेकिन एक महत्वपूर्ण पांडुलिपि ह्वबोदायन वृत्तिह्ल को लाने के लिए वह कश्मीर गए क्योंकि उसकी एक ही प्रति उपलब्ध थी जो घाटी के शाही पुस्तकालय में रखी थी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, कश्मीर के राजा ने न केवल अपने पुस्तकालय के द्वार खोल दिए बल्कि रामानुजाचार्य का स्वागत भी किया। रामानुजाचार्य की चार फुट ऊंची प्रतिमा हाथ जोड़कर बैठे हुए मुद्रा में है। छह सौ किलोग्राम की इस प्रतिमा को जमीन से तीन फुट की ऊंचाई पर रखा गया है।

संयुक्त किसान मोर्चा से किए गए वादे के मुताबिक एमएसपी पर तत्काल समिति गठित करे सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के बारे में नीति आयोग के सदस्य के बयान को लेकर गुरुवार को आरोप लगाया कि यह किसानों को सरकार द्वारा दिए गए 'विश्वासघात के घाव' पर नमक रगड़ने की तरह है। पार्टी सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने मोदी सरकार से आग्रह भी किया कि सरकार को संयुक्त किसान मोर्चा से किए गए वादे के मुताबिक एमएसपी पर तत्काल समिति गठित करनी चाहिए और देश में चल रहे ह्वअनाज संकट पर श्वेत पत्र लाना चाहिए। हुड्डा ने दावा किया कि देश में ह्वअनाज संकटह्ल है, क्योंकि बड़े पैमाने पर गेहूं निर्यात किया गया और कई भाजपा शासित राज्यों ने भी केंद्र सरकार से गेंहू की मांग की है। उन्होंने एमएसपी की कानूनी गारंटी देने की मांग करते हुए कहा कि कांग्रेस, सरकार के ह्वविश्वासघातह्ल के खिलाफ संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रमों का नैतिक समर्थन करती है।

संयुक्त किसान मोर्चा ने पिछले दिनों कहा था कि सरकार द्वारा इस कथित ह्वह्लविश्वासघातह्लह्ल के विरोध में, 18 जुलाई को संसद के मानसून सत्र की शुरूआत से 31 जुलाई -शहीद ऊधम सिंह के शहादत दिवस तक, देशभर में जिला स्तर पर ह्वह्लविश्वासघात के खिलाफ विरोधह्लह्ल जनसभाओं का आयोजन होगा। हुड्डा ने कहा, ह्वह्वसंयुक्त किसान मोर्चा के साथ जो समझौता हुआ था कि उसके तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर समिति बननी चाहिए थी। अब तक अजय कुमार मिश्रा को मंत्री से हटाया भी नहीं गया। यह विश्वासघात है ह्लह्ल उन्होंने नीति आयोग के सदस्य के बयान का हवाला देकर कहा कि यह किसानों को दिए गए ह्वविश्वासघात के घावह्ल पर नमक रगड़ना है।

उल्लेखनीय है कि नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद ने कहा कि कृषि फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य व्यवस्था तब तक जारी रहना चाहिए जब तक कि बाजार प्रतिस्पर्धी और कुशल न हो जाए, लेकिन इसे खरीद के अलावा अन्य किसी माध्यम से दिया जाना चाहिए। एमएसपी के विषय को लेकर हुड्डा ने दावा किया, ह्वह्व28 मार्च को सरकार की तरफ से संयुक्त किसान मोर्चा के लोगों के पास फोन आया था कि समिति के लिए दो-तीन नाम दे दो। मोर्चा की तरफ से पूछा गया कि समिति को बनाने का मानदंड और अधिकार क्षेत्र क्या होगा ? सरकार ने कोई जवाब नहीं दिया। सरकार ने धोखा दिया है ह्लह्ल उन्होंने कहा, ह्वह्ववादा था कि 2022 तक किसानों की आय दोगुना की जाएगी, लेकिन यह तो हुआ नहीं, बल्कि किसानों का कर्ज और खर्च बढ़ गया। अब भाजपा के लोग किसानों की आय दोगुनी करने की बात ही नहीं करते। यह बड़ा धोखा किया गया है ह्लह्ल हुड्डा ने सरकार से आग्रह किया, तत्काल एमएसपी पर समिति का गठन हो।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूरोपीय संघ के विदेश मामलों के उच्च प्रतिनिधि बोरेल से बात की

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूरोपीय संघ (ईयू) के विदेश मामलों के उच्च प्रतिनिधि जोसेफ बोरेल के साथ बातचीत की जिसमें यूक्रेन संकट के प्रभावों तथा बहुप्रतिक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिये भारत एवं यूरोपीय संघ के बीच वार्ता शुरू करने के बारे में चर्चा हुई। जयशंकर जी20 समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने इंडोनेशिया के बाली गए हैं। जयशंकर ने ट्वीट किया, यूरोपीय संघ के विदेश मामलों के उच्च प्रतिनिधि जोसेफ बोरेल के साथ अच्छी बैठक हुई। यूक्रेन संघर्ष और वैश्विक स्थिति पर इसके प्रभावों के बारे में चर्चा की।विदेश मंत्री ने कहा कि मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ता सहित हमारे द्विपक्षीय संपर्कों में प्रगति को समझा और आगे संपर्क में रहने पर सहमति व्यक्त की।

बताया जाता हैं कि जयशंकर और बोरेल ने यूक्रेन संघर्ष के कारण उत्पन्न वैश्विक खाद्य एवं ऊर्जा संकट के बारे में विस्तृत चर्चा की। यूक्रेन गेहूं का प्रमुख उत्पादक देश है और संघर्ष के कारण इसके निर्यात में रूकावट आई है। पश्चिमी देशों ने यूक्रेन पर हमले के बाद धीरे-धीरे रूस से ईंधन की खरीद को घटा दिया है। पश्चिमी देशों के इस फैसले से वैश्विक ऊर्जा बाजार पर दबाव पड़ा है। वहीं, जोसेफ बोरेल ने कहा, भारतीय विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर के साथ बैठक में हमने यूरोपीय संघ-भारत संबंधों एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमने इस बारे में भी चर्चा की कि हम किस प्रकार से मिलकर काम करें कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रूस, यूक्रेन के खिलाफ युद्ध रोके।

आर0 पी0 सती निदेशक (शिक्षा) ने 12000 छात्रों के लिए रीडिंग की समझ और अभिव्यक्ति की प्रतियोगिताओं का किया उद्घाटन

» विजय गौड़ ब्यूरो चीफ

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (ठऊटउ) ने आज नवयुग स्कूल, विनय मार्ग, नई दिल्ली से अपने प्राथमिक और माध्यमिक कक्षाओं के छात्रों के लिए समझ और अभिव्यक्ति के साथ रीडिंग प्रतियोगिताओं का आर० पी० सती निदेशक (शिक्षा) ने विधिवत उद्घाटन किया । यह प्रतियोगिताएं सभी अटल आदर्श विद्यालयो और नवयुग स्कूलों में कक्षा ककक से श्ककक के छात्रों के लिए शुरू की गई है। ह्लनिपुण भारत मिशनह्व और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, सीखने की मूलभूत आवश्यकता समझ और भाव के साथ सही ढंग से पढ़ना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, पालिका परिषद ने अपने स्कूल में रीडिंग के साथ समझ और अभिव्यक्ति का अभियान शुरू किया। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान 11 मई से 3 जून, 2022 तक आयोजित मिशन बुनियाद /ग्रीष्मकालीन शिविर के दौरान विद्यार्थियों को पढ़ने की आदत डालने पर विशेष बल दिया गया। छात्रों को पढ़ने की आदत को के साथ भाव को समझने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए समर कैंप के दौरान यह घोषणा भी की गई थी कि कक्षा ककक से श्ककक के छात्रों के लिए कक्षावार प्रतियोगिता गर्मी की छुट्टियों के बाद आयोजित की जाएगी । इस प्रतियोगिता में कक्षा तीसरी से आठवीं कक्षाओं तक के लगभग 12000 विद्यार्थी भाग लेंगे। हिंदी और अंग्रेजी के लगभग 160 विषय शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों में रीडिंग के साथ समझ और अभिव्यक्ति और साथ-साथ छात्रों के पढ़ने के कौशल को विकसित करने का प्रयास किया गया है। छात्र अब इंटर स्कूल स्तरीय प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। पढ़ने की सामग्री को प्रभावी ढंग से

और सही ढंग से पढ़ने के दौरान समझ और अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने के लिए छात्रों के बीच हिंदी और अंग्रेजी भाषा में सभी स्कूलों में रीडिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। प्रत्येक स्कूल के सर्वश्रेष्ठ पाठक क्लस्टर स्तर (जिसमें 5-6 स्कूल शामिल हैं) पर प्रतिस्पर्धा करेंगे और उसके बाद प्रत्येक क्षेत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला प्रत्येक पाठक विद्यार्थी एनडीएमसी स्तर पर प्रतिस्पर्धा में भाग लेंगे। प्रतियोगिता से प्रत्येक कक्षा के चयनित विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं के बाद इस अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्रों के बीच सर्वोत्तम रीडिंग प्रैक्टिस को विकसित करना और पिछले दो शैक्षणिक सत्रों के दौरान ऑनलाइन कक्षाओं के कारण हुई कमियों के गैप को भरना भी है। इस अवसर पर पालिका परिषद के निदेशक (शिक्षा) श्री आरपी सती के साथ शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, शैक्षणिक सलाहकार, शिक्षक और छात्र उपस्थित थे।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने सीएजी रिपोर्ट पर केजरीवाल को दी खुली बहस की चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने दिल्ली सरकार के विकास कार्यों के दावों को झूठा बताते हुए आरोप लगाया कि नियंत्रक एवं महालेख परीक्षक यानि सीएजी की रिपोर्ट में स्पष्ट कहा है कि दिल्ली सरकार पिछले सात सालों से बजट में प्रस्तावित धनराशि को पूरा खर्च नहीं कर पा रही है। नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी के साथ आज एक संयुक्त प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए श्री गुप्ता ने सीएजी की रिपोर्ट पर खुली बहस की चुनौती देते हुए कहा कि सरकार विकास कार्यों पर बजट प्रावधानों के साथ-साथ केंद्र से विभिन्न योजनाओं के लिए मिली राशि को भी खर्च नहीं कर पाई। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा मीडिया रिलेशन विभाग के प्रभारी हरीश खुराना और प्रदेश मीडिया सह-प्रमुख हरिहर रघुवंशी उपस्थित थे।

श्री गुप्ता ने कहा कि यह स्पष्ट है कि केजरीवाल सरकार के विकास के सभी दावें झूठे और खोखले हैं। उन्होंने विधानसभा में पेश रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि दिल्ली की सरकार पूरा बजट भी खर्च करने में असमर्थ है। हर वर्ष बजट का कुल 30 से 40 फीसदी रिटर्न चला जाता है। ऐसे में योजनाओं पर पैसा खर्च न करना और स्वास्थ्य, शिक्षा, निर्माण और विकास कार्यों पर प्रस्तावित राशि का भी उपयोग ना होना दशार्ता है कि केजरीवाल सरकार हर क्षेत्र में पूरी तरह से नाकाम साबित हुई है।

श्री गुप्ता ने कहा कि वर्ष 2015 से 2020 तक प्रत्येक

वर्ष खर्च न होने वाली बजट राशि में बढ़ोत्तरी होती रही है जहां वर्ष 2015-16 में खर्च न होने वाली राशि 7374 करोड़ रुपये से ज्यादा थी वहीं वर्ष 2019-20 में तक यह बढ़ कर 12670 करोड़ रुपये तक हो गई। उन्होंने कहा कि जनता का पैसा जो विकास कार्यों में लगाना था, वह भी केजरीवाल सरकार खर्च नहीं कर पाई जबकि उसके दावें दिल्ली को विकास के नए पथ पर ले जाने को है।

श्री गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार की 39 योजनाएं ऐसी हैं जिनकी घोषणा तो हुई लेकिन जमीन पर उनमें से एक भी नहीं उतर सकी। इस तरह से करोड़ों रुपयों की योजनाए जों युवा, गरीबों, ग्रामीणों और वकीलों के लिए थी वह आज तक शुरू नहीं हो पाई। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं दिल्ली सरकार केंद्र से विभिन्न परियोजनाओं के लिए मिलने वाली राशि को भी पूरा खर्च नहीं कर पाई। इन योजनाओं में यमुना की सफाई, गरीबों के लिए मकान के साथ कई विकास कार्य शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में कारोबारी से लूटपाट की कोशिश फायरिंग कर किया घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली में बदमाशों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं आए दिन अपराधी बेखौफ होकर इस कदर अपराध को अंजाम दे रहे हैं, कि मानो उन्हें कानून या प्रशासन का कोई दर ही नहीं है। ताजा मामला दिल्ली के वजीराबाद इलाके का है जहां पर एक मोबाइल कारोबारी जब अपनी दुकान बंद कर घर जा रहा था तो रास्ते में तीन हथियारबंद बाइक सवार बदमाशों ने उसके साथ लूटपाट करने की कोशिश की। पीड़ित मोबाइल कारोबारी गिरीश सैनी की ओर से इस पूरे मामले को लेकर एफआईआर दर्ज करवाई गई है। जिसमें उसने बताया कि वजीराबाद इलाके में बदमाशों ने उसके साथ लूटपाट करने की कोशिश की है। जिसका विरोध करने पर हथियारबंद बदमाशों ने फायरिंग कर दी। जिसमें की कारोबारी के हाथ में गोली लग गई। कारोबारी ने बताया कि जब वह अपनी दुकान बंद कर घर जा रहा था तब उसके पास 85000 रुपए नकदी, नए मोबाइल फोन से भरा एक बैग, और लैपटॉप था। कुछ दूरी पर तीन बदमाश बाइक पर हत्यारों के साथ खड़े हुए थे। जिन्होंने उसके साथ लूटपाट करने की कोशिश की इसका विरोध करने पर बदमाशों ने उसके साथ मारपीट और फायरिंग की। जिसका शोर सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए और फिर लोगों ने जांबाजी दिखाते हुए बदमाशों की पिटाई कर दी और उन्हें पकड़ने की कोशिश की। जिसके बाद बदमाश लूटा हुआ सामान और अपनी बाइक छोड़कर फरार हो गए। हालांकि इस दौरान कारोबारी के हाथ में गोली लग गई और एक अन्य शख्स भी घायल हो गया जिसके सीने पर गोली के छर्रे लग गए थे, इसके साथ दो और अन्य लोगों को हाथापाई के दौरान चोटे आई हैं। इस घटना के दौरान कुल 4 लोग घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। मोबाइल कारोबारी गिरीश सैनी ने बताया कि वह अपनी दुकान बंद कर अपने चाचा लाल सिंह के साथ घर जा रहे थे उसी दौरान उन दोनों को बदमाशों ने रोका और उनके साथ लूटपाट करने की कोशिश की। पहले बदमाशों ने उन्हें डराने के लिए फायरिंग की और उनके साथ हाथापाई की।

भारत ने चीन से पूर्वी लद्दाख सीमावर्ती क्षेत्र में एलएसी से पीछे हटने का आग्रह किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने चीन से पूर्वी लद्दाख सीमावर्ती क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से सेनाओं को आमने-सामने से हटाने को लेकर लंबित मुद्दों को तुरंत सुलझाने का आग्रह कर कहा कि भारत-चीन संबंधों में तीन प्रकार की परस्परता-परस्पर सम्मान, परस्पर संवेदनशीलता एवं पारस्परिक हितों का ध्यान रखना महत्वपूर्ण है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने विदेश मंत्रियों की बैठक के इतर गुरुवार को चीन के स्टेट काउंसलर एवं विदेश मंत्री वांग यी से भेंट की। जिसमें डॉ. जयशंकर ने पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर लंबित मुद्दों का त्वरित समाधान का आह्वान किया। उन्होंने कुछ इलाकों में सेनाओं से आमने सामने से हटाने के निर्णय के क्रियान्वयन का हवाला देकर सभी बकाया मोर्चों से सेनाओं की पूर्ण वापसी की जरूरत पर बल दिया ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं स्थिरता कायम हो सके।

भाजपा की केंद्र सरकार के नुमाइंदे उप राज्यपाल का दिल्ली वालों को चोर कहना गलत: दुर्गेश पाठक

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार के नुमाइंदे उप राज्यपाल का दिल्ली वालों को चोर कहना गलत है। मसीडी के कंगाल होने की वजह दिल्ली वाले नहीं बल्कि भाजपा है। भाजपा की एमसीडी ने डेंगू की दवाई से लेकर कूड़े की सफाई, बच्चों की किताब खरीदने, हाउस टैक्स सहित हर काम में भ्रष्टाचार किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली वाले दिन रात मेहनत करते हैं। बड़ी-बड़ी कोठियों में रहने वाले से लेकर अवैध कॉलोनियों और झुग्गियों में रहने वाले भी इमानदारी से टैक्स देते हैं। जब अरविंद केजरीवाल की सरकार बनी तब दिल्ली का बजट 25 हजार करोड रुपए था। 6 सालों के भीतर दिल्ली का बजट लगभग 70 हजार करोड रुपए हो गया है। यह पैसा दिल्ली वालों ने टैक्स के माध्यम से दिया है। उपराज्यपाल से अपील है कि भाजपा के कार्यकर्ता की तरह व्यवहार मत करिए। गैर जिम्मेदाराना बयान के लिए दिल्ली वालों से माफी मांगनी चाहिए

आम आदमी पार्टी के एमसीडी प्रभारी

और विधायक दुर्गेश पाठक ने आज पार्टी मुख्यालय में महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता को संबोधित किया। दुर्गेश पाठक ने कहा कि दिल्ली के इतिहास का आज सबसे काला दिन होगा, जब दिल्ली के पहले नागरिक उपराज्यपाल ने दिल्ली वालों को चोर कहा है। एलजी ने अपने ट्वीट के माध्यम से कहा कि दिल्ली की एमसीडी को सबसे अमीर बनाया जा सकता है, अगर दिल्ली वाले इमानदारी से टैक्स दें तो। उप राज्यपाल का यह बहुत ही गैर जिम्मेदाराना बयान है। एलजी को इस तरह की बयानबाजी से बचना चाहिए। एलजी अभी नए है उनको दिल्ली वालों के बारे में नहीं पता है। हम दिल्ली वाले दिन रात मेहनत करते हैं। बड़ी-बड़ी कोठियों में रहने वाले से लेकर, अवैध कॉलोनियों और झुग्गियों में रहने वाले भी इमानदारी से टैक्स देते हैं।

उन्होंने कहा कि जब अरविंद केजरीवाल की सरकार आई तो दिल्ली का बजट 25 हजार करोड रुपए था। 6 सालों के भीतर दिल्ली का बजट लगभग 70 हजार करोड रुपए हो गया है। यह दिल्ली वालों ने किया है। हमने किसी राज्य-केंद्र सरकार और कही अन्य से एक रुपए कर्जा नहीं लिया है। यह पैसा दिल्ली वालों ने टैक्स के माध्यम से दिया है। दिल्ली का जो बजट इतना बड़ा बना है, वह दिल्ली वालों के टैक्स से बना है, क्योंकि दिल्ली वाले ईमानदार और मेहनती हैं। उपराज्यपाल ने यह कह दिया कि दिल्ली वाले चोर हैं और टैक्स नहीं देते हैं, इसलिए पूरे देश के अंदर एमसीडी अमीर नहीं हो पा रही है।

उप राज्यपाल को एमसीडी के बुरे हालात की वजह बताते हुए दुर्गेश पाठक ने कहा कि इसके लिए दिल्ली वाले जिम्मेदार नहीं हैं। हम दिल्ली वाले तो उनको बहुत टैक्स देते हैं। लेकिन भाजपा की एमसीडी ने डेंगू की दवा 3600 रुपए किलो के हिसाब से खरीदी है।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद शनिवार को करेगी अगला सुविधा शिविर आयोजित करेगी

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद अपने क्षेत्र के निवासियों और सेवा उपयोगकताओं के हित में सूचना, सुविधा और शिकायत निवारण प्रदान करने के लिए अपना अगला सुविधा शिविर शनिवार, 09 जुलाई, 2022 को सुबह 10.30 बजे से 12.30 बजे तक एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर, पालिका केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित करेगी। इस शिकायत निवारण सुविधा कैम्प में विभिन्न विभागों के हेल्पडेस्क सेवा उपयोगकताओं, कर्मचारियों, आरडब्ल्यूए, एमटीए और एनडीएमसी के निवासियों की शिकायतों का निवारण और सुविधा प्रदान करने के लिए उपलब्ध रहेंगे । पालिका प्रवक्ता ने ब्यूरो चीफ विजय गौड़ को बताया कि इस सुविधा कैम्प में नए बिजली कनेक्शन/डिस्कनेक्शन, लोड वृद्धि/कमी, नाम परिवर्तन/स्थानांतरण, संपत्ति कर, जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र, एनडीएमसी के सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सेवा मामलों, जल भराव, स्वच्छता, अपशिष्ट निपटान , सड़क मरम्मत, विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, विकलांग पेंशन, बरात घर और पार्कों की बुकिंग और एनडीएमसी द्वारा दी जाने वाली कोई अन्य सेवाओं से संबंधित शिकायतों का समाधान / निवारण किया जाएगा । नई दिल्ली नगरपालिका परिषद हर महीने के दूसरे शनिवार को एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर, जय सिंह रोड पर और हर महीने के चौथे शनिवार को किसी एक क्षेत्र में आरडब्ल्यूए केंद्रों पर सुविधा शिविर का आयोजन कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि इन सुविधा शिविरों के आयोजन के अलावा, पालिका परिषद ने एनडीएमसी क्षेत्र के निवासियों और सेवा उपयोगकताओं के लिए संपर्क रहित शिकायत निवारण तंत्र के रूप में एक ह्लजन सुविधा पोर्टलह्व भी लॉन्च किया है। इस जन सुविधा पोर्टल का लिंक एनडीएमसी की वेबसाइट (https://www.ndmc.gov.in/complaints.aspx) पर उपलब्ध है। जन सुविधा पोर्टल का उपयोग शिकायत दर्ज करने, उस शिकायत की स्थिति पर नजर रखने और शिकायत निवारण तंत्र पर अपनी प्रतिक्रिया देने के लिए किया जा सकता है।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने पुतिन से बात कर, उनसे तेल खरीदने की अपील की

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका अपनी आजादी के बाद से सबसे बुरे आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा हैं। इस बीच देश के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन से मदद मांगी है। रिपोर्ट के मुताबिक, राजपक्षे ने पुतिन को फोन कर उनसे तेल खरीदने की अपील की। राजपक्षे ने कहा है कि रूस नकदी की कमी से जूझ रहे द्वीपीय देश को ईंधन खरीदने में मदद करें। राजपक्षे ने कहा, ह्यरूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ एक बहुत ही उत्पादक टेलिकॉन था। अतीत की चुनौतियों से उबरने के लिए उनकी सरकार द्वारा दिए गए सभी समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद देकर मैंने उन्हें ऋण सहायता की पेशकश का अनुरोध किया. मौजूदा आर्थिक चुनौतियों को हराने के लिए (श्रीलंका) को ईंधन आयात करें।ह्न

राष्ट्रपति ने कहा, मैंने रूसी ध्वजवाहक फ्लैग करियर एयरोफ्लॉट से श्रीलंका में परिचालन फिर से शुरू करने का भी अनुरोध किया है, क्योंकि एयरलाइन ने पिछले महीने द्वीप राष्ट्र के लिए सेवाओं को निलंबित कर दिया था। राजपक्षे ने कहा, ह्यहम सर्वसम्मति से सहमत हुए कि पर्यटन, व्यापार और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना हमारे दोनों देशों की दोस्ती को मजबूत करने के लिए सर्वोपरि है. राजपक्षे की मदद की अपील तब हुई जब ऊर्जा मंत्री कंचना विजेसेकेरा ने कहा कि देश में नियमित मांग के तहत केवल एक दिन से भी कम समय के लिए पर्याप्त पेट्रोल बचा है।

पिछले हफ्ते, अधिकारियों ने गैर-जरूरी वाहनों के लिए पेट्रोल और डीजल की बिक्री को इसके घटते ईंधन स्टॉक को संरक्षित करने के प्रयास में निलंबित कर दिया था। देश में रहने की बढ़ती लागत से निपटने के प्रयास में, सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका ने गुरुवार को अपनी प्रमुख ब्याज दरों में एक प्रतिशत की वृद्धि की। उधार दर को बढ़ाकर 15.5 प्रतिशत कर दिया गया, जबकि जमा दर को बढ़ाकर 14.5 प्रतिशत कर दिया गया, जो 21 वर्षों में सबसे अधिक है। यह तब आता है जब वार्षिक मुद्रास्फीति जून में 54.6 प्रतिशत के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई क्योंकि संकट के बीच भोजन की लागत 80 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई।

केग रिपोर्ट में उजागर हुआ है दिल्ली सरकार 38155 करोड़ रुपये के कर्ज में डूबी हुई : चौ. अनिल कुमार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने आज दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र में टेबल की गई सी.ए.जी. (केग) की रिपोर्ट की सच्चाई को उजगार करते हुए कहा कि केजरीवाल यह झूठा भ्रम फैला रहे है कि दिल्ली सरकार ने पिछले 7 वर्षों में 1 रुपये का भी लोन नही लिया जबकि वास्तविकता यह है कि वर्ष 2022 तक दिल्ली के उपर 38,155 करोड़ रुपये कर्ज बढ़ गया है। सीएजी रिपोर्ट बताती है कि केजरीवाल ने 7 वर्षो 27,684 करोड़ रुपये लोन लेकर दिल्ली कर्ज में डूबती जा रही है जबकि पिछली परम्परा अनुसार दिल्ली का बजट तो प्रत्येक वर्ष बढ़ता रहता है और केजरीवाल अपनी नाकामियों, विफलताओं को छिपाने के लिए गुजरात में जाकर झूठ बोल रहे है कि दिल्ली के पास सरप्लस बजट है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष में भाजपा का विधानसभा सत्र में मौन रहना साफ दशार्ता है कि भाजपा और आम आदमी पार्टी अंदरुनी तौर पर मिले हुए है, इन्हें दिल्ली की जनता की परेशानियों से कोई सरोकार नही है।

प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता

सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए चौ. अनिल कुमार ने यह बयान दिया। संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक जय किशन, पूर्व विधायक राजेश जैन और कम्युनिकेशन विभाग के उपाध्यक्ष अनुज आत्रेय मौजूद थे।

चौ. अनिल कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने अपनी नाकामियों को छिपाने सत्र में रिपोर्ट पर कोई चर्चा नही की गई जबकि 31.3.2020 तक की रिपोर्ट का सारांश बताता है कि रिपोर्ट में बताने की जगह छिपाने का काम ज्यादा किया गया है। स्टेट फाईनेंस ऑडिट पहल रिपोर्ट में यह उजागर करती है कि बड़े-बड़े दावे करने वाले अरविन्द केजरीवाल वर्ष 2019-20 में 64,180.68 करोड़ के बजट का 19.74 प्रतिशत 12,670.65 करोड़ खर्च ही नही कर पाई जिसकी 74.03 प्रतिशत राशि 9,380.69 करोड़ रुपये खर्च नही करने के कारण सरेंडर कर दिया और 3289.96 करोड़ का बजट समर्पण न करने के कारण लैप्स हो गया। उन्होंने कहा कि दिल्ली का दुर्भाग्य है कि विकास में काम आने वाली बजट की 49,731.50 करोड़ राशि केजरीवाल दिल्लीवासियों के हितों और कल्याण के लिए खर्च ही नही कर पाई।

चौ. अनिल कुमार ने कहा कि सीएजी रिपोर्ट में केजरीवाल की दिल्ली सरकार में भ्रष्टाचार का प्रमाण पारदर्शिता के साथ उजागर होता कि दिल्ली सरकार पिछले 7 वर्षो में जीडीपी की तुलना में राजस्व का घाटा बढ़ा है जो -0.33 प्रतिशत के साथ 3039 करोड़ तक पहुँच गया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और अपनी विफलताओं के उजागर होने के डर के कारण मुख्यमंत्री ने टेबल की गई रिपोर्ट पर चर्चा नही की जबकि यह सभी जानते है इनके 80 प्रतिशत मंत्री जेल जा चुके है, 32-38 विधायकों पर आरोप साबित हो चुके जबकि पूर्व स्वास्थ्य मंत्री जेल में है और वित्त मंत्री के खिलाफ आरोप साबित हो चुके है।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने अपने स्कूलों के 12000 छात्रों के लिए रीडिंग की समझ और अभिव्यक्ति की प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया

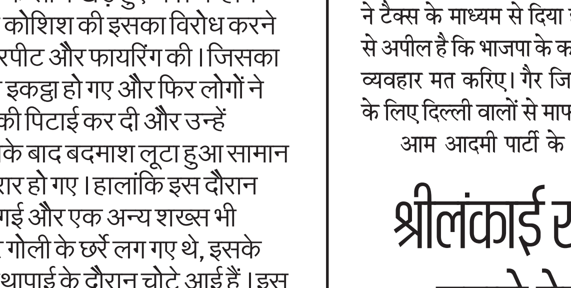

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (ठऊटउ) ने आज नवयुग स्कूल, विनय मार्ग, नई दिल्ली से अपने प्राथमिक और माध्यमिक कक्षाओं के छात्रों के लिए समझ और अभिव्यक्ति के साथ रीडिंग प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। यह प्रतियोगिताएं सभी अटल आदर्श विद्यालयो और नवयुग स्कूलों में कक्षा ककक से श्ककक के छात्रों के लिए शुरू की गई है।

इस अवसर पर पालिका परिषद के निदेशक (शिक्षा) श्री आरपी सती सहित शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, शैक्षणिक सलाहकार, शिक्षक और छात्र उपस्थित थे।

ह्लनिपुण भारत मिशनह्व और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, सीखने की मूलभूत आवश्यकता समझ और भाव के साथ सही ढंग से पढ़ना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, पालिका परिषद ने अपने स्कूल में रीडिंग के साथ समझ और अभिव्यक्ति का अभियान शुरू किया। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान 11 मई से 3 जून, 2022 तक आयोजित मिशन बुनियाद /ग्रीष्मकालीन शिविर के दौरान विद्यार्थियों को पढ़ने की आदत डालने पर विशेष बल दिया गया। छात्रों को पढ़ने की आदत को के साथ भाव को समझने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए समर कैंप के दौरान यह घोषणा भी की गई थी कि कक्षा ककक से श्ककक के छात्रों के लिए कक्षावार प्रतियोगिता गर्मी की छुट्टियों के बाद आयोजित की जाएगी ।

इस प्रतियोगिता में कक्षा तीसरी से आठवीं कक्षाओं तक के लगभग 12000 विद्यार्थी भाग लेंगे। हिंदी और अंग्रेजी के लगभग 160 विषय शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों में रीडिंग के साथ समझ और अभिव्यक्ति और साथ-साथ छात्रों के पढ़ने के कौशल को विकसित करने का प्रयास किया गया है। छात्र अब इंटर स्कूल स्तरीय प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं।

पढ़ने की सामग्री को प्रभावी ढंग से और सही ढंग से पढ़ने के दौरान समझ और अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने के लिए छात्रों के बीच हिंदी और अंग्रेजी भाषा में सभी स्कूलों में रीडिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। प्रत्येक स्कूल के सर्वश्रेष्ठ पाठक क्लस्टर स्तर (जिसमें 5-6 स्कूल शामिल हैं) पर प्रतिस्पर्धा करेंगे और उसके बाद प्रत्येक क्षेत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला प्रत्येक पाठक विद्यार्थी एनडीएमसी स्तर पर प्रतिस्पर्धा में भाग लेंगे। प्रतियोगिता से प्रत्येक कक्षा के चयनित विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं के बाद इस अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्रों के बीच सर्वोत्तम रीडिंग प्रैक्टिस को विकसित करना और पिछले दो शैक्षणिक सत्रों के दौरान ऑनलाइन कक्षाओं के कारण हुई कमियों के गैप को भरना भी है।

उद्यमी स्व. जय करण शर्मा पर डाक टिकट जारी

» सतबीर शर्मा, मदरलैंड संवाददाता

गुरुग्राम। पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने चेतक समूह के संस्थापक स्व. श्री जय करण शर्मा की असाधारण उपलब्धियों के लिए सम्मान देते हुए यहां एक इवेंट में डाक टिकट जारी किया। श्री शर्मा हरियाणा के छोटे से गांव में एक किसान के घर पैदा हुए थे और बिना पूंजी के उन्होंने लॉजिस्टिक्स का देश में बड़ा साम्राज्य खड़ा कर दिया तथा हजारों लोगों को रोजगार दिया।

पोस्ट मास्टर जनरल अशोक कुमार ने अपने विभाग की ओर से माय स्टांप डाक टिकटों का एक अल्बम मंत्री महोदय को प्रदान किया जिन्होंने श्री जय करण शर्मा की पत्नी और चेयर पर्सन चेतक समूह की चेयरपर्सन श्रीमती कृष्णा शर्मा, उनके तीनों पुत्रों मुकेश हरितश, राजेश हरितश तथा प्रो. रघुराम, प्रिंसिपल एकेडेमिक एजवाइजर एनआरटीआई तथा आईआईएम बेंगलुरू के पूर्व निदेशक की उपस्थिति में उसका लोकार्पण किया।

इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री श्री रेड्डी ने कहा कि मुझे इस बात की खुशी है कि इंडिया पोस्टल डिपार्टमेंट ने ग्रामीण पृष्ठभूमि के एक उद्यमी पर यह डाक टिकट जारी करके उन्हें समुचित सम्मान दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे मालूम हुआ कि श्री जय करण शर्मा अपनी लगन और कड़ी मेहनत से आगे बढ़ते चले गये लेकिन मैं कहूंगा कि वह सिर्फ अकेले ही नहीं आगे बढ़े बल्कि हजारों को भी आगे ले आये। उन्होंने न अनगिनत लोगों को रोजगार दिया

और उनका जीवन संवार दिया, साथ ही भारतीय अर्थव्यवस्था में भी योगदान किया।

श्री रेड्डी ने आगे कहा कि शर्मा जी प्रधान मंत्री के रोजगार सृजन कार्यक्रम के एक जीवंत उदाहरण हैं। उन जैसे लोग ही सरकार की विकास कार्यों की पहल में भागीदार होते हैं। मुझे उम्मीद है कि उन्हें इस तरह का सम्मान देने से देश का युवा उद्यशीलता की ओर प्रोत्साहित होगा और सरकार की विभिन्न नीतियों का लाभ उठा सकेगा। उन्होंने कहा कि चेचक समूह को अपना प्रसार करते रहना चाहिए तथा विदेशों में भी कदम बढ़ाना चाहिए।

इस अवसर पर चेतक समूह के डायरेक्टर मुकेश हरितश ने कहा कि पोस्टल विभाग ने श्री जय करण शर्मा पर डाक टिकट जारी करके उनका मान बढ़ाया है। मंत्री महोदय ने उस महती कार्य के लिए समय निकाला, यह हमारे लिए गौरव की बात है। श्री जय करण शर्मा ने बिना पूंजी के अपनी मेहनत, लगन, दूरदर्शिता से देश की सबसे बड़ी लॉजिस्टिक्स कंपनी चेतक खड़ी की। उन्होंने आजीवन असहाय, वंचित वर्ग के लोगों और छात्रों की मदद की। लड़कियों के विवाह में हाथ बंटाने से लेकर कॉलेज, धर्मशाला, मंदिर वगैरह बनवाने में उन्होने भरपूर मदद की।

श्री शर्मा को मरणोपरांत लॉजिस्टिक्स मैन ऑफ इंडिया का अवार्ड हाल ही में मिला। उसके अलावा उन्हें ट्रांसपोर्ट रतन, ट्रांसपोर्ट सम्राट जैसे कई पुरस्कारों से नवाजा गया।

संक्षिप्त समाचार

फुटपाथ निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास

आसनसोल ।बराकर बाजार मे आसनसोल नगर निगम के वार्ड नंबर 67 में गुरुवार को फुटपाथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इस दौरान वार्ड नंबर 67 के बराकर बेगुनिया मोड़ से लखियाबाद तक फुटपाथ निर्माण कार्य का गुरुवार को स्थानीय पार्षद टुंपा चौधरी ने कुदाल चलाकर कर कार्य आरंभ किया । मालूम हो कि बराकर बाजार को जाम मुक्त बनाने को लेकर निगम ने अभियान चलाया था तथा अवैध कब्जा हटने के बाद सड़क के किनारे पुथपाठ बनाने की योजना थी ।ताकि बराकर बाजार की सुंदरता बढ़े ।जिसके मद्देनजर यह कार्य आरंभ किया गया है ।इस अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि राजा चौधरी, बराकर फाँडी प्रभारी राजशेखर मुखर्जी ,अली हुसैन, बारीक अंसारी, मुन्ना सहित कई तृणमूल कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद ने बताया है कि आसनसोल नगर निगम की ओर से निर्गत किए गए 15 लाख रुपये की राशि से इस कार्य को पूर्ण किया जाएगा ।इस कार्य के पूर्ण होने पर लोगों को बराकर बाजार खरीददारी करने में काफी सुविधा होगी और इसकी सुंदरता भी काफी बढ़ जायेगी ।

मैनपुरी पहुँचे लोक निर्माण मंत्री जतिन प्रसाद ने जनपद में प्रस्तावित कई रोडों का उद्घाटन किया

अजय सक्सेना, मदरलैंड संवाददाता, मैनपुरी। जनपद में पहुँचे उत्तर प्रदेश सरकार के लोक निर्माण मंत्री जतिन प्रसाद ने मैनपुरी शहर स्थित सर्किट हाऊस पर पहले सभी पार्टी के कार्यकताओं, विभाग के अधिकारी कर्मचारी व ठेकेदारों के साथ बैठक की जिसमें कहा गया कि सरकार की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है कि गांव हो या शहर सभी जगह रोड सरकार की मंशानुसार ही बननी चाहिये ताकि जनता व किसानों को किसी भी प्रकार असुविधा न हो ।जिसके बाद वहां से जनपद में प्रस्तावित करीब एक दर्जन से अधिक रोडों का उद्घाटन किया और सभी अधीनस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों व ठेकेदारों को निर्देशित किया कि जल्द से जल्द प्रस्तावित रोडों को बना कर पूर्ण किया जाये ।तो वही पर मंत्री ने बताया कि सरकार की 100 दिन की योजना के चलते जो सरकार के द्वारा चुनाव के दौरान बादे किये गये थे कि रोड नहीं तो वोट नहीं सरकार अपने बादों पर खरी उतरी है और जल्द से जल्द हर घर हर गांव की रोड सीधी बाईपास से जोड़ी जायेगी ताकि जनता को किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े ।

जिला पुलिस ने मृतक निरीक्षक की पत्नी सुनीता देवी को 1,0,7000 रुपये की आर्थिक मदद की

मदरलैंड संवाददाता, नूंह/मेवात। जिला नूंह पुलिस के अंतर्गत एस्कोर्ट गार्द नूंह इंचार्ज के रुप में कार्यरत निरीक्षक राजेन्द्र सिंह निवासी नौरंगपुर जिला गुरुग्राम का दिनांक 13.05.2022 को हार्ट अटैक बीमारी के कारण स्वर्गवास हो गया था ।मृतक राजेन्द्र सिंह अपने पीछे पत्नी सुनीता देवी के अतिरिक्त 2 विवाहित बच्चे हितेश यादव और रविन्द्र कुमार को छोड़ गया ।घर की आर्थिक स्थिति को देखते हुये पुलिस अधीक्षक नूंह के मार्ग-दर्शन में सभी पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा एकत्रित राशि कर 1,0,7000 रुपयें का चैक सुनीता देवी विधवा मृतक निरीक्षक राजेन्द्र सिंह को आर्थिक सहायता के रुप में दिया गया ।बता दें कि, निरीक्षक राजेन्द्र सिंह की उम्र करीब 54 वर्ष थी जो दिनांक 20.03.1988 को सिपाही के पद पर भर्ती हुआ था ।जिसने पुलिस विभाग में करीब 34 वर्ष सेवा की ।

एक आरोपी को 54 ग्राम स्मैक सहित दबौचा

मदरलैंड संवाददाता, नूंह/मेवात। जिला पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर नशीला पदार्थ सप्लाई करने वाले एक आरोपी को दबौचकर मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी से नशीला पदार्थ बरामद आगे कार्रवाई शुरू कर दी ।पुलिस के मुताबिक पुलिस को सूचना मिली थी कि मुस्ताक पुत्र महमूद निवासी गांव रेहना थाना सदर नूंह जिला नूंह जो स्मैक/हेरोइन की सप्लाई करता है और अपनी सिव्फट डिजायर कार नं-एचआर-74ए-9646 से नूंह की तरफ जायेगा, पुलिस ने नाकाबंद कर आरोपी को नशा सहित दबौच लिया। पुलिस ने बतौर डयूटी मैजिस्ट्रेट तहसीलदार इंडरी रवि तंवर को मौके पर बुलाकर गाडी की तलाशी लेने पर मैट पर रखी एक पॉलिथीन में 54 ग्राम स्मैक बरामद कर आगे कार्रवाई शुरू कर दी।

ईद- उल-अजहा व कावंड़ यात्रा के मद्देनजर दातागंज सर्किल हाई अलर्ट पर :-सी ओ

सफाई व्यवस्था को लेकर डिप्टी एस.पी ने दिए निर्देश

» **मदरलैण्ड संवाददाता**

बदायूँ। ईद-उल-अजहा और कांवड़ यात्रा को लेकर जनपद बदायूँ के दातागंज सर्किल डिप्टी एस.पी कर्मवीर सिंह ने दातागंज सर्किल में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। इसके साथ सभी थानाध्यक्षों ,चौकी प्रभारियों सहित हल्का उपनिरीक्षको बीट सिपाहियों को अपने क्षेत्र में गश्त करने के आदेश जारी किए है। इसके साथ जिले के सभी संवेदनशील और अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में पैनी नजर रखने के लिए निर्देशित किया है ।आगामी 10 जुलाई को ईद-उल-अजहा का त्योहार है। इसके साथ कांवड़ यात्रा भी शुरू होगी। डिप्टी एस.पी कर्मवीर सिंह ने ईद-उल-अजहा और कांवड़ यात्रा की सुरक्षा को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। शहर से लेकर देहात तक के सभी थानों के इंस्पेक्टर तथा एसओ चौकी प्रभारी सहित समस्त कर्मियों को अलर्ट के आदेश दिए हैं साथ ही उन्होंने गश्त करने के साथ साथ ग्राम प्रधानों के साथ साथ गणमान्य लोगों से भी संपर्क रखने के लिए कहा गया है ।इसी क्रम में पुलिस उपाधीक्षक कर्मवीर सिंह ने कोतवाली दातागंज परिसर में पहुँचकर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ईद उल अजहा (बकरीद) पर्व एवं 10 जुलाई को उसी दिन शुरू होने जाने वाली कावड़ यात्रा के दृष्टिगत कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए विभिन्न समुदाय के धर्मगुरुओं के साथ बैठक की। इस दौरान दातागंज पुलिस उपाधीक्षक कर्मवीर सिंह ने धर्मगुरुओं को संबोधित करते हुए कहा कि अभी तक आपने सभी त्योहारों में सहयोग प्रदान किया है। इसी प्रकार आगे भी सहयोग प्रदान करें। खुले में और प्रतिबंधित पशु की कुबार्नी न हो। कुबार्नी के अवशेष को खुले में न डालें। उनका उचित निस्तारण हो इस चीज का विशेष ध्यान रखा जाना है। उन्होंने बैठक में मौजूद लोगों के सुझावों को सुनते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया और कहा कि यदि किसी भी प्रकार की कोई समस्या होती है तो उसके संबंध में तत्काल पुलिस को जानकारी दी जाए। जिससे त्वरित कार्रवाई की जा सके। उन्होंने सभी अधिकारियों कर्मचारियों को निर्देश दिए कि त्योहार से पूर्व ही अपने अपने क्षेत्रों का भ्रमण कर व्यवस्था सुनिश्चित कर लें। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी ।कांवड़ यात्रा के दौरान शराब और मीट की दुकानें पूरी तरह से बंद रहेंगी उपजिलाधिकारी के अनुमति लेकर ही कांवड़ यात्रा में कावड़िया डी.जे लेकर जायेंगे डी.जे किराए पर देने वाले स्वामियों को कोतवाली दातागंज द्वारा नोटिस पहुंचाया जा चुका है बिना परमिशन से डी.जे का सामान न दे, कांवड़ मार्गो पर अवैध मीट की दूकानों को पहली प्राथमिकता पर बंद कराया जाएगा। चिकित्सा अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा कांवड़ मार्गो पर चिकित्सीय कैंप लगाएंगे, एंबुलेंस सहित चिकित्सीय दल एवं सभी आवश्यक दवाओं के साथ एंटी वेनम दवाओं की पर्याप्त व्यवस्था रखेंगे। कांवड़ मार्गो को गड्ढामुक्त कराया जाएगा। कांवड़ मार्ग में जलभराव न हों यह सुनिश्चित किया जाए। कांवड़ मार्ग में अगर कहीं झाड़ियां बढ़ी हुई हैं तो उसे वन विभाग और सिंचाई विभाग तत्काल कटवाएं। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों से कहा कि वह कावड़ मार्ग पर पड़ने वाले सभी जर्जर तारों को तत्काल बदलवाया जाए। ढीले तारों को टाइट कराया जाए। उन्होंने विद्युत अधिकारियों को कांवड़ मार्ग में आने वाले विद्युत खंभों को आठ फीट तक प्लास्टिक से कवर कराने व ट्रांसफार्मर की बैरिकेडिंग कराने के लिए निर्देशित किया जाए। इंस्पेक्टर सौरभ सिंह ने बताया कि ईद व कांवड़ यात्रा के लिए शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी है। बैठक में ईद के पर्व पर किसी गांव में कोई समस्या हो तो अवगत कराने के लिए कहा गया। शांति समिति की बैठक में ईद व कांवड़ यात्रा पर सभी गणमान्य लोग अपने अपने सुझाव रख सकते हैं पर्व पर किसी गांव में कोई समस्या हो तो अवगत कराए साथ ही कहा कि कुबार्नी के अवशेष को दफनाए। बताया कि कुछ लोग इन अवशेषों को खुले में डाल देते हैं, जिनको आवारा कुत्ते खींच कर यहां-वहां डाल देते हैं, जिससे कई बार समस्या पैदा हो जाती है। उन्होंने बताया कि लोग निर्धारित स्थान पर ही कुबार्नी करें। साथ ही उन्होंने कांवड़ यात्रा जुलाई से शुरू हो रही है। इसके लिए अपने-अपने गांव में एक शांति समिति बनाकर उनकी सेवा भाव से यात्रा को पूरा कराया जाए। उन्होंने मंदिरों पर विशेष सफाई करने व असामाजिक तत्वों पर निगाह रखने के भी निर्देश दिए। पर्व को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए ।पर्व के मौके पर चाक चौबंद पुलिस व्यवस्था रहेगी। अगर कोई असामाजिक तत्व गड़बड़ी करता है। तों उसकी मोबाइल पर सूचना दें तवरित कार्रवाई की जाएगी। मालूम हो कि इस साल ईद उल अजहा यानी बकरीद पर्व आगामी 10 जुलाई रविवार को मनाई जाएगी। विधि व्यवस्था की जानकारी देते हुए कोतवाली क्षेत्र के सभी ईदगाह पर नमाज के पूर्व पुलिस बल तैनात रहेगा। बैठक में मौजूद राकेश वर्मा ने अपने विचार रखे और कहा कि दातागंज पुलिस उपाधीक्षक हमारे दातागंज क्षेत्र के लोगों के लिए जन हितैसी पुलिस अधिकारी मिले है जो कि हर पीड़ित के प्रार्थना पत्र मिलने पर मौके पर जाते है और 72 घन्टे के अदंर निस्तारण कर देते है जिससे कानून व्यवस्था मजबूत दिख रही है। साथ ही हम उनकी मधुरभाषी भाषा शैली की प्रशंसा करते है और हम सभी बैठक में मौजूद लोग ऐसे पुलिस अधिकारी का ताली बजा कर आभार प्रकट करते है। संभ्रांत व्यक्ति एवं नगर पालिका परिषद के सभासद एम फिरोज ने कहा कि गत दिनों पहले हम सभी लोगों आते थे तो पेड़ के नीचे हम लोगों को बैठना पड़ता था जिस कारण काफी बार पक्षी बीट कर देते थे बंदर भी आ जाते थे और वो भी टॉयलेट कर देते थे इस कारण हम लोगों के कपड़े खराब हो जाते थे ,परन्तु अब कोतवाली परिसर का अच्छा सुंदरीकरण हो गया है सभी को बैठने के लिए यह पत्थर से बनी साफ स्वच्छ जगह , धूप आदि से बचाव हेतु ऊपर लगे टीन सेट,ठंडा साफ जल की व्यवस्था हुई है। हम सभी लोग ऐसे कर्तव्यनिष्ठ तेजतर्रार पुलिस अधिकारी इंस्पेक्टर सौरभ सिंह व उनके कदम चिन्हों पर चल रहे कस्वा इंचार्ज हरीश कुमार की अच्छी कार्यप्रणाली की प्रशंसा करते है। साथ ही उच्च अधिकारियों का आभार व्यक्त करते है कि उन्होंने ऐसे पुलिस अधिकारी हमारे दातागंज क्षेत्र को दिए हैं जिनकी वजह से पुलिस विभाग की एक अच्छी छवि बन रही है। जिसको सुन कर डिप्टी एस.पी कर्मवीर सिंह ने दातागंज इंस्पेक्टर सौरभ सिंह व कस्वा इंचार्ज हरीश कुमार सराहना की।

जिला पुलिस ने फिर से अवैध हथियार की फैक्ट्री पकड़ी, दर्जनों अवैध हथियार बरामद

» **मयंद मोहन, मदरलैंड संवाददाता**

नूंह/मेवात। जिला पुलिस द्वारा समीपवर्ती राजस्थान में अवैध हथियार की फैक्ट्री का फिर से पदार्फाश किया है। सीआईए तावडू टीम द्वारा एक के बाद एक सफलता हांसिल करने से जिला पुलिस का नाम रोशन हो गया है। जबकि राजस्थान पुलिस व सरकार इन फैक्टरियों को लेकर लम्बी तानकर सोई हुई है।

जिला पुलिस कप्तान वरुण सिंगला ने गुरूवार को पत्रकारवार्ता में जानकारी दी कि 4 जुलाई को जिला के गांव घाटा शमसाबाद में नाकाबंदी करके अवैध हथियारों को बेचने का काम करने वाले दो आरोपी मंजीत पुत्र सिंगार सिंह व गुरविन्द्र पुत्र बलदेव निवासीयान सैहसन जिला भरतपुर (राजस्थान) को दबौचकर उनके कब्जे से दर्जनभर अवैध हथियार बरामद किए थे जिस संबध मे थाना फिरोजपुर झिरका में सम्बधित धाराओ के तहत मुकदमा दर्ज करके उपरोक्त आरोपियों को मुकदमा में गिरफ्तार करके बरामद हथियारों को कब्जा पुलिस में लिया । सीआईए तावडू पुलिस ने पूरे नेटवर्क का खुलासा करने तथा और अधिक गहनता से पूछताछ करने के लिये हथियारों के सप्लायरों को कोर्ट में पेश कर 02 दिन के रिमांड पर लिया । आरोपियों ने रिमांड में जानकारी देने पर अवैध हथियारों के मुख्य सप्लायर बिलाल पुत्र रफीक निवासी कठोल (राजस्थान) गिरफ्तार करके उसके उसकी अवैध हथियार बनाने की फैक्ट्री से 03 अवैध कट्टे 315 बोर व एक अवैध हथियार बनाने वाली मशीन बरामद की थी तथा दिनांक 05.07.2022 को सह-आरोपी शकील पुत्र अब्दुल निवासी सालाहेड़ी को गिरफ्तार करके उसके कब्जा से 02 बन्दूक 312 बोर, 01 अवैध पिस्टल 38 बोर व 50 रौंद बरामद किये थे । आरोपी बिलाल व सकील को अदालत में पेश करके और अधिक गहनहता से पूछताछ व बरामदगी के लिये 01 दिन पुलिस रिमांड पर लिया और उनसे गहनता से पूछताछ करने पर 6 जुलाई को पप्पू उर्फ हैदर अली निवासी बिछौर (जिला नूंह) को बिछौर बस अड्डा से गिरफ्तार करके उससे पूछताछ करने उपरांत उसके घर से 14 नाजायज असले जिनमें 10 अवैध देशी कट्टे, 01 रिवाल्वर, 03 राईफल डोगा 312 बोर व 50 जिंदा रौंद बरामद किये । आरोपी पप्पू उर्फ हैदर अली से गहनता से पूछताछ करने व उसके कथन अनुसार दिनांक 07.07.2022 को रियान पुत्र मजीद निवासी मूसापुर को गिरफ्तार करके उसके घर से 01 अवैध देशी कट्टा 312 बोर बरामद किया व उससे पूछताछ के बाद गांव गढी आजान के पहाड़ से उसकी अवैध हथियार बनाने की फैक्ट्री का पदार्फाश करते हुये उसकी फैक्ट्री से अवैध हथियार बनाने के औजार और उसमें प्रयोग होने वाला कच्चा माल व अवैध हथियार बनाने की मशीन बरामद की । आरोपियों को न्यायालय में पेश करके रिमांड लिया जाएगा।

श्री चित्रगुप्तस्नातकोत्तर महाविद्यालय में कार्यरत कर्मचारी सुभाष चंद्र का धूमधाम से हुआ विदाई समारोह कार्यक्रम

» **मदरलैंड संवाददाता**

मैनपुरी। श्री चित्रगुप्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय मैनपुरी के सभा कक्ष में विद्यालय के निष्ठाबानईमानदार लोक प्रिय मधुरभासीकर्मचारी सुभाष चंद्र के सेवानिवृत्त होने पर महा विद्यालय के कर्मचारियो तथा शिक्षकों द्वारा विशाल स्तर पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें महा विद्यालय के प्राचार्य शिखा सक्सेना सचिव प्रबंध समिति ओम प्रकाश सक्सेना ओमी तथा प्रबंध समिति के सदस्यों की उपस्थिति विशेष उल्लेखनीय रही

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य शिखा सक्सेना ने सुभाष के कार्य व्यवहार कर्तव्य निष्ठा की प्रशंसा करते कहा कि जो भीकर्मचारी सेवा में आते हैं कुशलता से सेवा करने के बाद सेवानिवृत्त होना सेवा नियम है सुभाष अपनी पूरी सेवा बड़ी निष्ठा ईमानदारी से की है जो भी कार्य सौंपा गया है उसे बड़े लगन से किया है ।सेवानिवृत्त होने पर उनके उज्जवल भविष्य की शुभ कामना करती हूं। महाविद्यालय की प्रबंध समिति की ओर से बोलते हुए महाविद्यालय के सचिव प्रबंध समिति ओमप्रकाश सक्सेनाओमी ने कहा कि सुभाष चंद्र को जो भी काम बताया गया उसको उन्होंने बड़ी लगन से किया है कभी किसी काम में आनाकानी नहीं की है ।उनके मधुर हंसमुख स्वभाव कार्य व्यवहार से सभी उनसे खुश रहे हैं। मैं उनके सेवानिवृत्त होने के बाद उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देता हूं । महाविद्यालय कर्मचारियों की ओर से डॉ सूर्य मोहन ने भी सुभाष की काफी प्रशंसा की और उन्हें निष्ठावान कर्मचारी बताया है महाविद्यालय के सचिव प्रबंध समिति ओम प्रकाश सक्सेना ओमी तथा डॉ सूर्य मोहन सक्सैना ने महाविद्यालय की ओर से सुभाष चंद को शाल उड़ा कर फूल माला पहनाकर प्रतीक उपहार देकर स्वागत किया महाविद्यालयके कर्मचारियों व शिक्षकों ने भी उपहार दिए।

इस विदाई समारोह में डॉ अमित पांडे डॉ प्रभात सिन्हा डॉ शैलेंद्र यादव डॉ अरविंद यादव अजय कुलश्रेष्ठ प्रमोद जैन आदि उपस्थित बताई गई हैं। ज्ञात हो सुभाष चंद्र होम्योपैथिकचिकित्सा की अच्छी जानकारी रखते हैं। जिससे काफी लोग लाभान्वित होते रहते हैं।

मैनपुरी प्रेस क्लब के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए वरिष्ठ पत्रकार मनोज चतुर्वेदी

» **मदरलैंड संवाददाता**

मैनपुरी। जनपद में पत्रकार एकता की पहल में पहली बार जिला स्तर पर प्रेस क्लब का गठन सर्वसम्मति हुआ है, जिस में सर्वसम्मति से हिंदुस्तान अखबार के ब्यूरो चीफ मनोज चतुर्वेदी को निर्विरोध प्रेस क्लब का अध्यक्ष चुना, गया है

प्राप्त जानकारी के के अनुसार मैनपुरी जनपद में पहली बार मैनपुरी प्रेस क्लब का गठन किया गया जिसकी एक बैठक स्टेशन रोड स्थित एक होटल में आयोजित की गई ।जिसमें सभी पत्रकारों ने वरिष्ठ निष्पक्ष पत्रकार मनोज चतुर्वेदी को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया और उपस्थित सभी पत्रकारों ने फूल मालाओं से चतुर्वेदी का स्वागत किया ।इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार दयाशंकर तिवारी ने की है ।निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने पर मनोज चतुर्वेदी ने सभी उपस्थित पत्रकारों को धन्यवाद देते हुए कहा कि जनपद के पत्रकारों ने जो उन्हें जिम्मेदारी सौंपी है उसका वह सत्य निष्ठा से निर्वाह करेंगे तथा जनपद स्तर के सभी पत्रकारों की समस्याओं को शासन प्रशासन तक तक पहुंचाने के लिए कार्य करते रहेंगे और सभी पत्रकारों का सम्मान बना रहे ।

वहीं वरिष्ठ पत्रकार दयाशंकर तिवारी ने अपनी प्रशंसा जाहिर करते हुए कहा है कि जनपद पत्रकारों ने एक नया संदेश देने का काम किया है ।जुझारू निष्पक्ष पत्रकार मनोज चतुर्वेदी को सर्व सम्मत से निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है ।वह सभी पत्रकारों की भावनाओं का सम्मान करते हुए पत्रकारों के हितों में काम करेंगे। इस मौके पर जनपद के तमाम पत्रकार उपस्थित रहे हैं।

जनपद के वरिष्ठ वयोवृद्ध पत्रकार साहित्यकार किशोर इटावी ने मैनपुरी प्रेस क्लब के निर्विरोध अध्यक्ष मनोज चतुर्वेदी चुने जाने पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी है ।आईरा संगठन के जिला अध्यक्ष अजय सक्सेना व संगठन के महामंत्री अजय किशोर ने निर्विरोध चुने जाने पर मनोज चतुर्वेदी को शुभकामनाएं दी है।

ईद-उल-जुहा(बकरीद) पर्व को लेकर तैयारियां शुरू, पर्व को लेकर प्रशासन सतर्क

» **मदरलैंड संवाददाता**

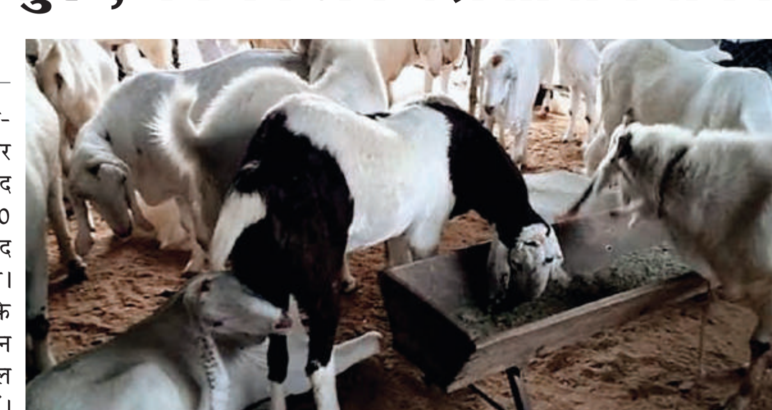

नूंह/मेवात। ईद-उल-जुहा(बकरीद) पर्व को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है। चांद के दीदार के मुताबिक 10 जुलाई, रविवार को बकरीद का त्योहार मनाया जाएगा। मुस्लिम बाहुल्य जिला होने के चलते पर्व को लेकर प्रशासन भी सतर्क है और वह पल- पल की निगरानी रखे हुए हैं। खासकर पुलिस कप्तान द्वारा पर्व पर गाय की कुबार्नी से बचने की सख्त हिदायत दी है। वहीं, नुपुर शर्मा व उदयपुर काण्ड के बाद सोशल मीडिया की पोस्टों के अलावा ,नफरती बयानबाजी से बचने की भी हिदायत दी गई है। हाफिजों व मौलवियों ने भी पर्व को अमन शांति से मनाने की बात पर जोर दिया है। खासकर बेवजह के फसाद से बचने की बात कही है। वहीं, पर्व को लेकर जिला में बकरीद की खरीददारी अंतिम पड़ाव पर है। मेवात के कुबार्नी के बकरों की मांग दूर-दूर तक होती है तथा बकरों के मालिकों को मूंह मांगा दाम मिलता है। कई लोग महीनों पहले ही मेवात सहित राजस्थान आदि जगहों से गांव-गांव में जाकर बकरों को खरीदकर जाते हैं और इस पर्व पर बेचकर मुनाफा कमाते हैं। पर्व को लेकर बाजारों में भी रौनक देखी गई है खासकर रेडिमेट, कपडे, टेलर, जनरल स्टोर, साज-सज्जा, महिला वस्त्र, चूड़ि◼ां ,सेंडिल, जूता-चप्पल आदि की दुकानों पर जमकर खरीददारी हो रही हैं। गाड़ी पर कमाने गए लोग भी पर्व के लिए दूर-दराज से आने शुरू हो गए हैं।

गली-मोहल्लों के रास्तों पर कब्जों को लेकर प्रशाासन लम्बी तानकार सोया

» **मदरलैंड संवाददाता**

नूंह/मेवात। जिला की नूंह नगर परिषद व तावडू, पुन्हाना, फिरोजपुर झिरका नगरपालिका क्षेत्र में गली-मोहल्लों की सडकों, रास्तों आदि पर बेखौफ हो रहे कब्जों को लेकर प्रशाासन लम्बी तानकार सोया बैठा हैं। लोगों की माने तो इससे सडक रास्ते कुंज गली में तब्दील होते जा रहे हैं।

हैरत की बात देखने को यह मिल रही है कि जिला के जनता दरबार व नपा की बैठकों में जनप्रतिनिधियों द्वारा बार-बार आवाज बुलंद करने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है।

हुकम चंद, गोबिन्दराम, गोपाल, सलीम, रवि, सुरेन्द्र जैन, नरेश सोनी आदि ने बताया कि जिला की नूंह नगर परिषद व तावडू, पुन्हाना, फिरोजपुर झिरका नगरपालिका क्षेत्र में गली-मोहल्लों की सडकों, रास्तों आदि पर बेखौफ हो रहे कब्जों को लेकर प्रशासन जान कर भी अंजान है। घरों के आगे नियमों के विरूद्व अधिक खड़ंजे निकले हुए हैं। कब्जों के चलते दुपहिया, चौपहिया वाहन तक निकलने मुश्किल हैं खासकर घरों, दुकानों के आगे वाहन खड़ा करने से रास्ते बिल्कुल रोकने से सिरफुटवैल की नौबत बन जाती हैं। उन्होंने प्रशासन को इस ओर ध्यान देने की मांग की है।

इस बारे में नूंह नगर परिषद के ईओ से सम्पर्क करने पर बताया गया कि उनके पास यहां का अतिरिक्त पदभार होने से वह कभी कभार ही पहुंचते हैं और साथ ही कहा कि अभी तक वह पहुंचे नही हैं, उन्होंने कहा कि वह किसी भी तरह की बयानबाजी के लिए अधिकृत नहीं हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तावडू पर दानवीर सेठ का नाम नहीं होने से क्षेत्रवासियों में रोष

» **मदरलैंड संवाददाता**

नूंह/मेवात। दानवीर सेठ स्व0 लाला हरदवारीलाल राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अब सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तावडू पर दानवीर सेठ का नाम नहीं होने से क्षेत्रवासियों में रोष व्याप्त हैं।

हैरत की बात देखने को यह मिल रही है कि क्षेत्रवासी इस बात का कई बार विरोध भी जता चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद लोगों की उठाई गई आवाज को दबाया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि, प्रदेश में देवीलाल शासनकाल में तावडू के दानवीर सेठ लाला हरदवारीलाल गोयल ने क्षेत्रवासियों के लिए एक महाविद्यालय व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के लिए भूमि दान कर उस पर निर्माण कराकर सरकार के सुपुर्द किया था और उनके जीवित काल के दौरान अस्पताल में दवाईयां, महाविद्यालय में पुस्तकें, छात्रवृति, गरीब विद्यार्थियों के लिए फीस आदि के अलावा समय-समय पर आर्थिक अनुदान भी दिया जाता था।

संक्षिप्त समाचार

बाबू हत्याकांड में शामिल दस हजार का इनामी दसवां आरोपी गिरफ्तार

मदरलैंड संवाददाता, भगवानपुरह्न बाबू हत्याकांड में शामिल दसवें आरोपी शुभम राणा पुत्र स्व. सुभाष निवासी रूहालकी थाना भगवानपुर को बृहस्पतिवार सुबह पुलिस ने बुग्गावाला मार्ग से गिरफ्तार कर लिया ! पुलिस के मुताबिक 24 जून को रोहित राणा के साथ 20 से 25 लडकों ने मिलकर रूहालकी दयालपुर शमशान घाट के पास बाबू मिल्ट्री पुत्र सुरेश ड्राइवर निवासी इंद्रा कालोनी सुनहरा की मारपीट कर हत्या कर दी थीह्न पुलिस ने मृतक के भाई आशीष कुमार की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर कार्रवाई शुरू की ! इसमें पुलिस ने 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया और अन्य की खोज बीन जारी रखीह्न सुबह दस हजार का इनामी दसवां आरोपी शुभम राणा भी पुलिस के हत्थे चढ़ गयाह्न पुलिस टीम से पूछताछ में शुभम राणा ने बताया कि 19 जून को दीपक सैनी व बाबू ने नेहरू स्टेडियम के पास से रोहित राणा को उठाकर मेवड़ ले जाकर मारपीट की थी। रोहित राणा उसका दोस्त हैं ! वह रोहित राणा से मिलने उसके घर गया, रोहित राणा की आप बीती सुनकर उसे भी गुस्सा आ गया ! जिस पर हम लोगो ने 24 जून को रोहित राणा के साथ मिलकर रूहालकी गांव के पास समझौते के नाम पर बुलाकर बाबू के साथ मारपीट की, जिसमें मौके से दीपक सैनी व विक्की ठाकुर भाग गये। बाबू को मरा हुआ समझ कर हम छोडकर चले गयेह्न पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपी का चालान कर दिया ! पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक भगवानपुर अमरजीत सिंह, उप निरीक्षक प्रवीण बिष्ट, कांस्टेबल सुधीर कुमार, चालक लाल सिंह शामिल रहे ह्न

झबरेड़ा पुलिस ने बकरीद त्यौहार को लेकर की बैठक

मदरलैंड संवाददाता, झबरेड़ा। बकरीद के मद्देनजर बृहस्पतिवार को थाना पुलिस द्वारा जूनियर हाई स्कूल लाठर देवा शेख में बैठक का आयोजन किया गया ' जिसमें क्षेत्र के आस-पास के गांव लाठरदेवा शेख, अकबरपुर झोजा, बलेलपुर, नगला कुबड़ा तथा खाताखेडी के जिम्मेदार लोगों के साथ राय मशविरा किया गया' बताया गया कि निश्चित जगह पर ही कुबार्नी दी जाए' नई जगह पर पशुओं का कटान न करें ' कुबार्नी के दौरान सेल्फी व वीडिओ बनाने से बचें ' गड़बड़ी करने वालों के विरुद्ध शख्त कार्यवाही करने के निर्देश उच्चाधिकारियों से प्राप्त हैं ' कुबार्नी के पशुओं के अवशेष अंगों को दफनाने के लिए गाँव से थोड़ी दूरी पर ही गड्ढा खुदवा दिया जाय ' ग्रामीण स्वच्छता का ध्यान रखते हुए गड्ढे का प्रयोग करें ' बैठक के दौरान सही उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी सहमति दी तथा पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया '

लिटिल मास्टर क्रिकेट क्लब के खिलाड़ियों ने दिखाया शानदार खेल

देहरादून, एजेंसी। पांच मैचों की श्रृंखला में लिटिल मास्टर क्रिकेट क्लब के खिलाड़ियों ने कैथल, कुरुक्षेत्र, सहारनपुर और हरिपुर में शानदार खेल दिखाकर दमखम दिखाया है और राज्य का नाम गौरवान्वित किया है। यहां जानकारी देते हुए क्लब के अध्यक्ष व कोच नरेन्द्र शाह ने बताया कि इस दौरान उदित, जितेंद्र, अंकुश, प्रिया, आरती, रविना, अलेक्स ने शानदार खेल दिखाया। वहीं हरी, आलोक, अखिलेश, शोरभ, अमन कुमार ने भी अपनी छाप छोड़ी और हर क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए क्लब का नाम रोशन किया। लेकिन 15 साल की आलराउंडर खिलाड़ी प्रिया राज ने सबको अपने खेल प्रभावित किया। उन्होंने प्रिया राज को भविष्य की किरण बताया। उन्होंने कहा कि राज्य में प्रतिभाओं की कमी नहीं है बल्कि उन्हें एक प्लेटफार्म तैयार करने की जरूरत है इसके लिए क्लब व्यापक स्तर पर कार्य कर रहा है और प्रतिभावान खिलाड़ियों को प्रशिक्षित कर उन्हें एक सफल खिलाड़ी बनाने में जुटा हुआ है।

एफआरआई के संविदा कर्मियों का बहाली की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरना स्थगित

देहरादून, एजेंसी। एफआरआई में कार्यरत संविदा कर्मचारियों का बहाली की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरने के 17वें दिन धरना व प्रदर्शन को स्थगित कर दिया गया। इस अवसर पर भारत संवैधानिक संरक्षण मंच के राष्ट्रीय संयोजक दौलत कुंवर ने बताया कि उच्च न्यायालय नैनीताल में पीड़ितों द्वारा एक जनहित याचिका दायर की गई थी जिस पर सुनवाई करते हुए एफआरआई के निदेशक को 21 दिन में कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं। वहीं उच्च न्यायालय के निर्णय का स्वागत करते हुए धरने को 21 दिन तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय नैनीताल में निदेशक एफआरआई को धरने पर बैठे आंदोलनकारियों का संज्ञान लेने को कहा है। न्यायालय द्वारा एक आदेश लेबर कमिश्नर को भी दिया गया उनको भी 21 दिन के अंदर सभी आंदोलनकारियों की सुनवाई करने को कहा गया है।

केवी-1 रूडकी में 51वीं देहरादून संभाग स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की! केवी-1 रूडकी में 51वीं देहरादून संभाग स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का बृहस्पतिवार को समापन हो गयो खेल प्रतियोगिताओं में देहरादून संभाग के करीब 25 केंद्रीय विद्यालयों के जूडो, ताइकवांडो, कबड्डी तथा शूटिंग के 150 खिलाडियों ने प्रतिभाग कियो प्रतियोगिता के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर मुकेश बरुआ, डीन, स्टूडेंट वेलफेयर, आईआईटी, रूड़की उपस्थित रहे सर्वप्रथम प्राचार्य वीके त्यागी ने पुस्तक देकर मुख्य अतिथि का स्वागत कियो मुख्य पर्यवेक्षक केंद्रीय विद्यालय लैंस डाउन की प्राचार्या उर्मिला रही प्राचार्य वीके त्यागी ने कहा कि विभिन्न प्रकार के खेलों की क्रियाएं हमारे लिए बहुत प्रकार के सकारात्मक अवसर लाती है। वे पहले से ही इस वास्तविकता को जानते हैं कि वे कुछ खेलों को जीतेगें और कुछ को हारेंगे भी। उन्होंने कहा कि खेल में हार भी वो पहली सीढ़ी होती है जब हम सीखते हैं खेल जीवन के किसी विशेष क्षेत्र तक ही सीमित नहीं है, यह एक व्यक्ति को जीवनभर के लिए उपलब्धियों को प्रदान करता है। विद्यालय ने 51वीं देहरादून सम्भाग स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताझ2022 में ताइकवांडो, जुडो, कबड्डी तथा शूटिंग के यू-14, यू-17 तथा यू-19 के बालक वर्ग की मेजबानी की, जिसमे कुल 148 खिलाडियों ने भाग लियो प्रतियोगिता में ताइकवांडो में यू-14 (29 -32 केजी) वर्ग में केंद्रीय विद्यालय गोपेश्वर के श्रेय किमोथी ने स्वर्ण पदक, केन्द्रीय विद्यालय नं -1 रूडकी के मयंक कुमार ने रजत पदक तथा केंद्रीय विद्यालय ओएलएफ देहरादून के रवि ने कांस्य पदक प्राप्त कियो ताइकवांडो में यू-17 (45-48 केजी) वर्ग में केन्द्रीय विद्यालय नं -1 रूडकी के मो. जकी तथा इसी विद्यालय के यू-17 (48-51 केजी) वर्ग में हरीश गोडियाल ने स्वर्ण पदक जीतो ताइकवांडो में यू-19 (48-51 केजी) वर्ग में केन्द्रीय विद्यालय रानीखेत के पंकज सिंह पंवार ने स्वर्ण पदक तथा केन्द्रीय विद्यालय हल्द्वानी प्रथम पाली के कुणाल परिहार ने रजत पदक प्राप्त कियो जुडो में यू-14 (-25 केजी) वर्ग में केन्द्रीय विद्यालय नं -1 रूडकी के अंश रावत तथा (-30 केजी) वर्ग में निहाल घवारी ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया, जबकि (-35 केजी) में केन्द्रीय विद्यालय नं -2 रूडकी के अभय ने रजत पदक प्राप्त कियो जुडो में यू-19 (-50 केजी) वर्ग में केन्द्रीय विद्यालय नं -1 रूडकी के मेघ रावत तथा (60 केजी) वर्ग में निशांत सिंह रावत ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया, जबकि (-55 केजी) में केन्द्रीय विद्यालय नं-1 रूडकी के ही अंकित कुमार ने रजत पदक तथा इसी वर्ग में केन्द्रीय विद्यालय नं -2 रूडकी के विनय सिंह ने कांस्य पदक प्राप्त किया ! कबड्डी में यू-17 बालक वर्ग में केंद्रीय विद्यालय ओएलएफ देहरादून ने स्वर्ण पदक, केंद्रीय विद्यालय न 2 हाथीबडकला देहरादून ने रजत तथा केंद्रीय विद्यालय आईआईपी देहरादून ने कांस्य पदक प्राप्त कियो शूटिंग में यू -14 में केन्द्रीय विद्यालय नं.-1 रूडकी के अंशुल ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया तथा यू-17 में केंद्रीय विद्यालय आईटीबीपी, देहरादून, प्रथम पाली ने स्वर्ण पदक प्राप्त कियो शूटिंग में यू -19 में केन्द्रीय विद्यालय नं. -1 रूडकी के अमन ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया तथा इसी विद्यालय के पंकज सिंह ने रजत पदक प्राप्त कियो मुख्य अतिथि प्रो. मुकेश बरुआ आईआईटी, रूड़की के साथ मेजबान प्राचार्य वीके त्यागी ने स्पोर्ट्स मीट क्लोज करने की घोषणा की विजयी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए मुख्य अतिथि ने सभी खिलाडियों को संबोधित करते हुए कहा कि यहां आकर उनको भी अपना बचपन याद आ गयो किसी भी खेल में रुचि, पूरे विश्वभर में पहचान और जीवन भर के लिए उपलब्धी प्रदान कर सकता है। खेल की चुनौतियों का सामना करना हमें जीवन की अन्य चुनौतियों से निपटने के साथ ही प्रतियोगी संसार में जीवित रहना भी सिखाता है। उप प्राचार्या श्रीमती अंजू सिंह ने अपने धन्यवाद् ज्ञापन में कहा कि खेलों में रुचि रखने वाले एथलीट अपने सबसे अच्छे प्रयासों के साथ खेलते हैं, चाहे फिर वो हारे या जीतने से वंचित रह जाए, पर वे कभी भी अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयासों को करना नहीं छोड़ते। वे अपने खेल के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ नियमित अभ्यास करते हैं।कार्यक्रम का संचालन पूनम कुमारी, बीना कर्णाटक ने किया

डॉ विनय प्रताप सिंह की पुस्तक काव्याक्षत का हुआ भव्य लोकार्पण

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की! प्रसिद्ध कवि डॉ विनय प्रताप सिंह द्वारा रचित काव्याक्षत का लोकार्पण सुविख्यात कवि स्व. डॉ. उर्मिलेश शंखधार के जन्म दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय कवि व पूर्व सांसद, फिरोजाबाद, प्रो. ओम पाल सिंह निडर व कवयित्री एवं लेखिका डॉ, सोनरूपा बदायूं द्वारा किया गया। विनय प्रताप ने अपनी पुस्तक का विमोचन अपने साहित्यिक गुरु डॉ उर्मिलेश के जन्मदिन पर उनका पावन स्मरण कर किया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुची डॉ सोनरूपा मंच पर रुड़की के कवियों द्वारा अपने भव्य स्वागत से गदगद हो गई। उन्होंने मुक्त कंठ से आयोजको की प्रशंसा की तथा पुस्तक के रचयिता डॉ विनय को शुभकामनाएं दी। तथा अपने सुंदर गीत, लड़कियां, तितलियां, बिजलिया, सुनकर श्रोताओ को मंत्रमुग्ध कर दिया। लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता सिद्ध कवि, पूर्व सांसद प्रो. ओमपाल सिंह निडर ने देश की वर्तमान समस्याओ की और ध्यान आकृष्ट करते हुए कवियों को कहा, जब देश संकट में हो संस्कृति पर आघात तो कवियों को राग, रंग छोड़कर, लेखनी की धार पैनी करते हुए राष्ट्रीय भावनाओ से ओत प्रोत ओजपूर्ण कविताए लिखनी चाहिए।कार्यक्रम का संचालन करते हुए कवि किसलय क्रांतिकारी ने श्री निडर के सम्मान में पंक्तिया पढ़ी कि यदि आग उगलती भट्टी हो तो, सोना भी गल जाता है और स्वाभिमान को ठेस लगे तो वीरो का खून खोल जाता। कार्यक्रम आयोजक, सयोजक, डॉ विनय प्रताप ने अपने गुरु उर्मिलेश की कविताओं व देशभक्ति की कविता सुनाकर गाएंगे, गाएंगे हम वन्देमातरम से श्रोताओं में एक नई उमंग व उत्साह का संचार किया तथा सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर किया गया। कवयित्री डॉ घनशाला ने सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का आगाज किया। कवयित्री व शिक्षाविद डॉ शालिनी जोशी पन्त ने कवि व पुस्तक परिचय का दायितव सम्भाला। इस अवसर पर कवि डॉ जय प्रकाश मिश्रा, गाजियाबाद, टिल्लन वर्मा बदायू समेत साहित्यकार, कवि, शिक्षाविद, समाजसेवी, नरेश राजवंशी, डॉ, मधुराका सक्सेना,डॉ, पीके गुप्ता, सुबोध पुंडीर सरित, डॉ पूर्णिमा श्रीवास्तव, हरिप्रकाश खामोश,प्रो. देवेंद्र प्रताप,सैनी, शिल्पा, सजल, पंकज गर्ग, कृष्ण, सुकुमार, महावीर, अजय त्यागी, राजकुमार, उपाध्याय, डीके वर्मा, देवेंद्र देव, हाकम सिंह आर्य, रोहताश आर्य, जयदेव आर्य, राजीव आर्य, कविता सैनी, अक्षत, नीलाक्षी, मानवी, विपिन कुमार, शौर्य, मयंक, सौ सिंह, पंकज त्यागी, असीम, अनिल अमरोही, राम योगाचार्य उपस्थित रहे। संचालन, किसलय क्रांतिकारी ने किया।

केवी-2 में हुआ संभागीय खेलों का समापन, विजेता बच्चों को किया गया पुरस्कृत

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। देहरादून संभाग के केंद्रीय विद्यालयों की लड़कियों की जूड़ो एवं एथलेटिक्स की प्रतियोगिता केंद्रीय विद्यालय-2 में आयोजित की गई, जिसमें लगभग सवा सौ छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता के तीसरे दिन पुरस्कार वितरण एवं सम्मान कार्यक्रम किया गया ! इस दौरान छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी गई। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में पहुंचे मेयर गौरव गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि खेल हमें स्वस्थ एवं मजबूत शरीर बनाने में सहायक होते हैं। खेल हमारे जीवन में अभिन्न स्थान रखते हैं, जो हमें शारीरिक व मानसिक रूप से दृढ़ता प्रदान करते हैं। मुख्य अतिथि मेयर गौरव गोयल तथा केंद्रीय विद्यालय-2 के प्रधानाचार्य अरविंद कुमार ने विजयी प्रतिभागियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया तथा बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें खेलों के प्रति प्रोत्साहित किया।तीन दिन तक चले इस खेल प्रतियोगिता कार्यक्रम में 76 इस विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक,50 विद्यार्थियों को रजत तथा 39 विद्यार्थियों को कांस्य पदक प्रदान किए गए। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापक व अभिभावक मौजूद रहे। स्कूल प्रबंधन की ओर से मेयर गौरव गोयल को भी सम्मानित किया गया।

वैश्विक निकाय के तत्वावधान में 'पशुधन सहकारिता'पर बैठक का आयोजन

देहरादून, एजेंसी। वैश्विक निकाय ने 'पशुधन सहकारिता' पर बैठक का आयोजन किया और उत्तराखंड की अनुकरणीय भूमिका की सराहना की। बैंकाक मुख्यालय एनईडीएसी ने उत्तराखंड के पशुपालन विभाग के प्रयासों की सराहना की है जिसके तहत हजारों किसानों को हिमालयी राज्य में सतत विकास और आजीविका लाने के लिए पशुधन प्रबंधन के लिए अत्याधुनिक तकनीक दी जाती है। वैश्विक सम्मेलन में उत्तराखंड को अग्रणी भूमिका मिली है। यहां जानकारी देते हुए डॉ बीवीआरसी पुरुषोत्तम, आईएएस, सचिव, पशुपालन और सहकारिता विभाग, उत्तराखंड ने बताया कि उत्तराखंड ने पशुधन प्रबंधन के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने में देश में अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि उन्नत और वैज्ञानिक पशुपालन के माध्यम से ग्रामीण समुदायों को समृद्ध बनाने में उत्तराखंड की उपलब्धियों को अब दुनिया भर में स्वीकार किया जा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि नेटवर्क फॉर द डेवलपमेंट ऑफ एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव्स इन एशिया एंड द पैसिफिक (एनईडीएसी) नामक एक वैश्विक संगठन ने पशुधन सहकारी समितियों पर अपनी पहली बैठक आयोजित की। बैठक ऑनलाइन मोड में आयोजित की गई थी। बैठक में बांग्लादेश, चीन, ईरान, केन्या, नेपाल, फिलीपींस, श्रीलंका और थाईलैंड सहित आठ देशों के पशुपालन विशेषज्ञ शामिल हुए। यहां बता दें कि एनईडीएसी का प्रधान कार्यालय बैंकॉक, थाईलैंड में है। इस अवसर पर डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम, आईएएस, सचिव, पशुपालन और सहकारिता विभाग, उत्तराखंड, भारत ने बैठक की अध्यक्षता की। उन्हें पशुधन पर एनईडीएसी समिति की पहली बैठक में उद्घाटन भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ. पुरुषोत्तम ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कृषि के बाद पशुधन खेती लोगों का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण व्यवसाय है, और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख भूमिका निभाता है।

मुख्यमंत्री ने किया 'राइज इन उत्तराखण्ड' कार्यक्रम में प्रतिभाग

केंद्र एवं राज्य सरकार के विभिन्न उपक्रम एवं विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी किया अवलोकन

देहरादून, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को सुभाष रोड स्थित एक होटल में आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर आयोजित ह्यह्यराइज इन उत्तराखण्डह्लह्ल कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान केंद्र एवं राज्य सरकार के विभिन्न उपक्रम एवं विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से युवाओं को कुछ नया करने की प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2014 के बाद भारत को नई पहचान मिली है देश में कोविड टीकाकरण महाअभियान, आयुष्मान योजना, उज्जवला योजना, स्किल इंडिया जैसी तमाम योजनाओं से करोड़ों लोगों को लाभ मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्वरोजगार और स्टार्टअप की अपार संभावनाएं हैं। आज हमारा प्रदेश बड़े राज्यों की तुलना में तेजी से स्टार्टअप और स्किल डेवलपमेंट की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उत्तराखण्ड लगातार प्रगति के पथ पर आगे बढ रहा है। केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है, वहीं बदरीनाथ धाम में 265 करोड़ की लागत से नया मास्टर प्लान बनाया जा रहा है इसके अलावा दिल्ली से देहरादून एलिवेटेड सड़क निर्माण, का कार्य भी जल्द पूरा हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार द्वारा भारत माला प्रोजेक्ट, पर्वत माला प्रोजेक्ट, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन जैसे अनेक महा परियोजना संचालित हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार भी प्रदेश में ह्यह्यविकल्प रहित संकल्पह्लह्ल के मूल मंत्र पर काम कर रही है। प्रदेश में युवाओं और महिलाओं के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं की आर्थिकी को मजबूत करने के लिए सरकार स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित कर रही है, इसके लिये बजट में भी व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का आवाहन करते हुए कहा कि वर्ष 2025 के रजत जयंती वर्ष को हम सब महाअभियान के तहत मनाएंगे। यह वर्ष उत्तराखंड के 25 वर्ष पूरे होने के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनने का मार्ग प्रशस्त करेगा। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री के कल्पना के अनुरूप उत्तराखंड को सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने का हमारा प्रयास है। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी युवा नेता के तौर पर उत्तराखंड में बहुत बेहतर कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कई विकास योजनाएं आगे बढ़ रही हैं और उत्तराखंड भी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रगति के पथ पर अग्रसर है। राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा के ऐसे आयोजन छात्र-छात्राओं के लिए भी बेहतर सिद्ध होंगे। इस दौरान ऋषिकेश नगर निगम के महापौर अनीता मंमगाई, राज्य एवं केंद्र सरकार कि प्रतिनिधि व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद मौजूद रहे।

शिक्षा मनुष्य के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा: ऋतु खंडूरी

» मदरलैंड संवाददाता

धनौरी ! उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी ने कहा कि बालिका शिक्षा आज के परिवेश में बहुत ही जरूरी है। उन्होंने बालिका शिक्षा क्यों जरूरी है से संबंधित कुछ तथ्य भी रखे। कहा कि शिक्षा मनुष्य के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है चाहे वह लड़कों का जीवन हो अथवा लड़कियों का जीवने शिक्षा व्यक्ति में एक व्यक्ति को एक बेहतर इंसान में रूपांतरित करने की क्षमता होती है और वह उसे उसके जीवन को बेहतर तरीके से जीने में निपुण बनाती है विधानसभा अध्यक्षा धनौरी मे हरिओम सरस्वती पीजी कालेज में विद्यालय संस्थापक डॉ. तेजवीर सिंह सैनी की तृतीय पुण्यतिथि पर आयोजित प्रतिमा अनावरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थी ! इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि उद्योगपति डॉ. एस. फारुख ने कहा कि दिवंगत डॉ. तेजवीर सिंह सैनी का संपूर्ण जीवन शिक्षा व सामजिक सेवा को समर्पित रहा, उन्होने घाड क्षेत्र में बुनियादी व उच्च शिक्षा तथा बालिका विद्यालयों की स्थापना कर समाज के पिछड़े तबके को मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया। उनका समूचा जीवन समाज कल्याण को समर्पित रहा, हमें उनके आदर्शों का अनुसरण करना चाहिए। दिवंगत तेजवीर आजीवन शैक्षणिक गतिविधियों के विस्तार में लगे रहे। उन्होने जिन उद्देश्यों को लेकर स्कूल की स्थापना की थी वह सार्थक साबित हुई घाड क्षेत्र के लिए, संस्थाओं में बालिकाए व बालक अनवरत पठन-पाठन का कार्य कर रहे है। निःसंदेह वे सदैव लोगों के लिए प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। भगवानपुर विधायक ममता राकेश ने कहा कि दिवंगत तेजवीर सैनी आजीवन शैक्षणिक गतिविधियों के विस्तार में लगे रहे। उन्होने जिन उद्देश्यों को लेकर स्कूल की स्थापना की थी वह सार्थक साबित हुई घाड क्षेत्र के लिए, संस्थाओं में बालिकाए व बालक अनवरत पठन-पाठन का कार्य कर रहे है। निःसंदेह वे सदैव लोगों के लिए प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उन्होने भविष्य में भी संस्था के सभी शैक्षणिक संस्थानो का सहयोग करने की घोषणा की! निरंजनी पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि ने अपने आशीर्वचन में कहा कि विद्या विनय देती है; विनय पात्रता, पात्रता से धन, धन से धर्म और धर्म से सुख प्राप्त होता है। उन्होने कहा कि स्व. तेजवीर सैनी के सपनों को आगे बढ़ाना ही संस्था संचालको की उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उनके द्वारा जलाई गई शिक्षा की ज्योति ही आज घाड क्षेत्र में प्रकाश बन शिक्षा का उजियाला फैला रही है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री व सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने भी शिक्षा को समर्पित शख्सियत डॉ. तेजवीर की प्रतिमा पर श्रद्धांजली अर्पित की तथा सभी ट्रस्टियों को शिक्षा ज्योत जगाने के लिये साधूवाद दिया! इससे पूर्व अतिथिगणों ने डॉ. तेजवीर सैनी की प्रतिमा का अनावरण किया! इस अवसर भारत उत्थान एवं विकास ट्रस्ट के समस्त ट्रस्टियों ने संस्था के विकास का संकल्प लिया तथा डॉ. तेजवीर सैनी के अधूरे कार्यो को पूर्ण करने का प्रण लिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक देशराज सिंह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य वीरेन्द्र सैनी, वैजयंति माला, संस्कृत अकादमी के सचिव गिरीश अवस्थी, पूर्व शिक्षाधिकारी एनएस राणा, एसपी खाली, डॉ. सुशील उपाध्याय, सुभाष सैनी, राजकुमार सैनी,आशीष सैनी, रविराज सैनी, हर्ष सैनी, आदित्य सैनी, सुमन देवी, अंजना देवी, अंकित सैनी, प्राचार्य आदित्य गौतम, डॉ. योगेश योगी, राजकुमार चौधरी, हरिओम सरस्वती इंटर कॉलेज, राजा बाबू इंटर कॉलेज, कोटा मुरादनगर व डिग्री कॉलेज के समस्त स्टॉफ समेत क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज के दो छात्रों ने हासिल किए सर्वाधिक, गोल्ड मेडल

» मदरलैंड संवाददाता

लक्सर ! श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समाहरोह में हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज रायसी के दो छात्रों ने सर्वाधिक अंक प्राप्त कर गोल्ड मैडल प्राप्त कियो वर्ष 2019 में एमए ड्राइंग एंड पंटिंग के छात्र राजन कुमार ने सर्वाधिक अंक 85.16 के साथ गोल्ड मैडल प्राप्त कियो वर्ष 2020 में एमए ड्राइंग एंड पंटिंग के छात्र दिलबाग सिंह ने सर्वाधिक अंक 82.77 के साथ गोल्ड मैडल प्राप्त कियो दोनों छात्रों को राज्यपाल गुरमीत सिंह और शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने गोल्ड मैडल और मोमेंटो देकर सम्मानित कियो महाविद्यालय के प्रबंध समिति अध्यक्ष डॉ. केपी सिंह ने कहा कि यह महाविद्यालय के लिए गर्व का विषय हैं कि ग्रामीण परिवेश के छात्र भी अब कठिन मेहनत कर निरंतर अच्छे अंक प्राप्त कर रहें हैं ! प्रबंध समिति के सचिव डॉ. हर्ष कुमार दौलत ने कहा आने वाला समय युवाओं का हैं जो छात्रों को गोल्ड मैडल मिला हैं वो निश्चित रूप से बधाई के पत्र हैं प्रबंध समिति की उपाध्यक्ष डॉ. प्रभावती ने कहा कि महाविद्यालय छात्रों को हर सुविधा दे रहा हैं आज महाविद्यालय में 46 असिस्टेंट प्रोफेसर हैं जो लगातर महाविद्यालय को अग्रसर बनाने में दिन रात मेहनत कर रहे हैं दोनों छात्रों को पूरे प्रबंध तंत्र ने बधाई दी प्राचार्य डॉ. राजेश पालीवाल ने कहा सत्र 2019-2020 में महाविद्यालय में नेशनल सेमिनार, इंटरनेशनल सेमिनार के साथ छात्रों हेतु लगभग 120 कार्यक्रम, सत्र 2020-2021 में छात्रों हेतु लगभग 60 कार्यक्रम कॉलेज में कराए हैं महाविद्यालय लगातर अकादमिक क्षेत्र में कार्य कर रहा हैं और नित प्रतिदिन कार्यक्रमों का आयोजन कर्ता रहता हैं डॉ. पालीवाल ने दोनों छात्रों को बधाई दी और कहा कि महाविद्यालय के अन्य छात्रों को भी इनसे सीखना चाहिए डॉ. पालीवाल ने कहा कि महाविद्यालय उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के निर्देशानुसार नई शिक्षा नीति के सन्दर्भ में महाविद्यालय एक जल्दी ही कार्यशाला को भी आयोजित करेगा दोनों छात्रों को कुलपति प्रो. पीपी ध्यानी, कुलसचिव खेम राज भट्ट, पूर्व कुलपति प्रो. यूएस रावत, प्रो. केडी पुरोहित, प्रो. एके तिवारी, प्रो. केएल तलवार ने बधाई दी

संक्षिप्त समाचार

60 बोतल देसी शराब सहित एक को किया गिरफ्तार

मनमोहन शर्मा, मदरलैंड संवाददाता, हांसी। पुलिस अधीक्षक नितिका गहलोत के निदेर्शानुसार जिला भर में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक्साइज स्टाफ की टीम ने एक आरोपी की गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान जसवंत वासी ढाणी पाल के रूप में हुई हैं। जिसके कब्जे से 60 बोतल देसी शराब बरामद करके थाना शहर में आबकारी अधिनियम संशोधित 2020 के तहत कार्रवाई करके न्यायालय पेश करके जेल भेज दिया हैं।

उदयपुर घटना के विरोध में श्री नामदेव समाज ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन- अहीर रेजिमेंट बनाने की भी करी मांग

मदरलैंड संवाददाता, नारनौल। श्री नामदेव समाज समिति एवं चैरिटेबल ट्रस्ट नारनौल के पदाधिकारियों की एक बैठक नामदेव भवन पुरानी सराय नारनौल में संपन्न हुई। जिसमें राजस्थान के उदयपुर शहर में कन्हैयालाल टेलर की निर्मम तरीके से की गई हत्या का मामला विस्तार से चर्चा किया गया तथा इस घटना के विरोध में मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार को एक ज्ञापन भेजा गया। ज्ञापन में घटना के दोषियों पर सख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही व पीड़ित परिवार की सुरक्षा एवं भरण पोषण करने के लिए मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार से मांग की गई। यह भी मांग की गई कि सरकार यह सुनिश्चित करे कि इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो सके। उपस्थित सभी सदस्यों ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना एवं शोक प्रकट किया। समिति एवं चैरिटेबल ट्रस्ट की तरफ से एक ज्ञापन महामहिम राष्ट्रपति भारत सरकार नई दिल्ली को भी भेजा गया। ज्ञापन मे अहिर समाज के लोगों का भारतीय सेना में अदम्य साहस शौर्य एवं बलिदान को ध्यान में रखते हुए सेना में अहीर रेजिमेंट के गठन के लिए महामहिम से अनुरोध किया गया। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक सुभाष चंद वर्मा ठेकेदार, ट्रस्ट प्रधान बाबूलाल वर्मा, सत्यनारायण वर्मा, सुभाष कश्यप, समिति प्रधान ओम प्रकाश वर्मा, सचिव संजय कुमार वर्मा, सतीश झांकल, हेमंत रतन, दयानंद वर्मा, मुकेश लखमरा, रमेश पांडला, मनोहर वर्मा, त्रिभुवन वर्मा, प्रदीप उर्फ कालू आदि उपस्थित रहे।

जजपा नौ जुलाई को गांव माजरा कलां में लगाएगी युवा चौपाल

मदरलैंड संवाददाता, नारनौल। जन नायक जनता पार्टी की ओर से नौ जुलाई को शाम चार बजे महेंद्रगढ़ विधानसभा के गांव माजरा कलां में युवा चौपाल का आयोजन किया जाएगा। जजपा के जिला प्रवक्ता सिकंदर गहली ने बताया कि युवा चौपाल कार्यक्रम में युवा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र सांगवान मुख्य अतिथि होंगे, जबकि अध्यक्षता युवा जिलाध्यक्ष अभय सिंह गुर्जर करेंगे। इस चौपाल के आयोजक युवा हलका अध्यक्ष संदीप यादव होंगे। इस हलका स्तरीय कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं तथा इस कार्यक्रम में जजपा के जिला के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। इस मौके पर जजपा एक बूथ एक यौद्धा भी बनाएगी, जिसे बूथ यौद्धा के रूप में जाना जाएगा।
जिला प्रवक्ता सिकंदर गहली ने बताया कि जन नायक जनता पार्टी जनता के बीच निरंतर सक्रियता बनाए रखने एवं पार्टी से जन–जन को जोडने.के लिए इन कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। किसी भी देश एवं संगठन की सबसे बड़ी ताकत युवा ही होते हैं। युवाओं को पार्टी से जोडने.के लिए ही युवा चौपालों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला प्रदेश ही नहीं, देश के युवाओं में खासे लोकप्रिय हो रहे हैं। उन्होंने युवाओं के हित में सरकारी स्तर पर अनेक ऐतिहासिक कल्याणकारी कार्य करवाए हैं। निजी कंपनियों में प्रदेश के युवाओं को 75 प्रतिशत का आरक्षण डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला की बदौलत ही मिला है। उन्होंने युवाओं से जजपा से जुड ` की पुरजोर अपील करते हुए कहा कि युवा चौपाल को सफल बनाने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ें।

पेट्रोल डालकर जान से मारने की नियत मसले में सात गिरफ्तार

अधिकार संवाददाता, कनीना। शहर कनीना पुलिस ने जान से मारने की नियत से पेट्रोल डालकर आग लगाने के मामले में सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने कनीना कस्बे के होली चौक के पास एक जुलाई की रात को एक युवक पर पेट्रोल डालकर आग लगाने को वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने इस मामले में तत्परता से कार्रवाई करते हुए सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मनीष उर्फ गोला वासी कनीना, हितेश वासी कनीना, अरुण उर्फ मोहित वासी कनीना, योगेश उर्फ यशु वासी कनीना, आशीष उर्फ लीला वासी कनीना, दीपक वासी कनीना और मंदीप उर्फ भोंदू वासी सीहोर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों को कनीना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपितों को आज न्यायालय में पेश किया गया, तीन आरोपितों हितेश, योगेश, आशीष उर्फ लीला को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और चार आरोपितों मनीष उर्फ गोला, अरुण उर्फ मोहित, दीपक, मंदीप उर्फ भोंदू को पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत हरियाणा में हर घर पर 11 से 17 अगस्त तक फहराया जाएगा तिरंगा

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत शुरू की गई है अनोखी पहल

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में देशभर में मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत हरियाणा में हर घर पर 11 से 17 अगस्त, 2022 तक तिरंगा फहराया जाएगा। राज्य सरकार ने इस अभियान को जन अभियान बनाने के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं। इस संबंध में आज मुख्य सचिव श्री संजीव कौशल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित विभागों के प्रशासनिक सचिवों, जिला उपायुक्तों और विश्वविद्यालयों के रजिस्ट्रार के साथ बैठक कर उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

तिरंगा हर भारतीय का गर्व- मुख्य सचिव

मुख्य सचिव ने कहा कि यह एक राष्ट्रीय पर्व है और देश के सभी नागरिक सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें अपने घर पर तिरंगा फहराने का शुभ अवसर प्राप्त हो रहा है। तिरंगा हर भारतीय का गर्व है, इसी जज्बे के साथ देश के सम्मान में हरियाणावासी 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत तिरंगा फहराकर हरियाणा को देश में नंबर वन बनाएंगे।

श्री कौशल ने जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए कि वे इस अभियान में जनता की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सभी राजनीतिक दलों, जनप्रतिनिधियों, जिला परिषदों इत्यादि के साथ बैठकें करें। साथ ही, हर जिले में तिरंगे की आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे। इसके अलावा, जिन सरकारी भवनों पर तिरंगा नहीं फहराया जा रहा, वहां भी फहराया जाए। उन्होंने कहा कि इस पूरे अभियान के दौरान

सभी का यह परम कर्तव्य है कि तिरंगे का सम्मान करें।

उन्होंने कहा कि देशभक्ति को बढ़ावा देने और देश के प्रति अपने जज्बे को सलाम करने के लिए यह अहम अभियान शुरू किया गया है। इसलिए सभी सरकारी अधिकारी व कर्मचारी भी अपने घरों, संस्थानों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा अवश्य फहराएं।

भारत की आन-बान-शान तिरंगा

बैठक में मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव तथा सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक डॉ. अमित अग्रवाल ने इस अभियान की रूपरेखा रखी। उन्होंने कहा कि तिरंगा भारत की आन-बान-शान है। इसलिए संयुक्त प्रयासों से हमें इस अभियान को सफल बनाना है और नागरिकों में देशप्रेम की भावना का संचार करना है।

उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के लिए विकास एवं पंचायत विभाग को तिरंगे की उपलब्ता और वितरण के लिए नोडल विभाग बनाया गया है। पोस्ट ऑफिस, पंचायत घर, सामान्य सेवा केंद्रों, आंगनवाड़ी केंद्रों इत्यादि पर तिरंगे उपलब्ध करवाए जाएंगे। तिरंगे बनाने में स्वयं सहायता समूहों के मदद ली जाएगी। इसी प्रकार, शहरी क्षेत्रों में शहरी स्थानीय निकाय विभाग तिरंगे की उपलब्ता और वितरण की जिम्मेवारी संभालेगा।

उन्होंने बताया कि ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उप केंद्रों पर जनजागरूकाता के लिए पैम्फलेट, बैनर आदि के माध्यम से इस अभियान की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा, उचित मूल्य की दुकानों पर भी तिरंगे की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि इस अभियान में विद्यार्थियों को विशेष रूप से भागीदारी बनाने के लिए स्कूलों व कॉलेजों में भी विशेष सभाओं का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा, पुलिस द्वारा विशेष तौर पर तिरंगा मार्च किया जाएगा, जिसमें नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। हरियाणा परिवहन की बसों पर हर घर तिरंगा अभियान के संदेश के साथ पेंट किया जाएगा। सार्वजनिक स्थानों पर वॉल पेटिंग करवाई जाएगी।

- मुख्य सचिव ने प्रशासनिक सचिवों और जिला उपायुक्तों के साथ बैठक कर अभियान को सफल बनाने के दिए निर्देश
- यह एक राष्ट्रीय पर्व, देश के सम्मान में नागरिक अपने घरों पर तिरंगा अवश्य फहारयें- संजीव कौशल

बैठक में विकास एवं पंचायत विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अंकुर गुप्ता, महिला एवं बाल विकास विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. जी अनुपमा, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के प्रधान सचिव श्री अरूण कुमार गुप्ता, परिवहन विभाग के प्रधान सचिव श्री नवदीप सिंह विर्क, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के महानिदेशक श्री मंदीप सिंह बराड, कार्मिक विभाग के सचिव श्री अशोक कुमार मीणा और गुरुग्राम के उपायुक्त श्री निशांत कुमार यादव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

फिक्की फ्लो द्वारा लाइव कुकिंग इवेंट 'द पारसी किचन' का आयोजन किया

» हरप्रीत सिंह, मदरलैंड संवाददाता

लुधियाना। फिक्की फ़्लो लुधियाना अपनी चेयरपर्सन ₹नेहा गुप्ता₹ के कुशल नेतृत्व में हयात रीजेंसी में फिक्की वर्टिकल 'फैब' के तहत शेफ अनाहिता धोंडी के साथ एक लाइव कुकिंग इवेंट ₹द पारसी किचन₹ का आयोजन किया।

शेफ अनाहिता धोंडी दिल्ली में बसे पारसियों के परिवार से आती हैं। बचपन से ही उसकी दुनिया खाने के इर्द-गिर्द घूमती रही है। वह अपनी मां से प्रेरणा लेती है, जो पारसी खाना बनाती है और केक बनाती है। युवा सेलिब्रिटी शेफ अनाहिता 23 साल की उम्र में सोडाबोटल ओपनरवाला में शेफ मैनेजर के रूप में शामिल हुईं। सोडाबोटल ओपनरवाला में पूर्व शेफ पार्टनर दिल से पारसी खाना बनाती हैं और इसे अपना दूसरा घर कहती हैं।

ली कॉर्डन ब्लू लंडन की अनाहिता धोंडी पूर्व छात्र सदस्य को फोर्ब्स एशिया 30 अंडर 30 की सूची में खाद्य स्थिरता की दिशा में उनके योगदान और पारसी व्यंजनों को लोकप्रिय बनाने के लिए चित्रित किया गया है।

गरिमा अग्रवाल एफएबी वर्टिकल हेड और नेहा गुप्ता चेयरपर्सन फ़्लो ने शेफ अनाहिता के साथ सहज रूप से सत्र का संचालन किया। उन्होंने उनकी पुस्तक ₹द पारसी किचन, मिलेट मावरिक₹ के बारे में भी बात की।

कार्यक्रम के प्रवाह ने रीमा अरोड़ा को धन्यवाद व्यक्त करते हुए देखा।

एडवाइजरी ने शेफ अनाहिता को ग्रीन सर्टिफिकेट भेंट किया।

सृष्टि घई, गरिमा अग्रवाल और रीमा अरोड़ा डे चेयर थीं।

कार्यशाला में 250 से अधिक फ़्लो सदस्यों ने अच्छी तरह से भाग लिया। यह एक अद्भुत और शिक्षाप्रद कार्यक्रम था।

जब पार्षद ने बुलाया नहीं तो क्यों मिलने पहुंचे ठेकेदार- प्रेम गर्ग

पार्षद रामचंद्र यादव के खिलाफ एफआईआर दुर्भाग्यपूर्ण : आप

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। वार्ड नंबर 15 से पार्षद रामचंद्र यादव और ठेकेदार के बीच के विवाद के बाद आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष प्रेम गर्ग ने बयान जारी कर कहा कि जब पार्षद ने ठेकेदार को बुलाया नहीं था तो वह जबरन मिलने क्यों पहुंचे। ठेकेदार को फोन पर ही पार्षद ने कह दिया था कि वह मोहाली जा रहे हैं, फिर भी ठेकेदार जबरन उससे मिलने पहुंच गए। ऐसा जरूरी क्या था कि ठेकेदार इतनी जल्दी कर रहे थे। किसी तरह का झूठा और मनगढ़ंत आरोप लगाकर ठेकेदार अपनी गलती से बच नहीं सकते हैं। जब पार्षद का पेमेंट से कुछ लेना देना ही नहीं तो ठेकेदार का पार्षद को मिलने का कोई कारण ही नहीं बनता। खराब सामान के लिए पार्षद आंखें बंद करके किसी भी कागज पर हस्ताक्षर क्यों करेंगे।

प्रेम गर्ग ने कहा कि पार्षद रामचंद्र यादव ठेकेदार प्रदीप बंसल को कह चुके थे कि फर्नीचर का भुगतान करने के मामले में उनकी कोई भूमिका नहीं है। फिर भी ठेकेदार मिलने के लिए दबाव बना रहे थे।

जबकि फर्नीचर में काफी खामियां थीं। रामचंद्र यादव सिर्फ सामान ठीक करवाने के लिए एसडीओ को कह रहे थे। पार्षद ने कभी भी ठेकेदार से कोई बात नहीं की। इस संबंध में भी उन्होंने निगम के अधिकारियों से बात की थी। वह सीधे ठेकेदार से कोई बात भी नहीं करना चाहते थे। ठेकेदार को किसी बात को लेकर कोई समस्या थी तो निगम के अधिकारियों को साथ लेकर पार्षद से मिलने जाना चाहिए थे। पार्षद से सीधे मिलने जाने का कोई मतलब नहीं था। ठेकेदार अपनी गलती से बचने के लिए जितने भी आरोप लगा लें, लेकिन गलत बात के आगे आप पार्षद झुकेंगे नहीं।

आम आदमी पार्टी ने पार्षद पर पुलिस के द्वारा द्वारा केस दर्ज किए जाने पर सख़्त आपत्ति जाहिर की है और यह भी माँग की है कि जब पार्षद ने पुलिस में ठेकेदार के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी तो पुलिस ने उस शिकायत का संज्ञान क्यों नहीं लिया और भाजपा के दबाव में आकर पार्षद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

प्रेम गर्ग ने ये भी माँग की है कि इस ठेकेदार के द्वारा जितनी भी आज तक सप्लाई हुई है उसकी गुणवत्ता की पूरी तरह से जाँच की जाए। ठेकेदार को दिए गए सारे टेंडर और उसको किए गए भुगतान का ऑडिट किया जाए।

बैंक अकाउंट से खुद के मोबाइल नंबर अटैच करा नेट बैंकिंग से पैसे ठगने के मामले में आरोपित गिरफ्तार

» मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। धोखाधड़ी कर पैसे ठगने के मामले में पुलिस द्वारा एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया। आरोपित की पहचान राजकुमार के रूप में हुई। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए पता लगाया कि आरोपित सीआरपीएफ में हेड कांस्टेबल के पद पर तैनात था। आरोपित के खिलाफ थाना शहर नारनौल में धोखाधड़ी कर पैसे ठगने के दो मामले दर्ज हैं। आरोपित ने पीड़ित के बैंक अकाउंट में अपना मोबाइल नंबर देकर नैट बैंकिंग के माध्यम से अकाउंट से पैसे निकाल लिए थे। पुलिस ने मामले में आरोपित से पूछताछ करते हुए उसके पास से 55 लाख रुपए बरामद किए हैं। आरोपित को आज न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को मिली शिकायतों के अनुसार आरोपित राजकुमार ने पीड़ित के बैंक अकाउंट में अपना मोबाइल नंबर देकर उनके अकाउंट से पैसे निकाल लिए। इस बारे में घाटासेर निवासी पीड़िता सुमन ने बताया कि उनकी जमीन सरकार द्वारा लॉजिस्टिक हब के लिए अधिग्रहण कर ली गई थी, जिसकी राशि प्राप्त करने के लिए ऐक्सिस बैंक में एकाउंट खुलवाए गए थे, आरोपित ने खातों में अपने मोबाइल नंबर दे दिए और खातों से नेट बैंकिंग के माध्यम से पैसे निकालते रहा। इसी तरह घाटासेर निवासी ममता ने दी शिकायत में बताया कि उसके पति सीआरपीएफ में ड्यूटी करते थे और ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए थे। पीड़िता की जमीन भी सरकार द्वारा लॉजिस्टिक हब के लिए अधिग्रहण कर ली गई थी।

जिला पुलिस की साइबर सेल टीम ने ढूंढ निकाले लोगों के 16 गुमशुदा मोबाइल फोन

» संतोष यादव, मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। जिला महेंद्रगढ़ पुलिस की साईबर सेल टीम ने गुम हुए 16 महंगे स्मार्ट मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन मोबाइलों की बाजार कीमत करीब 2 लाख 15 हजार रुपए आंकी गई है। इनमें ज्यादातर मोबाइल नामी कंपनियों के हैं। जिनमें एक मोबाइल फोन की कीमत करीब 10 हजार रुपए से लेकर 50 हजार रुपए तक की है।

इस सम्बन्ध में एसपी विक्रांत भूषण ने जानकारी देते हुए बताया कि महेंद्रगढ़ पुलिस की साईबर सेल की टीम ने 16 स्मार्ट मोबाईल फोन्स को ढुंढकर उनके मालिकों के हवाले किया है। इससे पहले भी पुलिस द्वारा स्मार्ट मोबाइल फोन बरामद करके उनके मालिकों के हवाले किए जा चुके हैं। जब गुम हुये मोबाईल उनके मालिकों के हवाले किए गए तो अपने फोन को पाकर उनके चेहरों पर खुशी की लहर आई और महेंद्रगढ़ पुलिस का धन्यवाद करते हुए कहा कि आज गुम हुये मोबाईल पाकर बडी खुशी मिली है।

इस सम्बन्ध में जिला पुलिस ने जानकारी देते

हुए बताया कि घर से बाहर जाते समय मोबाईल फोन को सम्भाल कर रखें और अगर मोबाईल गुम हो जाता है तो तुरंत उसकी सूचना ई दिशा केंद्र में दर्ज कराएं और उसमें मौजूद सिम कार्ड को बन्द करवाएं।

जहां मोबाइल फोन मालिकों को उनके मोबाइल फोन मिलने की खुशी है वहीं उनके मोबाइल फोन अपराधी किस्म के लोगों के हत्थे चढ़ने से भी बचे हैं। पुलिस ने बताया कि जांच में अक्सर ये बात सामने आती है कि अपराधी किस्म के लोग गुमशुदा व चोरीशुदा मोबाइल का गलत कार्यों में प्रयोग करते हैं। पुलिस अधीक्षक ने आमजन से भी आह्वान किया कि वे अपने मोबाइल फोन को पूरी तरह सुरक्षित रखें और किसी अनजान व्यक्ति को ना सौंपे ताकि अपराधी किस्म के लोग उनका फायदा न उठा पाएं।

एमसीएम में आयोजित 'बी ए हेल्थ मैनेजर' के चौथे संस्करण को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन, चंडीगढ़ की कौशल विकास समिति ने वार्षिक कार्यशाला के चौथे संस्करण- बी ए हेल्थ मैनेजर 2022 का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें 140 से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया। ह्यफूड ऐज मेडिसिन' विषय पर आधारित 7 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन न्यूट्रीशन सोसाइटी ऑफ इंडिया, चंडीगढ़ चैप्टर के सहयोग से किया गया। कार्यशाला में खाद्य और पोषण उद्योग एवं सेवाओं के क्षेत्र में विशिष्ट विशेषज्ञ और उद्यमी बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए। सप्ताह भर चलने वाली कार्यशाला की शुरूआत पंजाब विश्वविद्यालय में डॉ. विनोद चौधरी, समाजशास्त्र विभाग द्वारा संचालित इन-हाउस फूड फॉरेस्ट के दौरे के साथ हुई। उन्होंने कृषि की रासायनिक मुक्त प्रथाओं के महत्व को समझाया और स्वस्थ मन और शरीर के लिए वनस्पति आधारित भोजन के सेवन पर जोर दिया। उसी दिन, डिलाइट स्नैक्स की यात्रा के दौरान, सुश्री रीना राणा ने प्रतिभागियों को जैविक बाजरा आधारित नमकीन स्नैक्स और

डेसर्ट के बारे में अवगत कराया। दूसरे दिन, ग्रीन लूम की संस्थापक, सुश्री सीजा भारद्वाज, ने प्राकृतिक ढंग से बालों और त्वचा की देखभाल पर सत्र आयोजित किया। एक अन्य सत्र में, उन्होंने प्रतिभागियों को 'स्वीट्स विदआउट शुगर' विषय पर स्वादिष्ट और स्वस्थ व्यंजन सिखाए। क्यू ब्लॉक्स के संस्थापक श्री पंचम पराशर ने तीसरे दिन भोजन में मिलावट पर एक बहुत ही ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया और डॉ. नैनसी साहनी, वरिष्ठ आहार विशेषज्ञ, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ ने चौथे दिन निवारक आहार देखभाल पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। कॉलेज के उद्यमी प्राचार्या डॉ निशा भार्गव ने एक सत्र 'एथनिक ट्विस्ट' आयोजित किया जिसमें उन्होंने प्रतिभागियों को अत्यधिक पौष्टिक और स्वादिष्ट स्मूदी और सलाद सिखाए। फ्रेंड्स बेकरी, जीरकपुर से सुश्री मंजू ने घर पर स्वस्थ और पौष्टिक ब्रेड बनाने का प्रदर्शन किया।

समापन के दिन प्रतिभागियों के लिए टोस योर सलाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को थीम के अनुसार सलाद प्रस्तुत करना था।

प्रिंसिपल डॉ निशा भार्गव ने बी ए हेल्थ मैनेजर की आयोजन टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, यह अनूठा प्रयास न केवल एक सतत पहल के रूप में विकसित हुआ है, बल्कि इसका विस्तार प्रतिभागियों को विभिन्न पाक और जीवन कौशल सीखने के साथ साथ स्वस्थ जीवन शैली और 'मानसिक स्वच्छता' प्राप्त करने में भी मददगार साबित हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि स्वस्थ विकल्पों के साथ सही खान-पान समग्र कल्याण की कुंजी है और समाज एवं राष्ट्र के कल्याण के लिए इसे निरंतर बढ़ावा देना संस्थान जारी रखेगा।

लायंस क्लब लुधियाना वेजिटेरियन ने मेगा सेवा शिविर का आयोजन किया

» मदरलैंड संवाददाता

लुधियाना। लायंस क्लब, लुधियाना वेजिटेरियन ने लायन विजय शर्मा की अध्यक्षता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय टाहली साहिब, ग्राम रतन, जिला लुधियाना में एक मेगा सेवा शिविर का आयोजन किया जिसमें वृक्षारोपण शिविर, जरूरतमंद छात्रों को स्कूल बैग का वितरण और निःशुल्क मधुमेह जांच शिविर शामिल था।। स्कूल परिसर में लगभग सौ फल, औषधीय पेड़ और सजावटी पौधे लगाए गए। एक अन्य शिविर में जरूरतमंद छात्रों को 60 स्कूल बैग वितरित किए गए। स्कूल के वरिष्ठ माध्यमिक कक्षाओं के स्टाफ सदस्यों सहित 70 से अधिक छात्रों का मधुमेह परीक्षण किया गया। इतना ही नहीं, उन्हें इस घातक मधुमेह से बचकर सुरक्षित और स्वस्थ रहने के लिए उनकी आहार संबंधी आदतों के बारे में भी उचित मार्गदर्शन दिया गया। की उपस्थिति में इस मेगा कैंप का आयोजन किया गया। लायन अवतार सिंह, समिति अध्यक्ष विजन, लायन मंजीत सिंह क्षेत्र अध्यक्ष, लायन विजय शर्मा अध्यक्ष, लायन डॉ. हरबंस सिंह सचिव, लायन डॉ विनोद गुप्ता, लायन डॉ परवीन शर्मा, लायन कृपाल सिंह अरोड़ा औरलायन सिद्धार्थ शर्मा परियोजना निदेशक। स्कूल प्रिंसिपल श्रीमती मंजीत कौर और स्टाफ सदस्य सभी लायन नेताओ को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया लायन सिद्धार्थ शर्मा युवा और ऊजार्वान नेता, सेवा परियोजनाओं के आयोजन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए विशेष रूप से सम्मानित। तीनों शिविरों में उनकी सेवाओं और ऊजार्वान प्रदर्शन की सभी ने सराहना की। स्कूल के प्रधानाचार्य ने क्लब एलसीएल वेजिटेरियन के सभी सदस्यों का धन्यवाद किया।

वैश्विक संकटों के माहौल में दुनिया का सबसे बड़ा मददगार साबित हुआ

यदि भारत के प्राचीन अर्थतंत्र के बारे में अध्ययन किया जाय तो ध्यान आता है कि प्राचीन भारत की अर्थव्यस्था बहुत समृद्ध थी। ब्रिटिश आर्थिक इतिहास लेखक श्री एंगस मेडिसन एवं अन्य कई अनुसंधान शोधपत्रों के अनुसार ईसा के पूर्व की 15 शताब्दियों तक वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत का हिस्सा 35-40 प्रतिशत बना रहा एवं ईस्वी वर्ष 1 से सन 1500 तक भारत विश्व का सबसे धनी देश था। श्री एंगस मेडिसन के अनुसार, मुगलकालीन आर्थिक गतिरोध के बाद भी 1700 ईस्वी में वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत का योगदान 24.4 प्रतिशत था। ब्रिटिश औपनिवेशिक शोषण के दौर में यह घटकर 1950 में मात्र 4.2 प्रतिशत रह गया था। हॉर्वर्ड विश्वविद्यालय के श्री जेफ्रे विलियमसन के “इंडियाज डीइंडस्ट्रीयलाइजेशन इन 18 एंड 19 सेंचुरीज” के अनुसार, वैश्विक औद्योगिक उत्पादन में भारत का हिस्सा, ईस्ट इंडिया कम्पनी के भारत आने के समय जो 1750 में 25 प्रतिशत था, घट कर 1900 में 2 प्रतिशत तक आ गया और इंग्लैंड का हिस्सा जो 1700 में 2.9 प्रतिशत था, 1870 तक ही बढ़कर 9 प्रतिशत हो गया था। भारत में पढ़ाई जा रही आर्थिक पुस्तकों में प्राचीन भारत के आर्थिक वैभवकाल का वर्णन नहीं के बराबर ही मिलता है।

प्राचीन भारत में कुटीर उद्योग बहुत फल फूल रहा था इससे सभी नागरिकों को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध रहते थे एवं हर वस्तु का उत्पादन प्रचुर मात्रा में होता था। ग्रामीण स्तर पर भी समस्त प्रकार के आवश्यक उत्पाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहते थे अतः वस्तुओं के दामों पर सदैव अंकुश रहता था। बल्कि कई बार तो वस्तुओं की बाजार में आवश्यकता से अधिक उपलब्धि के कारण उत्पादों के दामों में कमी होते देखी जाती थी। जबकि आज के बाजारों में वस्तुओं की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता नहीं रहने के चलते मुद्रास्फीति की दर बहुत ऊपर पाई जा रही है।

विश्व के कई भागों में सभ्यता के उदय से कई सहस्त्राब्दी पूर्व, भारत में उन्नत व्यवसाय, उत्पादन, वाणिज्य, समुद्र पार विदेश व्यापार, जल, थल एवं वायुमार्ग से बिक्री हेतु वस्तुओं के परिवहन एवं तत्संबंधी आज जैसी उन्नत नियमावलियां, व्यवसाय के नियमन एवं करारोपण के सिद्धांतों का अत्यंत विस्तृत विवेचन भारत के प्राचीन वेद ग्रंथों में प्रचुर मात्रा में मिलता है। प्राचीन भारत में उन्नत व्यावसायिक प्रशासन व प्रबंधन युक्त अर्थतंत्र के होने के भी प्रमाण मिलते हैं। परंतु, पिछले लगभग 1000 वर्षों के दौरान अरब देशों से आक्रांताओं के लगातार आक्रमण एवं लूट खसोट तथा अंग्रेजों के शासनकाल के चलते भारत अपने वैभव काल से धरातल पर आ गया था।

परंतु, अब पिछले 8 वर्षों के खंडकाल में भारत के लिए परिस्थितियां तेजी से बदली हैं एवं भारत पुनः वैश्विक स्तर पर एक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर हो रहा है। अब भारत कई क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता हासिल करते हुए अपने पड़ोसी देशों की सहायता में बहुत आगे आ रहा है। हाल ही के समय में भारत अपने कई पड़ोसी देशों का संकटमोचक बना है। आर्थिक संकट के बुरे दौर से गुजर रहे श्रीलंका को भारत ने इस वर्ष की शुरूआत से अब तक 350 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई है। इसके अलावा भारत की ओर से 4 लाख टन ईंधन के साथ खाद्य सामग्री और दवाईयों की आपूर्ति भी की गई है। इसी प्रकार आपदाग्रस्त अफगानिस्तान में भी भारत लगातार राहत सामग्री भेज रहा है। भारत, मानवीय सहायता के तहत अब तक 7 खेप में 20 टन दवाईयां भेज चुका है। जिसमें जीवनरक्षक दवा, टीबी रोधी दवा, कोविड रोधी टीके की 5 लाख खुराक शामिल हैं। साथ ही, भारत ने अब तक 35 हजार मीट्रिक टन गेहूं भी अफगानिस्तान को मानवीय आधार पर उपलब्ध कराया है। जब से रूस एवं यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू हुआ है तब से वैश्विक स्तर पर खाद्य पदार्थों विशेष रूप से गेहूं की उपलब्धता में बहुत कमी आ गई है क्योंकि रूस और यूक्रेन दोनों ही देश, गेहूं का सबसे अधिक निर्यात करते हैं। ऐसे समय में भी भारत द्वारा ही कई देशों को गेहूं की आपूर्ति की जा रही है। हालांकि भारत ने अपने देश में गेहूं की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के उद्देश्य से 13 मई 2022 को गेहूं के निर्यात पर पाबंदी लगा दी है। परंतु, इसके बावजूद मानवीय पहलुओं को ध्यान में रखकर लगभग 12 देशों को 18 लाख टन गेहूं का निर्यात अभी हाल ही में किया गया है। अभी तक जिन देशों को गेहूं का निर्यात किया गया है उनमें शामिल हैं, दक्षिणी कोरीया, वियतनाम, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बंगलादेश, अफगानिस्तान, ओमान, फिलीपीन, श्रीलंका, सूडान, थाईलैंड, स्विट्जरलैंड, भूटान, इजराईल, इंडोनेशिया, मलेशिया, नेपाल और यमन।

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान तो भारत से कृषि उत्पादों का निर्यात लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए अपने उच्चतम स्तर 5000 करोड़ अमेरिक डॉलर पर पहुंच गया है। गेहूं के निर्यात ने 273 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की एवं चावल के निर्यात में भारत ने वैश्विक स्तर पर 50 प्रतिशत की हिस्सेदारी हासिल कर ली है। इसी प्रकार, भारत का समुद्री निर्यात भी नित नए कीर्तिमान बना रहा है। समुद्री उत्पादों का निर्यात वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 30.26 प्रतिशत बढ़कर 776 करोड़ अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया। भारत ने 13,69,264 टन समुद्री खाद्य उत्पादों का निर्यात किया। साथ ही, भारत का वस्त्र और परिधान निर्यात भी वित्तीय वर्ष 2021-22 में 41 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 4,440 करोड़ अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया, जो अब तक किसी भी वित्तीय वर्ष में सबसे अधिक है। कपड़ों के कुल निर्यात में मानव निर्मित कपड़े और परिधान की 14 प्रतिशत (630 करोड़ अमेरिकी डॉलर) तथा हस्तशिल्प की 5 प्रतिशत (210 करोड़ अमेरिकी डॉलर) हिस्सेदारी रही। भारत से अमेरिका को सबसे अधिक 27 प्रतिशत वस्त्र और परिधान का निर्यात किया गया। अब तो भारत ने रक्षा के क्षेत्र में भी आत्मनिर्भरता हासिल करने की ओर अपने कदम बढ़ा लिए हैं एवं कई रक्षा उत्पादों का तो निर्यात भी किया जा रहा है। अभी हाल ही में भारत का स्वदेशी निर्मित तेजस हल्का लड़ाकू विमान मलेशिया की पहली पसंद बनाकर उभरा है। मलेशिया ने अपने पुराने लड़ाकू विमानों के बेड़े को बदलने के लिए प्रतिस्पर्धा की थी। जिसमें चीन के जेएफ-17, दक्षिण कोरिया के एफए-50 और रूस के मिग-35 के साथ साथ याक-130 से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद मलेशिया ने भारतीय विमान तेजस को पसंद किया है। आज देश की कई सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कंपनियां विश्व स्तर के रक्षा उपकरण भारत में बना रही हैं एवं उनके लिए विदेशी बाजारों के दरवाजे खोले दिए गए हैं। इस कड़ी में 30 दिसम्बर 2020 को आत्म निर्भर भारत योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार ने स्वदेशी मिसाइल आकाश के निर्यात को अपनी मंजूरी प्रदान की थी। आकाश मिसाइल भारत की पहचान है एवं यह एक स्वदेशी (96 प्रतिशत) मिसाइल है। दक्षिणपूर्व एशियाई देश वियतनाम, इंडोनेशिया, और फिलिपींस के अलावा बहरीन, केन्या, सउदी अरब, मिस्त्र, अल्जीरिया और संयुक्त अरब अमीरात ने आकाश मिसाइल को खरीदने में अपनी रुचि दिखाई है। आकाश मिसाइल के साथ ही कई अन्य देशों ने तटीय निगरानी प्रणाली, राडार और एयर प्लेटफार्मों को खरीदने में भी अपनी रुचि दिखाई है।

देश की रक्षा एजेंसियों, विशेष रूप से डीआरडीओ (डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन), द्वारा भारत को रक्षा उपकरणों के निर्यातक देशों की श्रेणी में ऊपर लाने की लगातार कोशिश की जा रही हैं एवं अब इसके सुखद परिणाम भी दिखाई देने लगे हैं। भारत जल्द ही दुनिया के कई देशों यथा फिलीपींस, वियतनाम एवं इंडोनेशिया आदि को ब्रह्मोस मिसाइल भी निर्यात करने की तैयारी कर रहा है। कुछ अन्य देशों जैसे सउदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात एवं दक्षिण अफ्रीका आदि ने भी भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने में अपनी रुचि दिखाई है। ध्वनि की रफ्तार से तीन गुना तेज, माक 3 की गति से चलने वाली और 290 किलोमीटर की रेंज वाली ब्रह्मोस मिसाइलें भारत-रूस सैन्य सहयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। जमीन, आकाश और समुद्र स्थित किसी भी लांच उपकरण से छोड़े जा सकने वाले ब्रह्मोस की खूबी यह है कि यह अपनी तरह का अकेला क्रूज मिसाइल है। आज भारत से 84 से अधिक देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात किया जा रहा है। इस सूची में कतर, लेबनान, इराक, इक्वाडोर और जापान जैसे देश भी शामिल हैं जिन्हें भारत द्वारा बॉडी प्रोटेक्टिंग उपकरण, आदि निर्यात किए जा रहे हैं।

संपादकीय

मतभेद रखें लेकिन मनभेद नही

आजकल हमारे टीवी चैनलों और कुछ नेताओं को पता नहीं क्या हो गया है? वे ऐसे विषयों को तूल देने लगे हैं, जो देश की उन्नति और समृद्धि में कोई योगदान नहीं कर सकते। जैसे भाजपा प्रवक्ता के द्वारा पैगंबर मोहम्मद के बारे में दिया बयान और अब केनाडा में बनी फिल्म “काली” को लेकर देश का कितना समय बर्बाद हो रहा है। हमारे लगभग सभी टीवी चैनल दिन भर इसी तरह के मुद्दों पर पार्टी-प्रवक्ताओं और बड़बोले सतही वक्ताओं को बुलाकर उनका दंगल दिखाते रहते हैं। इन बहसों का एकमात्र लक्ष्य यही होता है कि टीवी चैनल अपनी दर्शक-संख्या (टीआरपी) में वृद्धि करें। इन बहसों में शामिल लोग एक-दूसरे की बात काटने के लिए अनर्गल भाषा का इस्तेमाल करते हैं, एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाते हैं और ऐसी बातें नहीं कहते हैं, जिनसे करोड़ों दर्शकों का ज्ञानवर्द्धन हो। देश के अनेक विचारशील और गंभीर स्वभाव के लोग इन बहसों को देखकर दुखी होते हैं और उनमें से बहुत-से लोग टीवी देखना ही टालते रहते हैं। वे मानते हैं कि इन बहसों को देखना अपना समय नष्ट करना है। लेकिन आम आदमियों पर ऐसी बहसों का कुप्रभाव आजकल हम जोरों से देख रहे हैं। कभी उन्हें लगता है कि फलां वक्ता ने शिवजी का अपमान कर दिया है, फलां ने पैगंबर के बारे में घोर आपत्तिजनक बात कह दी है और फलां ने काली माता की छवि चौपट कर दी है। यदि ऐसा किसी विधर्मी के द्वारा हुआ है तो फिर आप क्या पूछते हैं? सारे देश में प्रदर्शनों, जुलूसों और हिंसा का माहौल बन जाता है। हमारी सभी पार्टियों के नेताओं की गोटियां गरम होने लगती हैं। वे एक-दूसरे के विरुद्ध न सिर्फ तेजाबी बयान जारी करते रहते हैं बल्कि पुलिस थानों में रपटें लिखवाते हैं, अदालतों में मुकदमे दायर कर देते हैं और कुछ सिरफिरे लोग हत्या व आगजनी पर भी उतारु हो जाते हैं। वे यह क्यों नहीं समझते कि उनके धर्मों के देवी-देवताओं या महापुरुषों की महिमा क्या इतनी छुई-मुई है कि उनके खिलाफ कही गई कुछ ऊटपटांग बातों के कारण उनकी प्रतिष्ठा धूमिल हो सकती है? क्या उनके प्रति सदियों से चली आ रही श्रद्धा और भक्ति की परंपरा इन चलताऊ टिप्पणियों के कारण नष्ट हो सकती है? मैं तो सोचता हूं कि बहस का जवाब बंदूक से नहीं, बहस से दिया जाना चाहिए। सभी धर्मों के महापुरुषों का व्यक्ति के रूप में पूर्ण सम्मान किया जाना चाहिए लेकिन उनके व्यक्तित्वों और सिद्धांतों पर खुली बहस होनी चाहिए। यदि हमारे देश में खुली बहस पर प्रतिबंध लग गया तो यह विश्व-गुरु विश्व-चेला बनने लायक भी नहीं रहेगा। भारत तो हजारों वर्षों से “शास्त्रार्थों” और खुली बहसों के लिए जाना जाता रहा है। सन्मति और सहमति के निर्माण में तर्क-वितर्क और बहस-मुबाहिसा तो चलते ही रहना चाहिए। जर्मन दार्शनिक हीगल और कार्ल मार्क्स भी वाद-प्रतिवाद और समन्वयवाद के समर्थक थे। मनुष्यों में मतभेद तो रहता ही है, बस कोशिश यह होनी चाहिए कि मनभेद न रहे।

ठाकरे तो एक ही था, बाकी सब ठीकरे

अनिल बिहारी श्रीवास्तव

> राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस किसी भी दिन महाअघाड़ी से अलग होने की घोषणा कर सकती है। वैसे भी शिवसेना के साथ बेमेल याराना से महाराष्ट्र के छोटे-बड़े कांग्रेसी काफी असहज महसूस कर रहे थे। एक पखवाड़े तक महाराष्ट्र में चली राजनीतिक उथल-पुथल शांत हो चुकी है। विचारणीय प्रश्न यह है कि महाराष्ट्र के घटनाक्रम में नफा-नुकसान का गणित क्या कह रहा है? निचोड़ यही है कि भाजपा एक बार फिर सबसे अधिक ताकतवर होकर उभरी है। कांग्रेस और राकांपा दोनों के सपने टूट चुके हैं। शिवसेना विभाजन की कगार पर है। ठाकरे परिवार का राजनीतिक प्रभाव क्षींण हुआ है। सबसे अधिक घाटे में उद्धव ठाकरे दिखाई दे रहे हैं। राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टि से वह बहुत कमजोर साबित हुए हैं। उनकी वह ठसक अब नहीं दिखेगी जो ढाई तीन साल पहले तक दिखाई देती रही है।

महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष पद पर भारतीय जनता पार्टी के राहुल नारवेकर का रविवार को चुनाव और दूसरे ही दिन एकनाथ शिंदे सरकार का पूरी दमदारी से विश्वास मत हासिल कर लेना दो बड़ी घटनाएं हैं। 2019 में उद्धव ठाकरे के विश्वासघात से व्यथित देवेंद्र फडणवीस की वह भविष्यवाणी सच हुई है जिसमें उन्होंने कहा था कि “हम लौट कर आएंगे।” राहुल नारवेकर 107 के विरुद्ध 164 मतों से विधानसभा अध्यक्ष चुने गए हैं। सोमवार को शिंदे सरकार ने 99 के विरूद्ध 164 मतों से विश्वास मत जीता। राज्य में जिस तरह सत्ता परिवर्तन हुआ वह साबित करता है कि सही या गलत फैसले का जीवन पर किस तरह प्रभाव पड़ता है। बात उद्धव ठाकरे की करें। गलत फैसलों, राजनीतिक और प्रशासनिक अकुशलता ने उन्हें कहां से कहां पहुंचा दिया। सत्ता गई, साख की फजीहत हुई और अब शिवसेना तक हाथ से निकल जाने जैसे हालात बन रहे हैं। दूसरी ओर नए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे हैं। कभी आटो रिक्शा चलाते थे। बाल ठाकरे से प्रभावित थे। शिवसेना के मैदानी कार्यकर्ता बने। जमीन से जुड़ाव, समय के साथ आई राजनीतिक परिपक्वता और सही फैसले लेने की क्षमता के बूत मुख्यमंत्री बन गए। शिंदे स्वीकार करते हैं कि “मुख्यमंत्री बनने की कल्पना उन्होंने कभी की ही नहीं थी।” वह पूरी विनम्रता और मुक्तकंठ से देवेंद्र फडणवीस की प्रशंसा करते हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस की महाअघाड़ी सरकार ढहने के बाद शरद पवार की खीझ उनके ताजा बयान से सामने आ गई। पवार ने भविष्यवाणी की है कि भाजपा, शिवसेना के शिंदे गुट और कुछ निर्दलियों के समर्थन से बनी शिंदे सरकार 6 माह में गिर जाएगी। शायद ही कोई खरा राजनीतिक विश्लेषक पवार से सहमत होगा। फिलहाल ऐसा कुछ होने के दूर-दूर तक आसार नहीं हैं। संभावना इस बात की है कि शिंदे गुट को ही असली शिवसेना मान लिया जाए। इस समय उद्धव के समक्ष चुनौती बचे-खुचे शिवसैनकों को शिंदे के पाले में जाने से रोकने की है।

अपने संदर्भ संकलन के पन्ने पलटते समय 2019 की एक टीवी बहस पर नजर टिक गई। चैनल का नाम तो याद नहीं परंतु बहस में भाग ले रहे एक राजनीतिक विश्लेषक की टिप्पणी ने अवश्य ध्यान खींचा। तब, महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावों के परिणाम आने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए उद्धव ठाकरे का मचलना, फिर पुराने सहयोगी भाजपा से नाता तोड़ लेना, उसके बाद कांग्रेस और राकांपा की गोद में उनके जा बैठने पर विश्लेषक ने कहा था, “बिना पद के इज्जत कमाना बाल ठाकरे से सीखें और पद के लिए इज्जत गंवाना उद्धव ठाकरे से।” वह आगे बोले, “ठाकरे तो एक ही था, अब तो बस ठीकरे हैं।” कितना सटीक विश्लेषण था। दो साधारण वाक्यों में कितना असाधारण विश्लेषण था। राजनीति और प्रशासन में अनुभवहीनता और चाटुकार सलाहकारों के चलते उद्धव ठाकरे का इज्जत और लोकप्रियता का ग्राफ आज गोता लगा रहा है। क्या मातोश्री की शान और प्रतिष्ठा पर पर हुआ गहरा आघात छिपा रह पा रहा है? वहां सन्नाटा पसरा है। मातोश्री के आसपास गहरी शून्यता वहां के पेड़-पौधे भी कैसे सहन कर पा रहे होंगे? कभी महाराष्ट्र की राजनीति में सबसे ताकतवर माने जाते रहे ठाकरे परिवार ने ऐसे दिन देखने की कल्पना नहीं की होगी। सदमे में कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) भी हैं। दोनों ने सत्ता सुख खोया है। एक झटके में रुतबा खत्म हो गया। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस किसी भी दिन महाअघाड़ी से अलग होने की घोषणा कर सकती है। वैसे भी शिवसेना के साथ बेमेल याराना से महाराष्ट्र के छोटे-बड़े कांग्रेसी काफी असहज महसूस कर रहे थे। एक पखवाड़े तक महाराष्ट्र में चली राजनीतिक उथल-पुथल शांत हो चुकी है। विचारणीय प्रश्न यह है कि महाराष्ट्र के घटनाक्रम में नफा-नुकसान का गणित क्या कह रहा है? निचोड़ यही है कि भाजपा एक बार फिर सबसे अधिक ताकतवर होकर उभरी है। कांग्रेस और राकांपा दोनों के सपने टूट चुके हैं। शिवसेना विभाजन की कगार पर है। ठाकरे परिवार का राजनीतिक प्रभाव क्षींण हुआ है। सबसे अधिक घाटे में उद्धव ठाकरे दिखाई दे रहे हैं। राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टि से वह बहुत कमजोर साबित हुए हैं। उनकी वह ठसक अब नहीं दिखेगी जो ढाई तीन साल पहले तक दिखाई देती रही है। बाला साहब के समय बड़े-बड़े राजनीतिक और गैर-राजनीतिक दिग्गज मातोश्री में हाजिरी लगाने या सलाम ठोकने जाते थे। वही प्रभाव काफी हद तक 2019 तक दिखाई दे जाता था। उद्धव और पुत्र आदित्य ठाकरे के सत्ता की राजनीति में उतरने के बाद शनै-शनै इसमें कमी आती दिखाई देने लगी थी। अब सांप सूंघ गया जैसी स्थिति है। पिता-पुत्र के सत्ता-मोह ने ठाकरे परिवार के दबदबे और प्रतिष्ठा को खासी चोट पहुंचाई है। इसके लिए कुछ लोग संजय राउत को जिम्मेदार मानते हैं। आलोचकों की बात में दम है। वो कहते हैं, “संजय राउत के बड़बोलेपन और उनके द्वारा पिता-पुत्र को दी जाती रही गलत सलाह ने सब मटियामेट कर दिया। राउत की सलाहों के कारण हालात बिगड़े और शिंदे और उनके समर्थक विधायक विद्रोह पर विवश हुए।” ऐसा आरोप लगाया जा रहा है कि उद्धव को सत्ता का चस्का राउत की मेहरबानी से लगा। राउत ने ही राकांपा और कांग्रेस के गठबंधन के लिए उद्धव को उकसाया था।

देवेंद्र फडणवीस द्वारा उपमुख्यमंत्री पद स्वीकार किए जाने पर कुछ लोगों को आश्चर्य हुआ है। माना जा रहा था कि भाजपा और शिंदे गुट की सरकार का नेतृत्व फडणवीस करेंगे और शिंदे उप मुख्यमंत्री होंगे। लेकिन, भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के फैसले से राजनीति की नब्ज टटोलने में महारत का दावा करने वाले भी चौंक पड़े। शिंदे को मुख्यमंत्री बना कर भाजपा ने खेल ही पलट दिया। पवार, उद्धव ठाकरे और कांग्रेस भौंचक हैं। भाजपा की रणनीति इतनी गोपनीय थी कि शायद फडणवीस तक अनभिज्ञ थे। शिंदे को मुख्यमंत्री बना कर सरकार की स्थिरता सुनिश्चित कर ली गई है। यह फैसला अविभाजित शिवसेना में उद्धव का प्रभाव खत्म करने में मददगार साबित होगा। एक खास बात यह है कि शिंदे की अगुआई वाली सरकार में उपमुख्यमंत्री बनना स्वीकार करने से पार्टी मे फडणवीस की साख और मजबूत हुई है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने फडणवीस को हर कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बताया है। फडणवीस की उदारता पर एकनाथ शिंदे ने तो यह तक कह दिया कि उनके जैसा व्यक्ति मिलना मुश्किल है। निश्चित रूप से भाजपा में फडणवीस का कद बढ़ा है। यहां नीतेश राणे की टिप्पणी का उल्लेख उचित लग रहा है। उन्होंने कहा है, “फडणवीस का आचरण प्रेरक और अनुकरणीय है। आरएसएस के स्वयंसेवक में किस प्रकार मूल्यों का समावेश होता है इस का प्रमाण फडणवीस से मिल रहा है। जातिवाद और वंशवाद की राजनीति से टिके राजनीतिक दलों में ऐसे उदाहरण मिलना लगभग असंभव सा है।” फडणवीस राज्य में सबसे ताकतवर, दूरदर्शी, धीर-गंभीर और पार्टी के लिए पूरी तरह समर्पित नेता के रूप में सामने आए हैं।

कभी किसी ने कहा था कि मोदी, शाह, पवार और सोनिया के सामने उद्धव ठाकरे जीरो हैं। स्वयं उद्धव ठाकरे ने इस कथन की पुष्टि करवा दी। वह ना तो सरकार चला पाए और ना ही अपने पिता की कड़ी मेहनत और समर्पण से खड़ी की गई शिवसेना को संभाल सके। शिंदे महाराष्ट्र की राजनीति में पहली पंक्ति के ताकतवर नेता के रूप में उभरे हैं। माना जा रहा है कि शिंदे को मुख्यमंत्री बनाये जाने से उनकी अगुआई वाले धड़े को वास्तविक शिवसेना सिद्ध करने में आसानी रहेगी। भाजपा के साथ शिंदे गुट का गठबंधन समान विचार वालों की एकजुटता के रूप में लिया जाना चाहिए। छह माह में सरकार गिरने की पवार की भविष्यवाणी को असत्य साबित करने में शिंदे और भाजपा दोनों ही भला कोई कसर छोड़ेंगे?

चलो हम पेड़ लगाएं और वे कैमरा चमकाएं

प्रभुनाथ शुक्ल

हमारे देश में बरसात का मौसम हरियाली उगाने का मौसम होता है। पूरे चौमासा में हरियाली उत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इसमें सरकारों की दिलचस्पी अधिक होती है। हरियाली उत्सव के इश्तहार बड़े अच्छे लगते हैं। माननीयों का पवित्र हाथ जिस पर पड़ गया उसका जीवन सुफल हो गया। कहते हैं कि हरियाली नहीं बची तो जीवन नहीं बचेगा। पेड़ मर गए तो जीवन मर जाएगा। जिसकी वजह से सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर हरियाली बचाने के प्रयास हो रहे हैं। मानसून सत्र में पेड़ लगाओ उत्सव चल रहा है। पर्यावरण संरक्षण के नारे गढ़े जा रहे हैं। धरती को हरी-भरी बनाने का अभियान इतना तेज हो चला है कि एक-एक दिन में करोड़ों नवजात पौधे एक जगह से अपदस्थ कर दूसरी जगह वृक्ष स्थापना की उम्मीद में पदस्त किए जा रहे हैं। वैसे भी अपदस्त करने का मौसम चल रहा है। कुछ का द इंड को गया है तो दूसरे वेटिंग लिस्ट में हैं। अपदस्त का मंचन कब सतह पर आ जाए कुछ कहा नहीं जा सकता है। हरियाली स्थापना अभियान चंद्रयान मिशन से भी तगड़ा है। पेड़ों को कागजी कक्षा में बैठाने का सफल परीक्षण जारी है। मिशन को सफल करने में पूरी सरकार लगी है। एक दिन में ग्लोबल ग्रीन का रिकार्ड भी बनाया जा रहा है। गिनीज बुक वालों को खोजा रहा है।

नवजात वृक्ष शिशुओं के लिए यह परम सौभाग्य का दिन है। वह अपने भाग्य पर इठला रहे हैं। नेता, अफसर, संतरी, मंत्री सभी नवजातों को प्रतिस्थापना को लेकर व्यग्र हैं। रंगोली बनाकर वृक्ष लगाए जा रहे हैं। सभी मानसून से चिरौरी करते फिर रहे है कि काश आप इसी तरह हमेंशा कायम रहें। गली मोहल्ले के छुटभैइये नेता से लेकर पूरी सरकार हरियाली उत्सव में शरीक है। पौधे लगा कर सोशलमीडिया पर हजारों हजार सेल्फी हर रोज अपलोड़ हो रही है। नवजात शिशुओं का टेम्पोंहाई है। वह मुख्यमंत्री, अधिकारी, संतरी, नेता, व्यापारी, बुद्धजीवि, वैज्ञानिक, पर्यावरण विद् के हाथों में पहुंच इतरा रहे हैं। वह खुद को परम सौभाग्यशाली समझ रहे हैं।

नवजात वृक्ष शिशुओं में होड़ लगी है। नवजात वृक्ष खुद एक दूसरे को नीचे दिखा रहे हैं। कोई कह रहा है देख हम सीएम के हाथ से पदस्त हुए, दूसरा बोल रहा है कि हमें सचिव साबह ने रोपा। तीसरा बोल रहा है कि हमें अभिनेता जी ने रोपा और कुछ बगैर रोपे दुनिया से अलविदा हो गए। उन्हें अपने भाग्य पर इतराने का मौका भी नहीं मिला। ट्वीटर, इंस्टाग्राम, फेसबुक, वाट्सप ग्रुप में हरियाली उत्सव छाया है। जमींन में एक वृक्ष पदस्त हो रहा है, लेकिन मीडिया के सैकड़ों कमैरे चमक रहे हैं। कोई पत्तियां पकड़े है तो कोई जड़ और तना। साहब के हाथ में फावड़ा है। जूते की पालिश तक फीकी नहीं पड़ रही है। हाथ में मिट्टी तक नहीं लगी है। भला यह परम सौभाग्य इन बेचारों को कब मिलता। यह तों सरकारें ही कर सकती हैं। इतना बड़ा उत्सव वहीं मना सकती हैं। यह हर साल बारिश में मनाया जाता है।

अखबारों में हरियाली उत्सव के नारे और बड़े-बड़े इश्तिहार छपते हैं। पर्यावरण बचाने का ज्ञान बखरा जाता है। सख्त से सख्त निर्देश जारी होते हैं। वृक्षों की पदस्थता के लिए करोड़ों खारिज होते हैं। अगले बरस के मानसून का फिर इंतजार किया जाएगा। तब तक जमींन में वृक्षों की जड़ें जमाने और उनकी सुरक्षा के लिए दूसरा बजट खारिज होगा। अगले साल मानसून की दस्तक के साथ हरितिमा की नई योजना बनाई जाएगी। फिर हरियाली उत्सव मनाया जाएगा। फिर नई सरकार आएगी। अपने स्तर से दूसरी योजना लाएगी।

अब तक की सरकारों में जो करोड़ों वृक्ष रोपे गए उसमें कितने प्राण गवा चुके हैं। कितने वेंटीलेटर और आईसीयू में हैं उसकी चिंता किसी को नहीं है। उसमें कोई जिंदा भी है या नहीं इसकी भी फिक्र नहीं है। क्योंकि मरने वालों का हिसाब नहीं रखा जाता। सरकारें सिर्फ वर्तमान का हिसाब रखती हैं। दूसरों का लेखाजोखा नहीं छेड़ना चाहती। गलत परंपरा नहीं डालना चाहती। यह उत्सव ही कागजी होता है। जब से देश में यह अभियान चल रहा है इंच पर जमींन शायद नहीं बचती अगर सारे पदस्थापित पौधे जिंदा बचे होते। अगर ऐसा हो जाएगा तो नयी सरकारों हरियाली उत्सव कैसे मनाएंगी। करोड़ों का बजट कैसे खारिज होगा। यह सरकारों की आपसी समझदारी है। इसिलए पुराने पदस्थ वृक्षों का हिसाब नहीं रखा जाता। बस! आप भी पुरानी हरियाली का लेखा-जोखा मत मांगिए। पेड़ लगाइए। सेल्फी डालिए और हरियाली का उत्सव मनाइए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक संजय कुमार उपाध्याय द्वारा विवेक पब्लिशर्स, ए 16, सेक्टर 7, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, से मुद्रित एवं 203 एफ 32, विजय ब्लॉक लक्ष्मी नगर, दिल्ली -11 00 92 से प्रकाशित। सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जाएगा। संपादकः संजय कुमार उपाध्याय। मो.: 8700635881, आर.एन.आई नं. DELHIN/2019/78266

संक्षिप्त समाचार

बकरीद के मद्देनजर वपुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

मदरलैण्ड संवाददाता, लातेहार। बालूमाथ थाना पुलिस द्वारा बकरीद त्यौहार को लेकर सड़कों पर फ्लैग मार्च निकाला गया।फ्लैग मार्च थाना चौक से होते हुए बाजार टांड़ महावीर मंदिर तक फ्लैग मार्च निकालकर लोगों को संदेश दिया कि पुलिस प्रशासन असामाजिक तत्व के लोगों से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है इस मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार पुलिस निरीक्षक अनिल उरांव,थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद,पुलिस अवर निरीक्षक कुबेर साव,कैयलास बारा, सहित कई पुलिसकर्मी शामिल थें।

खेत में बने बांस के घेरा को तोड़ने का विरोध करने पर महिला को मारपीट कर किया घायल

मदरलैण्ड संवाददाता, छपरा। तरैया थाना क्षेत्र के उसरी नवरत्नपुर गांव में जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा को लेकर बनाये गये बांस के घेरा को तोड़ने का विरोध करने पर महिला को मारपीट कर घायल कर दिया गया है। इस संबंध में उक्त गांव निवासी सुरेश प्रसाद सिंह ने तरैया थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराया है। जिसमें कहा गया है कि वह बुधवार को छपरा व्यवहार न्यायालय में विधि कार्य से गए हुए थे। उसी समय उनकी पत्नी का फोन आया कि राणा प्रताप सिंह अपने 10-12 साथियों को लेकर घर के पीछे जमीन पर मकई के खेत में नीलगाय से बचाव के लिए बांधे गए बांस के घेरा को तोड़ रहा है। जब उनकी पत्नी रूपम सिंह ने मना किया तो भद्दी-भद्दी गाली देने लगे। राणा प्रताप सिंह ने उनकी पत्नी को पकड़ लिया तथा मारपीट करने लगा। मारपीट के दौरान कपड़ा फाड़कर निर्वस्त्र कर दिया। मारपीट के दौरान गले से मंगलसूत्र व सोने की चेन लगभग 50 हजार रुपये कीमत का छीन लिया। जान मारने व लड़के का अपहरण करने की धमकी भी दिया है। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है।

आरडीडी की अध्यक्षता में स्वस्थ विभाग की बैठक

मदरलैण्ड संवाददाता, देवघर। श्रावणी मेला 2022 स्वास्थ विभाग की तैयारियों की समीक्षा हेतु आरडीडी डॉ बी पी सिंह की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन सदर अस्पताल देवघर के सभागार में किया गया ।बैठक में अब तक की गई कार्यों की समीक्षा की गई, साथ ही सभी किए जाने वाले कार्यों को ससमय पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया ।स्वास्थ विभाग के द्वारा उत्तम सेवाएं कराने के लिए सभी को निर्देशित किया गया। सिविल सर्जन डॉ सी के शाही,उपाधीक्षक सदर अस्पताल डॉ प्रभात रंजन ,जिला आर सी एच पदाधिकारी आलोक सिंह ,विभिन्न प्रखंडों के चिकित्सा पदाधिकारी, डॉ दिग्विजय भारद्वाज,जिला कार्यक्रम प्रबंधक नीरज कुमार भगत, सुनील मणि त्रिपाठी, अरुण कुमार चौधरी, तारकेश्वर कुमार सिंह, तरुण कुमार तिवारी, मनीष कुमार सिंह ,मृत्युंजय पांडेय,विभिन्न प्रखंडों के प्रखंड लिखा पदाधिकारी उपस्थित रहे

कोरोना संक्रमित आंगनबाड़ी सेविका की मौत, इलाज के दौरान दिल्ली एम्स में संक्रमित हुई थी सेविका

मदरलैण्ड संवाददाता, छपरा। तरैया प्रखंड के पचरौड़ पंचायत में एक आंगनबाड़ी सेविका की कोरोना संक्रमण से मौत हो गई है। मृतिका रसीदपुर में कोड संख्या 84 की सेविका व टीकमपुर गांव निवासी धीरेंद्र कुमार सिंह की 40 वर्षीय पत्नी इंदु देवी बताई जाती है। जानकारी के अनुसार सेविका को किडनी में शिकायत के बाद पटना एक निजी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था जहां से परिजन उन्हें लेकर दिल्ली एम्स चले गए। दिल्ली एम्स में लगभग दो सप्ताह से अधिक दिनों से चल रहे इलाज के दौरान वह कोरोना संक्रमित हो गई। पहले से बीमार होने के कारण संक्रमण का रफ्तार और तेज हो गया और इसी बीच दिल्ली एम्स में इलाज के दौरान बुधवार की देर संध्या उनकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतिका को एक पुत्र व दो पुत्री है। वही परिजन दिल्ली में ही शव का अंतिम संस्कार कर दिये। इधर घटना के बाद पति धीरेंद्र कुमार सिंह, पुत्र वीर प्रताप सिंह, जितेंद्र सिंह व परिवार के अन्य सदस्यों का रो रो कर बुरा हाल है। इधर आंगनबाड़ी सेविका की मृत्यु के उपरांत बाल विकास परियोजना कार्यालय तरैया में शोक सभा का आयोजन किया गया। सीडीपीओ अर्चना कुमारी की अध्यक्षता में मृत सेविका की आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना की गई। शोक सभा में पर्यवेक्षिका लवली कुमारी, पूनम कुमारी, सेविका संघ के अध्यक्ष नयन देवी, रंजू देवी, मुन्नी देवी, निर्मला कुमारी समेत अन्य सेविका सहायिका उपस्थित थीं।

लालू यादव की सलामती के लिए दुआओं का दौर शुरू, गोपालगंज से पटना तक चल रहा पूजा- पाठ

मदरलैण्ड संवाददाता, पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद की सेहत में सुधार के लिए गोपालगंज में उनके पैतृक गांव फुलवरिया और पटना में में पूजा-पाठ और दुआओं का दौर शुरू हो गया है. पैतृक गांव फुलवरिया में लालू यादव की ओर से स्थापित मंदिर में उनके परिवार की ओर से बुधवार को विशेष पूजा-आरती की गई, इसके साथ ही राजधानी पटना में राजद कार्यकताओं ने पूजा पाठ किया और दरगाह शरीफ में चादरपोशी कर दुआएं भी मांगी.लालू यादव की बिमारी की सूचना मिलने के बाद से ही उनके समर्थक और परिवार के लोग पूजा पाठ में जुट गए हैं. इधर, उनके पैतृक गांव फुलवरिया में सन्नाटा पसरा हुआ है. ग्रामीण अपने नेता के शीघ्र स्वस्थ्य होने को लेकर उनके द्वारा बनाये गए मंदिर में ही पूजा पाठ कर रहे हैं. ग्रामीणों का कहना है कि जब भी लालू प्रसाद या उनके बेटे घर आते हैं, तो पंच मंदिर में विशेष पूजा करते हैं. ऐसी मान्यता है कि मंदिर में पूजा-पाठ करने से माता रानी लालू परिवार के सभी संकट हर लेती हैं. इसी कारण से दो दिनों से यहां पर पूजा पाठ चल रहा है. इधर, पटना के शीतला मन्दिर में भी राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के शीघ्र स्वस्थय होने को लेकर पूजा पाठ का दौर चल रहा है. राजद कार्यकताओं एवं नेताओं की ओर से माता शीतला मंदिर के प्रांगण में हवन और पूजा पाठ किया जा रहा है ताकि वह जल्दी से जल्द से जल्द स्वस्थ हो जाए.

पटना पहुंचे आरसीपी, कहा-अपनी पहचान मेहनत से बनाई, मुझे कौन देगा धोखा,सीधा आदमी हुँ

» मदरलैण्ड संवाददाता

पटना। जदयू के वरिष्ठ नेता रामचंद्र प्रसाद सिंह केन्दीय मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद गुरुवार शाम दिल्ली से पटना पहुंचे. आरसीपी सिंह के पटना आने की सूचना मिलते ही कार्यकर्ता पहले से ही पटना एयरपोर्ट पर मौजूद थे. कार्यकताओं ने आरसीपी सिंह का जोरदार स्वागत किया. हवाईअड्डे पर आरसीपी सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मुझसे कौन धोखा देगा ,मैंने खुद अपने परिश्रम और ताकत से अपनी पहचान बनायी है. हम सीधा आदमी हैं और हमेशा सीधा चलते है. अभी गांव जा रहे हैं फिलहाल अभी गांव में ही रहेंगे और कार्यकर्ता जहां-जहां बुलाएंगे वहां मौजूद रहूंगा.

सम्मानित किए जाने को मीडिया ने बीजेपी में शामिल होने की खबर चला दी

भाजपा में शामिल होने के अफवाह पर आरसीपी ने कहा कि मीडिया के लोग सामान्य कट्सी को किस तरह से रख दिए यह सभी ने देखा. विभागीय कार्य को लेकर मैं तिरुपति गया हुआ था. एक जुलाई की रात को हैदराबाद पहुंचा था. एयरपोर्ट पर जब उतरा तो भाजपा के कार्यकताओं ने मुझे सम्मानित किया. सम्मानित किए जाने की बात को मीडिया ने बीजेपी में शामिल होने की खबर चला दी. उन्होंने कहा कि मेरे साथ क्या कोई धोखा करेगा. मैने अपने परिश्रम और ताकत से अपनी पहचान बनायी है. हम सीधा आदमी है और सीधा चलते है.

आरसीपी ने कहा- मैं किसी से नाराज नहीं हूं

आरसीपी सिंह ने कहा कि जहां तक मेरी भूमिका की बात है तो 2010 में राज्यसभा का सदस्य बना. उसी समय पार्टी का महासचिव भी बनाया गया. आगे चलकर पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बना. बीच में पार्टी का महासचिव संगठन भी रहा. पिछले एक साल से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कृपा से देश में केंन्द्रीय मंत्री भी रहा. मैंने संगठन और सरकार में अपने दायित्व को निर्वहन किया है. आरसीपी सिंह ने कहा कि पटना जन्मभूमि और हमलोगों की मातृभूमि है. हमारे जीतने कार्यकर्ता साथी एयरपोर्ट पर आए हैं उनके प्रति मैं आभार व्यक्त करता हू. पटना एयरपोर्ट पर आज कार्यकताओं का उत्साह देखने को मिल रहा है. उन्होंने कहा कि उनकी किसी से कोई नाराजगी नहीं है. जेडीयू को मजबूत बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है. सभी साथियों ने भी पार्टी के लिए मजबूती से काम किया है.

आपसी भाईचारा के साथ मनाए बकरीद का त्यौहार : एसडीपीओ

» मदरलैण्ड संवाददाता

लातेहार। बकरीद त्यौहार को लेकर बालूमाथ थाना परिसर में गुरुवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार के अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक संपन्न की गई। बैठक में सर्वसम्मति से बकरीद का त्योहार शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए। एसडीपीओ अजीत कुमार ने कहा कि प्रखंड में अमन-चैन का माहौल बना रहे। उसके लिए सभी लोगों को बकरीद का त्यौहार मिलजुल कर मनाने की आवश्यकता है ।अंचल अधिकारी आफताब आलम ने कहा कि सरकारी निदेशों का अनुपालन कर हम त्योहार की खुशियां और बढ़ा सकते है। बीडीओ राजश्री ललिता बाखला नें कही की उन्माद फैलाने वाले पर होगी सख्त कानूनी कार्रवाई।थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद ने कहा कि किसी भी प्रकार के घटना की सूचना अविलम्ब थाना को दें। गलत अफवाह फैलाने वाले सोशल साइट पर होगी पुलिस की पैनी नजर ।कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष हाजी मोतिउर रहमान ने कहा कि खासकर त्यौहार में सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ने के लिए कुछ असामाजिक तत्व के लोंग गलत हरकत करते हैं वैसे लोगों पर जनप्रतिनिधि और समाजसेवियों को ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है ।समाजसेवी गिरधारी यादव ने कहा कि हम दोनों समाज को आज के परिवेश में मिलजुल कर रहने की आवश्यकता है खासकर युवा पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने की आवाश्यक है ।बैठक में भाजपा मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण कुशवाहा,कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद जुबेर,राजद प्रखंड अध्यक्ष प्रीतलाल यादव,युवा समाजसेवी शैलेश सिंह,लव कुमार सिंह,अंजुमन सदर हाजी मोहम्मद सबीर,सेक्रेटरी मौलाना जउल्लाह, रंजीत गुप्ता,अमीतकुमार,निजामुद्दीनकुरैशी,मनान कुरैशी,राजेंद्र गंझू,झामुमो नेता ऐश्वर्या उरांव,पूर्व मुखिया सुरेंद्र उरांव,मुखिया नरेश लोहरा,नरेश उरांव,संध्या देवी,नीलिमा तिर्की,उर्मिला उरांव सहित कई लोग मौजूद थें।

जनप्रतिनिधि भी नशे की गिरफ्त में तो कैसे सुधरेगी समाज- दक्षणेश्वर

बोकड़ा में नशे के लिए हो गई थी मुसाफिर की पिटाई

» मदरलैण्ड संवाददाता

अररिया। गांव का ही एक जवाबदेह एक परदेसी को सिर्फ इसलिए मारपीट कर मोबाइल और नगदी लूट लेता है की उसने नशा के लिए कोरेक्स खरीदने के पैसे नही देने की जुर्रत कर बैठता है। समाज का हर इंसान उस बहसी जबावदेह को जानता है। बोट देकर उसे वार्ड सदस्य बनाया है और पांच वर्ष के लिए अपने वार्ड का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेवारी सौंपी है। समाज में विकास,न्याय,अपराध,नशामुक्ति जैसे दर्जनों मुद्दों पर आम लोगों की निगाहें प्रतिनधियों पर टिकी रहती है। यह सब जानते हुए भी नशे में चूर बोकड़ा पंचायत के वार्ड संख्या 9 का वार्ड सदस्य अबुतालिब उर्फ अब्वा एक बंगाल निवासी परदेसी जो साइकिल पर मुसहरी,चादर,चटाई घूम-घूम कर बेचता है। उसे रंगदारी स्वरूप प्रतिबंधित कफ सीरप कोरेक्स नहीं पिलाने के एवज में 120 रुपया न देने की गुस्ताखी भर में दौड़ा-दौड़ा कर बुरी तरह से पीटने के बाद नगदी और मोबाइल लूट लेता है। अब उसे कौन देगा इंसाफ। थाना पुलिस के चक्कर में फेरीवाला पड़ना नही चाहा। समाज में इस तरह की घटनाएं हमारे सामाजिक सरोकारों,सामाजिक दबाव,सामूहिकता पर सवाल खड़ा करता है।इस मुद्दे पर फणीश्वरनाथ सेवा समाज संस्था के सचिव दक्षणेश्वर प्रसाद राय पप्पू ने बताया कि दबंगता की ऐसी घटना जिसपर पूरा समाज शर्मसार महसूस कर रहा है। इस प्रकार के असामाजिक तत्वों को सलाखों के पीछे होना चाहिए। ऐसे लोगों का समाज में रहने से समाज का भारी नुकसान है।

चम्पारण का लाल बना आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर

किसान के बेटे डॉ जियाउल हक का हुआ चयन

» मदरलैण्ड संवाददाता

मोतीहारी। विश्व प्रसिद्ध यूनिवर्सिटी ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी इंग्लैंड में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप मोतीहारी जिले के तुरकौलिया प्रखंड के कवलपुर निवासी किसान के पुत्र डॉक्टर जियाउल हक के चयन से तुरकौलिया सहित जिले के लोगों में हर्ष है। जियाउल आईआईटी दिल्ली में पीएचडी का अध्यनरत छात्र हैं। जो डॉक्टर गौरव अरोड़ा व डॉक्टर तनु जैन के देखरेख में मशीन डिजाइन विथ फोर्स कंट्रोल ऑफ इंडस्ट्रियल रोबोट्स पर शोध कर रहे है। देश स्तर पर आयोजित गेट की परीक्षा में वर्ष 2021 में उन्होंने 19 वा स्थान प्राप्त किया था। डॉक्टर हक की शुरूआती शिक्षा तुरकौलिया मिडल व हाई स्कूल से हुई थी। इसके बाद उन्होंने एलएनडी कॉलेज मोतीहारी से इंटर किया तथा उत्तर प्रदेश के शारदा यूनिवर्सिटी से बीटेक की पढ़ाई पूरी की। डॉ हक ने दूरभाष पर बताया कि बीटेक में पढ़ने के लिए उनके पिता को जमीन बेचनी पड़ी थी। पिता ने उनके सपने को साकार करने के लिए अथक वह अनवरत प्रयास किया है। फिर उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से एमटेक किया। डॉक्टर जियाउल अपना आदर्श पूर्व राष्ट्रपति भारतरत्न डॉ अब्दुल कलाम साहब को मानते है। उन्होंने कहा कि माता सजदा खातून व पिता शेख जुनैद की दुआओं से वे इस मुकाम तक पहुंचन में कामयाब हुए हैं।

विधायक कृष्णनंदन पासवान, मुखिया विनय कुमार ने कहा कि जियाउल ने क्षेत्र ही नही देश का मान सम्मान बढ़ाने का काम किया है। प्रखंड सहित जिले के

लोग उन्हें तथा परिजनों को बधाईयां दे रहे हैं।

बाल विवाह व बालश्रम उन्मूलन को लेकर मीना मंच की हुई बैठक

» मदरलैण्ड संवाददाता

मोतीहारी। जिले के कल्याणपुर प्रखंड स्थित शीतलपुर मध्य विद्यालय में गुरुवार को बाल विवाह और बाल श्रम उन्मूलन को लेकर बाल संसद व मीना मंच की एक बैठक हुई। विद्यालय के छात्र छात्राओं ने बाल श्रम उन्मूलन व बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं को रोकने का संकल्प लिया।

समाज कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास निगम, यूनिसेफ के सहयोग से सेव द चिल्ड्रेन द्वारा संचालित उड़ान प्रोजेक्ट के तहत मीना मंच की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में प्रेम प्रसंग में हो रहे पलायन को रोकने के लिए विद्यालय के बच्चों को जिम्मेदारी दी गई कि समाज मे खासकर किशोर किशोरियों को इसके दुष्परिणाम के प्रति सचेत करे। इस अवसर पर उड़ान प्रोजेक्ट के जिला समन्वयक हामिद रजा ने कहा कि थोड़ी देर की खुशी के लिए बच्चे भटक जाते हैं, और प्रेम प्रसंग में पलायन कर जाते हैं, उसका बहुत बड़ा दुष्परिणाम समाज में देखने को मिलता है। इसका सबसे ज्यादा खामियाजा लड़के को झेलना पड़ता है , करीब 10 वर्षो तक जेल में रहने को विवश होना पड़ सकता है। उन्होंने विद्यालय से वंचित बच्चों और खासकर क्षिजीत बच्चों को विद्यालय से जोड़ने के लिए शिक्षकों से आह्वान किया।

इस अवसर पर उड़ान प्रोजेक्ट के प्रखंड समन्वयक कृष्णा कुमार ने बच्चों के अधिकार और उसका संरक्षण तथा बाल कल्याण समिति, बाल गृह, बालिका गृह सहित किशोर न्याय परिषद के कार्यों के विषय में बच्चों को जानकारी। वहीं विद्यालय के शिक्षक सतीश कुमार ने बच्चों को बाल विवाह बाल श्रम से मुक्ति के लिए जो संकल्प दिलाया गए हैं उसको दोहराते हुए कहा कि सभी बच्चों को स्कूल में लाना हम लोगों की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। विद्यालय प्रबंधन की ओर से कल्याणपुर और चकिया प्रखंड में बाल संरक्षण पर काम कर रहे उड़ान प्रोजेक्ट, यूनिसेफ सेव द चिल्ड्रेन के प्रखंड समन्वयक कृष्ण कुमार को प्रखंड शिक्षक डॉक्टर सतीश कुमार द्वारा मेडल देकर सम्मानित किया गया।

जिले के 118 खुदरा व 4 थोक खाद विक्रेताओं का लाइसेंस हुआ निलंबित

» मदरलैण्ड संवाददाता

- अधिक कीमत पर किसानों को उर्वरक मुहैया कराया तो होगी प्राथमिकी :डी ए ओ

मोतीहारी। खरीफ सीजन में विभागीय स्तर पर जीरो टॉलरेंस नीति का अनुपालन करते हुए निर्धारित दर पर किसानों में उर्वरक की आपूर्ति सुनिश्चित कराने हेतु जिला कृषि कार्यालय के कृषि सभागार में पकड़ीदयाल व सिकरहना अनुमंडल के खुदरा व थोक खाद बिक्रेताओं की बैठक हुई। जिला कृषि पदाधिकारी चंद्रदेव प्रसाद ने बैठक से अनुपस्थित 118खुदरा खाद विक्रेताओं व चार थोक विक्रेताओं के विरूद्ध कारवाई करते हुए स्पष्टीकरण की मांग की है साथ ही तत्काल प्रभाव से उनका लाइसेंस निलंबित कर दिया है। बैठक में डी ए ओ श्री प्रसाद ने थोक विक्रेताओं को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि खुदरा विक्रेताओं पर जबरन अन्य उत्पाद लेने का दबाव बनाने से बाज आएं अन्यथा कारवाई के लिए तैयार रहें। उन्होंने खुदरा विक्रेताओं को निर्धारित दर पर ही किसानों को उर्वरक की उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। डी ए ओ ने चेताया कि निर्धारित दर से अधिक कीमत पर खाद बेचने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। उन्होंने बैठक में कहा कि लगातार किसानों की शिकायत मिल रही है कि इफको सेंटर से यूरिया लेने पर जबरन नैनों यूरिया दिया जा रहा है। इसको लेकर डीएओ ने इफको के स्थानीय अधिकारी को निर्देश दिया कि विभागीय स्तर पर किसानों को जबरन नैनों यूरिया नहीं दिया जा सकता है। उन्होंने इफको के क्षेत्रीय अधिकारी से स्पष्टीकरण की मांग की है तथा सभी विक्रेताओं को अपने- अपने प्रतिष्ठान पर स्टॉक व विक्री पंजी हर हाल में रखने का निर्देश दिया है।

लालू प्रसाद यादव की शीघ्र स्वस्थ होने की कामना को लेकर मंदिरों में किया गया पूजा अर्चना

» मदरलैण्ड संवाददाता

अररिया। नरपतगंज पूरे बिहार के साथ-साथ पूरे देश में राजद कार्यकर्ता ने जननायक गरीबों के मसीहा परम श्रद्धेय लालू प्रसाद यादव जी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना को लेकर अलग-अलग मंदिरों मस्जिदों में पूजा पाठ कर रहे हैं। तो वही नरपतगंज प्रखंड क्षेत्र में भी राजद कार्यकर्ता अलग-अलग मंदिरों मस्जिदों में लालू यादव जी कि जल्द स्वस्थ होने की कामना को लेकर पूजा पाठ कर रहे हैं । तो वही गुरुवार को राजद नेता मनीष यादव के साथ-साथ हजारों राजद कार्यकताओं ने जननायक गरीबों के मसीहा परम श्रद्धेय लालू प्रसाद यादव जी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना एवं लालू जी के शुभचिंतकों ने नरपतगंज प्रखंड क्षेत्र के खाबदह कन्हैली पंचायत में स्थित शिव पार्वती मंदिर में प्रार्थना किया। वहीं राजद नेता मनीष यादव ने कहा है कि नरपतगंज ही नहीं बिहार समेत पूरे देश में सभी जाति वर्ग धर्म एवं समुदाय के लोग अपने प्रिय नेता के सेहतमंद होने की प्रार्थना करते हैं वही बता दे कि मनीष यादव ने कहा है कि लालू यादव के स्वस्थ होने के लिए महामृत्युंजय जाप किया जा रहा है।

डीएम द्वारा अररिया प्रखंड के पंचायतो का निरीक्षण किया गया

» मदरलैण्ड संवाददाता

अररिया। डीएम इनायत खान द्वारा लगातार सरकार के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को त्वरित एवं प्रभावी ढंग से लागू करने तथा प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ एवं संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से जिले में विभिन्न योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया जा रहा है। साथ ही जिलाधिकारी के दिशा निर्देश में सभी जिला स्तरीय एवं वरीय पदाधिकारियों द्वारा भी विभिन्न पंचायतों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को जिलाधिकारी द्वारा अररिया प्रखंड अंतर्गत पोखरिया एवं तारोना भोजपुर पंचायत का निरीक्षण किया गया है। सर्वप्रथम पोखरिया पंचायत अंतर्गत उ०म०वि० फारासूत एवं प्रा०वि० मझुआ टोला का निरीक्षण किया गया। जहां बच्चों की उपस्थिति कम पाया तथा दोनों विद्यालय में लकड़ी पर खाना बनाते पाया गया। संबंधित प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को अविलम्ब गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। साथ ही साथ बच्चों को स्कूल आने के लिए प्रेरित करने का निर्देश दिए। विद्यालय में छात्रों से रूबरू होकर पठन-पाठन की गुणवत्ता की जानकारी प्राप्त किए ।निरीक्षण के क्रम में पोखरिया से मझुआ टोला का संपर्क पथ क्षतिग्रस्त पाया गया। जिस पर जिलाधिकारी द्वारा संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं संबंधित पदाधिकारी को संपर्क पथ का मरम्मती शीघ्र कराने का निर्देश दिया गया। मझुआ टोला में पीएचईडी द्वारा पानी टंकी निर्मित पाया गया, लेकिन पानी की आपूर्ति नहीं होने की बात कही गई। संबंधित पदाधिकारी एवं कार्यपालक अभियंता को जलापूर्ति सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। वही तारोना भोजपुर पंचायत के हाट में मछली शेड का अवलोकन किया गया, जिसे जिला पदाधिकारी द्वारा अतिक्रमण मुक्त कराने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेन की चपेट में आने से मौत

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। कटिहार मालदा रेल खंड के लाभा व दिल्ली दिवानगंज हॉल्ट स्टेशन के बीच महानंदा ब्रिज पर ट्रेन की चपेट में आने से आजमनगर थाना क्षेत्र के इमामनगर शिव मंदिर टोला निवासी अर्जुन मंडल के 22 वर्षीय पुत्र अशोक कुमार मंडल ट्रेन से कटने से मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने बताया कि युवक रेलवे लाइन होकर लाभा जा रहे थे। इसी दौरान मालदा की ओर से आ रही कटिहार हावड़ा ट्रेन की चपेट में आ जाने से कटने से मौत हो गई। उक्त घटना को देखा स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों के द्वारा उक्त घटना की जानकारी रेल पुलिस व रोशना ओपी पुलिस को दी गई सूचना पाकर रेल व ओपी पुलिस घटना स्थल पहुचकर मामले की प्रताल करते हुए पंचनामा बनाकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल कटिहार भेज दिया हैं।उक्त घटना से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हैं।*

एससी एसटी एक्ट के अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। कुरसेला थाना पुलिस ने बीती रात्रि गुप्त सूचना के आधार पर एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थानाध्यक्ष रंजय कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कृष्ण कुमार मंडल उर्फ कृष्णा उम्र 19 वर्ष साकिन कटरिया थाना कुरसेला जिला कटिहार को चुनावी रंजिश में कटरिया में हुए मारपीट के मामले में कुरसेला थाना में दर्ज कांड संख्या 119/22 में नामजद अभियुक्त था। जिसे बीती रात्रि गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

30 उप - जनजाति किसानों के बीच पपीते का पौधा किया गया वितरण

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। कृषि विज्ञान केन्द्र कटिहार द्वारा अग्रीम पंक्ति प्रत्यक्षण के अन्तर्गत 30 उप–जनजातीय किसानों के बीच पपीते का पौधा (प्रभेद– रेड लेडी) का वितरण किया गया ! पपीता पोषण से भरपूर कई बिमारियों से दुर रखने में कारगर है ! चूंकि उप–जनजातीय लोगों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण वो अपने पोषण को पूरा नहीं कर पाते हैं, जिससे वे बहुत सारे बिमारियों का शिकार हो जाते हैं, उनके पोषण संबंधीत समस्याओं को कम करने के लिए पपीते के पौधे का वितरण किया गया ! वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान, कृषि विज्ञान केन्द्र कटिहार, डॉ रीता सिंह ने बताया कि पाचन या भूख न लगने की समस्या से जुझ रहे लोगों के लिए पपीता बहुत फायदेमंद होता है ! पपीता एक ऐसा फल है, जो पोषण से भरपूर तो है ही, इसमें बहुत से औषधीय गुण भी पाए जाते हैं ! पपीते में विटामिन–ए, सी, नियासिन, मैगनीशियम, कैरोटीन और एंटी आक्सीडेंट भी पाए जाते हैं !इस दौरान बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

33 हजार बिजली का तार टुटा,14 घंटे से बिजली गुल

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। सेमापुर से मनसाही होते हुए डालावीर पावर हाउस में जाने वाले 33 हजार बिजली का तार टूटने से मनसाही में 14 घंटे बिजली सेवा बाधित रहा। इस बाबत ग्रामीणों ने बताया कि बुधवार की रात्रि 9 बजे बिजली लाइन कटा और गुरुवार को दिन के 11:30 में बिजली सेवा बहाल की गई जिससे अभी पढ़ रही भीषण गर्मी से आम लोग परेशान रहें।आम लोग को रात्रि में सोने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा, ग्रामीणों ने कहा कि बिजली कटने के तुरंत बाद ही बिजली विभाग वैकल्पिक व्यवस्था करें जिससे लोगों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े, 14 घंटा लोग भीषण गर्मी से परेशान दिखे। साथ ही अभी के दौड़ में प्रायः सभी लोगों का पास मोबाईल हैं, जो स्विच ऑफ हो गया जिससे लोग अपने परिजन आसपास के लोग से बात नहीं कर पाए।

बकर ईद को ले कर शांति समिति की हुई बैठक

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। आगामी 10 जुलाई को बकर ईद पर्व को ले कर सालमारी ओपी प्रांगन में बुधवार को ओपी अध्यक्ष नवनीत कुमार नमन ने पंचायत प्रतिनिधियों,समाजसेवी,गणमान्य लोगों के साथ बैठक कर बकर ईद सौहार्दपूर्ण माहोल में मनाने की अपील करते हुए कहा आपसी भाईचारा के तहत सभी लोग मिल जुल कर पर्व मनायें।किसी को हुरदंग करने की छुट नहीं होगी।इस अवसर पर अशफाक आलम,गोपाल अग्रवाल, प्रदीप घोष, अफजल हुसैन, नकीब आलम, राकेश कुमार मंडल आदि उपस्थित थे।

गोद भराई दिवस का आयोजन

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। मनसाही प्रखंड के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों पर गोद भराई दिवस का आयोजन बाल विकास परियोजना मनसाही के निर्देश पर किया गया। इस मौके पर आंगनवाड़ी केंद्र संख्या 81 में आंगनबाड़ी सेविका गौरी कुमारी ने गोद भराई दिवस पर गोद भराई किया। मौके पर आंगनबाड़ी सेविका गौरी कुमारी ने बताया कि आईसीडीएस के निर्देश पर गोद भराई दिवस का आयोजन प्रत्येक माह की 7 तारीख को किया जाता हैं,इसी कड़ी में इस माह के 7 तारीख को गोद भराई दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की गई, लाल चुनरी महिलाओं को ओढ़ाया गया, साथ ही गोद में फल फूल मिठाई वस्त्र दिया। इस मौके पर आंगनवाड़ी सेविका सहित अन्य लोग मौजूद थे।

जेएनएम-पारा मेडिकल कॉलेज भव्य बिल्डिंग में आई दरार

बिहार के स्वास्थ्य मंत्री उपमुख्यमंत्री ने किया था उद्घाटन

» **मदरलैण्ड संवाददाता**

कटिहार। पूरे बिहार में इन दिनों सरकारी निर्माण की गुणवत्ता सवालों के घेरे में है हाल के दिनों में कई जिलों में निर्माण से पहले ही या निर्माण के तुरंत बाद पुलिया-पुलिया धसने या सड़क टूटने की खबर सुर्खियों में रहा है लेकिन लगता है इन मामलों को लेकर सरकार गंभीर नहीं हैं, कटिहार से इसी से मिलता-जुलता एक ऐसा तस्वीर सामने आया है जो कटिहार से भविष्य के लिए एक बड़ा खतरे के कारण बन सकता है, लगभग एक साल पहले कटिहार भेड़िया रेखा स्थित बड़े भू-भाग में लगभग 20 करोड़ से अधिक खर्च कर जेएनएम एवं पारा मेडिकल कॉलेज का भव्य बिल्डिंग बनाया गया है, हाल के दिनों में इस भवन में ही बिहार के स्वास्थ्य मंत्री द्वार है आरटीपीसीआर लैब का भी उद्घाटन किया गया है मगर एक साल पूरा होने से पहले ही शहर के काफी निचले इलाके में मिट्टी भराई कर बनाए गए इस भवन के चारों तरफ दीवार के निचले हिस्सा दरकने लगा है, आनन-फानन में इसके ऊपर से पुट्टी एवं रंग तो कर दिया गया है लेकिन इसकी मजबूती भगवान भरोसे है, बड़ी बात यह है कि इस बिल्डिंग के भीतर के कई हिस्से में भी बालू और सीमेंट के मिश्रण सही नहीं होने से दीवार हैं झरने लगा है,बीएमआईसीएल द्वारा बनाए गए इस सरकारी बिल्डिंग के बारे में सवालों पर भागते हुए फिलहाल अधिकारी टालमटोल रवैया अपना रहे हैं, इस बिल्डिंग के इंचार्ज से इस पर पूछे गए सवाल पर वह कैमरे से बचते हुए, इस बारे में आला अधिकारी को जानकारी दिए जाने की बात कह रहे हैं मगर सवाल उठता है आखिर वैसे तो बिहार में सरकारी निर्माण में कई अड़चनें आते रहता है और जब बिल्डिंग बन भी जाता है तो उसके गुणवत्ता सवालों के घेरे में होने के कारण बिल्डिंग में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है,ऐसे में कोई भी दुर्घटना के हालात में इसकी जिम्मेदार कौन होगा सरकार को भी इस बारे में गंभीर होना चाहिए।

थाना प्रांगण में बकरीद पर्व के मद्देनजर शांति समिति की हुई बैठक

» **मदरलैण्ड संवाददाता**

कटिहार। कोढ़ा प्रखंड के रौतारा थाना प्रांगण में बकरीद पर्व पर विधि व्यवस्था को दुरुस्त रखने और भाईचारगी के बीच शांति तरीके से पर्व मनाने को लेकर शांति समिति की बैठक आहुत की गई. मौके पर क्षेत्र के स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं बुद्धिजीवियों के साथ पुलिस थाना में त्यौहार शांतिपूर्ण मनाने को लेकर कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई.वहीं बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष नितेश कुमार ने की. बैठक दौरान थानाध्यक्ष नितेश कुमार ने सभी जनप्रतिनिधियों व गणमान्य लोगों से अपील किया कि त्यौहार के दौरान किसी की भावना आहत न हो और पर्व में सद्भावना व भाईचारा कायम रहे, इसका विशेष ख्याल रखें. साथ ही किसी भी तरह के अफवाह से भी बचने की हिदायत दी. पर्व के मद्देनजर प्रशासन व पुलिस विधि व्यवस्था के संधारण को लेकर क्षेत्रों में तैनात रहेंगे. असामाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी. पुरे क्षेत्रों में पुलिस गस्ती भी जारी रहेगी. किसी भी प्रकार कि कोई अफवाह हो तो इसकी सूचना प्रशासन को तुरंत दें, क्षेत्रों में शांति व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें. इस अवसर पर पंचायत समिति सदस्य गौरीशंकर मंडल, सरपंच प्रतिनिधि में मोहम्मद आजाद अली, मो हसन, पूर्व मुखिया प्रभात पोद्दार, पूर्व समिति प्रतिनिधि उदय सिंह, सुबोध झा, मुकेश कुमार, रामो देवी, समाजसेवी वासुदेव कुमार, मो फरीद, बैजनाथ पासवान सहित एएसआई अरुण कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

अस्पताल में सर्पदंश मरीज को एक्सपाइरी दवाई

» **मदरलैण्ड संवाददाता**

कटिहार। बरारी प्रखंड का विश्वसनीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बरारी में सर्पदंश का मरीज ब्रजेश कुमार पिता नरेश मंडल उम्र 1ड वर्ष करीब देर संध्या आठ बजे बड़ी भैसदीरा से अस्पताल में लाया तो डॉक्टर एस. कुमार ने ब्च्चे का चेकअप कर अन्य स्वास्थ्य कर्मी को स्लाईन डीएनएस नश में चढ़ाने को बोलकर अपने कमरा में चले गये, मरीज को देखने आये हीरालाल मंडल ने देखा कि कोई स्टाफ नही है ,स्लाईन देखा तो एक्सपाईरी डेट मार्च 2ड22 लिखा देखा तो शिकायत करने के लिए मरीज के परिजन भटकते रहे ,इस बीच कई स्वास्थ्य कर्मी आये वो कुछ भी बोलने से कतराने लगे,जब हंगामा हुआ कि दवाई नही जहर दी जा रही है तो डॉक्टर एस. कुमार अस्पताल पहुंचे और मरीज के परिजन पर बरस गये,एक्सपाईरी मार्च 2ड22 की दवा नश में दी जा रही है तो उसे समझने के बजाय लोगों से भिड़ गये, इस बीच पूर्व पंचायत समिति सदस्य संजय यादव पहुंचे उन्होंने ने भी अस्पताल में मरीजो की जीवन रक्षक दवा की जगह एक्सपाईरी दवा देने से आक्रोश जताया, काफी लोग जुटने लगे तो डाक्टर ने आनन फानन में एक्सपाइरी डीएनएस की स्लाईन हटाकर कर करेन्ट डीएनएस स्लाईन लगवाया,इतनी बड़ी लापरवाही से लोग हैरान हैं कि बरारी के सरकारी अस्पताल में आखिर हो क्या रहा है,बहुत खराब स्थिति में आ गया है यह अस्पताल,स्वास्थ्य प्रबंधक तो अस्पताल में रहते हीं नही हैं,मरीजों को बरामदे पर उपचार किया जाता है,कई कमरों पर आउट सोर्शिग का कब्जा है,मरीजों को देखने का काम अन्य कर्मी करते है, लोगों ने डीएम से कार्रवाई की मांग की है।

व्यवसाई के हत्यारों को मिले कड़ी से कड़ी सजा - तारिक अनवर

» **मदरलैण्ड संवाददाता**

कटिहार। कटिहार दौरे पर आए कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व केंद्रीय मंत्री तारिक अनवर ने आजमनगर प्रखंड के बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बाढ़ को लेकर की गई तैयारियों पर असंतुष्टि जाहिर करते हुए कहा जिले के कई प्रखंड बाढ़ के लिए रेड जोन माना जाता हैं,लेकिन आश्चर्य की बात है कि हर वर्ष बाढ़ को लेकर तैयारी पूरी होने का दावा किया जाता है,हर वर्ष मगर बाढ़ आते ही सभी तैयारी फेल हो जाती हैं। राष्ट्रीय महासचिव ने जिला प्रशासन से तमाम बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में व्यवस्था को दुरुस्त करने का मांग किया। इस दौरान उन्होंने आजमनगर के व्यवसाई मेघनाथ यादव जिनका बीते कई दिनों पूर्व गोली मारकर हत्या कर दिया था उनके परिजनों से मिलते हुए अपनी संवेदनाएं व्यक्त किया और कहा की बिहार के कटिहार में आए दिन हत्या, लूट जैसी घटना घटतीं रहती है। जिसको लेकर अब तक सरकार गंभीर नहीं हैं। उन्होंने मांग किया कि उनके हत्यारे को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए साथ ही उन्होंने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद देने का आश्वासन भी दिया। वहीं राष्ट्रीय महासचिव तारिक अनवर ने भूस्खलन हादसे के शिकार शहीद शुभम के घर बारसोई पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मिलते हुए श्रद्धांजलि अर्पित कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त किया। इस दौरान कांग्रेस के पूर्व एमएलसी प्रत्याशी सुनील कुमार यादव, दिलीप विश्वास, संजय सिंह, अवधेश मंडल, अफताब आलम, राजेश मंडल, आले रसूल, सऊद आलम, मोहम्मद असलम, मोतीलाल सहित कांग्रेस के कई नेता एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किसानों को मिली जानकारी

» **मदरलैण्ड संवाददाता**

कटिहार। किसान चौपाल योजना अंतर्गत बारसोई प्रखंड के एकशल्ला पंचायत के एकशल्ला गांव एवं बेलवा पंचायत के कोताहर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम का नेतृत्व एक्शल्ला पंचायत के मुखिया श्री राधा कांत घोष एवं बेलवा मुखिया प्रतिनिधि अब्दुल बदुद किया। मौके पर कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सूक्ष्म सिंचाई एवं पराली प्रबंधन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, से लाभान्वित किसानों को केवाईसी की जानकारी की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस मौके पर कलाकार के द्वारा गीत संगीत एवं नाटक कर किसानों को योजना की जानकारी दी। कृषि समन्वयक सकलदीप पासवान ने इस योजना की विस्तृत जानकारी दी, उन्होंने बताया कि इस योजना पर उद्यान निदेशालय के द्वारा 90% अनुदान हैं, साथ ही साथ सभी छोटे सभी मध्यम स्तर के किसान अगर समूह के माध्यम से इस योजना का लाभ लेते हैं, तो उन्हें कम से कम 5 किसान एवं 6.25 एकड़ जमीन की आवश्यकता होगी जिसके तहत किसानों को समूह के लिए 210 फुट की बोरिंग समरसेबल पंप के साथ 5 एचपी का मोटर एवं पंप हाउस मुफ्त मिलेगा,कार्यक्रम में कृषि समन्वयक(नोडल) संजीव कुमार सिंह ,मोहम्मद अफजल, किसान सलाहकार प्रदीप कुमार, शौकत अली खान एवं सैकड़ों किसानों ने भाग लिया। इस अवसर पर आर्यभट्ट फाउंडेशन बांका के कलाकार बजरंग कुमार शाह, प्रभास कुमार ,उपेंद्र पासवान ,ब्रह्मदेव कुमार, प्रीति कुमारी, धीरज कुमार ,सोनी कुमारी,आजाद यादव आदि मौजूद थे।

मत्स्यजीवी सहयोग समिति का चुनाव अगले आदेश तक के लिए स्थगित

» **मदरलैण्ड संवाददाता**

कटिहार। बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार की अधिसूचना संख्या968 दिनांक15जून2022 के अनुलग्नक(1) में अंकित प्रखंड स्तरीय मत्स्यजीवी सहयोग समितियों के निर्वाचन कार्यक्रम अपरिहार्य कारणों से बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार द्वारा स्थगित किये जाने का मामला प्रकाश में आया है।बता दें मत्स्यजीवी सहयोग समिति का चुनाव10जिलों के अलग-अलग10प्रखंडों में होना तय था।इसको लेकर नामांकन का सिलसिला सहित चुनावी कार्य चल रही है।इस बीच निर्गत पत्र से संभावित प्रत्याशियों की धड़कने बढ़ गयी है।10जिलों की श्रेणी में एक कटिहार जिला भी शामिल है। कटिहार जिले का आजमनगर सहयोग समिति के निर्गत पत्र में है।कि उक्त अधिसूचना की शेष बातें यथावत रहेंगी। उक्त पत्र सरकार के सचिव पुरुषोत्तम पासवान द्वारा निर्गत किया गया है।वर्ष2022के6जुलाई को निर्गत पत्र से प्रदेश मुख्यालय सहित इन10जिलों के डीएम को पत्र भेज दिया गया है।हलांकि इस बाबत कटिहार जिले के आजमनगर बीडीओ सुनील कुमार मिश्रा से जब पूछा गया एक पत्र मत्स्यजीवी चुनाव से संबंधित सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहा है।जिसमें यह कहा जा रहा है।कि चुनाव अगले आदेश तक के लिए स्थगित की जाती है।तो उनका बताना हुआ ऐसी चिट्ठी हमारे भी व्हाट्सएप पर आई है।लेकिन कटिहार जिलाधिकारी द्वारा इस बाबत पत्र निर्गत होने के बाद हीं अगला कदम उठाया जाएगा।ऐसे में अभ्यर्थियों की धड़कने बढ़नी लाजमी है।इस बाबत बीडीओ आजमनगर सुनील कुमार मिश्रा ने कहा अगले आदेश तक के लिए उपरोक्त चुनाव प्रक्रिया पर रोक लगा दी गयी।

मतस्यजीवी सहयोग समिति मंत्री पद के लिए नीरज कुमार सिंह व सुशील कुमार चौधरी ने अपना नामांकन किया

» **मदरलैण्ड संवाददाता**

कटिहार। बरारी प्रखंड अन्तर्गत मतस्यजीवी सहयोग समिति प्रबंधकारिणी में कुल 22 ने अपना नामांकन किया,प्रखंड निवार्ची पदाधिकारी सह बीडीओ पूरण साह ने बताया कि अध्यक्ष पद से दो,मंत्री पद से दो एवं सदस्य पद से 18 ,पहले दिन कुल 22 प्रत्याशी ने अपना पर्चा दाखिल किया,पूर्व मतस्य मंत्री सुशील कुमार चौधरी ने समर्थकों के साथ मंत्री पद से नामांकन किया,मंत्री पद से नीरज कुमार सिंह गुंजरा जो जिला परिषद सदस्या प्रियंका देवी पति बहादुर सिंह के पुत्र हैं मंत्र पद से अपना नामांकन किया,समर्थन में निर्मल सिंह,अनिल सहनी,बिनोद सहनी,शंकर महलदार,दुक्खा महलदार,पवन सिंह रहे,खुशहालपुर बारीनगर के सुशील कुमार चौधरी ने मंत्री पद से अपना पर्चा भरा,समर्थन में शेखर सिंह,अनिरूद्ध सिंह,छत्रीय चौधरी,दीपनारायण,राजू,सुरेश सिंह मौजूद रहे,अध्यक्ष पद से सुराजी लाल चौधरी,घनश्याम सिंह ने पर्चा भरा, ग्यारह सदस्य पद हेतु सात महिला एवं 11 पुरुष प्रत्याशी सहित 22 प्रत्याशी ने प्रथम दिन मंगलवार को पर्चा दाखिल किया,प्रखंड निवार्ची पदाधिकारी सह बीडीओ पूरण साह ने बताया कि अध्यक्ष पद - एक, मंत्री पद - एक एवं सदस्य पद - 11 है मतदाता - 6,234 है, नामांकन कार्य में

बीसीओ कन्हैया चौधरी,सहायक निवार्ची पदाधिकारी सह प्रखंड अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी विकास कुमार,सुनील राम,अशरफ मुख्तार सहित कर्मी एवं अधिकारी लगे रहे,सारा दिन कड़ी धूप में भी भारी संख्या में लोगों की भीड़ प्रखंड में जमी रही।

कुम्हड़ी पंचायत में किया गया ग्राम सभा सह जन सुनवाई कार्यक्रम का आयोजन

» **मदरलैण्ड संवाददाता**

कटिहार। कदवा प्रखंड अंतर्गत कुम्हड़ी पंचायत भवन के प्रांगण में डी आर डी ए कटिहार के छह दिवसीय सामाजिक अंकेक्षण कार्यक्रम के तहत सामाजिक अंकेक्षण दलों द्वारा सामाजिक अंकेक्षण किया गया। इस दौरान पंचायत भवन में ग्रामसभा सह जन सुनवाई कार्यक्रम भी आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय मुखिया सुलेखा देवी ने की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सामाजिक अंकेक्षण दल के टीम लीडर मोहम्मद अकबर, एस ए आर पी मोहम्मद रमजान ,एस ए आर पी मोहम्मद अख्तर , दल के सदस्य मिलन देवी ,सुमति कुमारी, प्रेमलता कुमारी, टिंकल देवी, के साथ-साथ स्थानीय मुखिया लगभग सभी वार्ड सदस्य व सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।ग्रामसभा सह जन सुनवाई कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों द्वारा जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों द्वाराखाद्य सामग्री वितरण में धांधली बरतने तथा प्रति यूनिट में आधा किलो अनाज कम देने, तय मूल्य से अधिक मूल्य वसूली की बात प्रमुखता से उठाई गई।वहीं मनरेगा मजदूरों द्वारा बताया गया कि मनरेगा विभाग द्वारा उन लोगों का नवीनीकरण जॉब कार्ड उपलब्ध अब तक उपलब्ध नहीं कराया गया है। जन सुनवाई के दौरान हाय समस्याओं पर ध्यान आकृष्ट करते हुए स्थानीय मुखिया ने बताया की सभी त्रुटियों को लिख लिया गया है शीघ्र ही सभी डीलर को चेतावनी देते हुए तय मूल्य पर सही सामान देने को लेकर कार्य कराया जाएगा मौके पर मौजूद पंचायत रोजगार सेवक द्वारा बताया गया मजदूरों को शीघ्र ही नवीनीकरण कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा।

स्कूल भवन पे दबंगो का कब्जा

» **मदरलैण्ड संवाददाता**

कटिहार। ठाकुर,राधा, सुरेश मंडल प्राथमिक विद्यालय चकमन के प्रांगण में जबरन भवन निर्माण सामग्री गिराए जाने को लेकर विद्यालय के प्रधानाध्यापक सरोज कुमारी ने मनसाही थाना में थानाध्यक्ष को लिखित आवेदन देते हुए मरंगी निवासी आरोपी दिलीप साह के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की हैं दिए गए आवेदन में प्रधानाध्यापक सरोज कुमारी ने बताया कि लॉकडाउन के समय विद्यालय प्रशासन को बिना उन्हें सूचना दिए मरंगी के दिलीप साह के द्वारा भवन निर्माण की सामग्री विद्यालय प्रांगण के गेट के सामने गिरा दिया गया जिसको लेकर कई बार दिलीप साह को भवन निर्माण की सामग्री हटाने के लिए कहा गया मगर उनके द्वारा भवन निर्माण की सामग्री नहीं हटाए जाने और विद्यालय के छात्र- छात्राओं को गतिविधि आधारित शिक्षण कार्य के साथ-साथ विद्यालय आने में आ रही दिक्कतों को देखते हुए मनसाही पुलिस को लिखित आवेदन देते हुए आरोपी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की मांग की हैं। पत्र की प्रतिलिपि प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को भी दी गई हैं। उधर पुलिस ने दिए गए आवेदन के आलोक में आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही हैं।

जिले में हो रहा विभिन्न मछलियों के स्पॉन, सीडलिंग, अंडा, जीरा का प्रोडक्शन

जिलाधिकारी ने किया मिश्रा मत्स्य विकास हैचरी, पिपरा का निरीक्षण

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। फिश प्रोडक्शन के क्षेत्र में जिले को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा कार्ययोजना बनाकर तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है। जिले के विभिन्न जगहों पर किसानों को प्रोत्साहित, आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए फिश हैचरी का निर्माण कराया जा रहा है। जिले में विभिन्न मछलियों के स्पॉन, सीडलिंग, अंडा, जीरा का प्रोडक्शन भी हो रहा है। इसके साथ ही कल्चर्ड बड़ी मछलियों का भी प्रोडक्शन किया जा रहा है। सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा जिले को मछली उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृत संकल्पित है। इसी क्रम में जिलाधिकारी कुंदन कुमार द्वारा आज मिश्रा मत्स्य विकास हैचरी, पिपरा का निरीक्षण किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि अधिकारियों एवं मत्स्य पालकों से कहा कि प्रयास ऐसा करें कि पश्चिम चम्पारण जिले में मांग के अनुरूप फिश प्रोडक्शन होकर आपूर्ति किया जा सके।

निरीक्षण के क्रम में मिश्रा मत्स्य विकास हैचरी के प्रबंधक द्वारा बताया गया कि बायोफ्लाक तकनीक अधिष्ठापन के लिए उसे सरकार से लागत मूल्य मो0 आठ लाख पचास हजार रूपए का 50 प्रतिशत सब्सीडी के रूप में प्राप्त हुआ है। सरकार द्वारा आर्थिक सहायत दिए जाने की बदौलत आज सीडलिंग, जीरा एवं बड़े मछलियों का उत्पादन किया जा रहा है। इससे अत्यधिक मुनाफा भी मिल रहा है। साथ ही जिले में मछली के खपत के अनुरूप पूर्ति का प्रयास किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त बिहार राज्य के अन्य जिलों जैसे कैमूर, गया, मोतिहारी इत्यादि जगहों पर भी अधिक मात्रा में सप्लाई की जा रही है। उन्होंने बताया गया कि वर्तमान में रेहू, नैनी एवं कतला मछली के स्पॉन भी यहीं तैयार हो रहे हैं तथा बड़े मछली भी यहीं कल्चर करके निर्यात किए जा रहे हैं।

जिलाधिकारी द्वारा सिडलींग से लेकर फिश प्रोडक्शन तक की बारीक जानकारी प्राप्त की गई एवं प्रबंधक का उत्साहवर्धन करते हुए इसे व्यापक पैमाने पर करने को कहा गया। जिलाधिकारी ने प्रबंधक से नवीन तकनीक आधारित फिश प्रोडक्शन करने का भी सुझाव दिया। साथ ही उर्जा की खपत करने एवं लागत कम करने हेतु सौर उर्जा आधारित पम्पींग सेट का उपयोग करने का सुझाव दिया गया।

जिला मत्स्य पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि वे इस प्रकार के अन्य फिश हैचरी का निर्माण कराने के निमित्त किसानों को जागरूक एवं प्रेरित करें तथा इच्छुक किसानों की लिस्टिंग करते हुए उन्हें सरकार के द्वारा दिए जाने वाली सुविधाओं को मुहैया कराते हुए अधिक से अधिक फिश प्रोडक्शन कराएं। साथ ही किसानों को अच्छे तरीके से प्रशिक्षित कराना सुनिश्चित करें। इस हेतु जिले में विकसित फिश हैचरी का अध्ययन कराएं।

जिलाधिकारी ने निदेश दिया कि ऑनार्मेंटल फिश का उत्पादन इसी जिले में हो, इसके लिए टारगेटेड बेस्ड कार्ययोजना तैयार करते हुए क्रियान्वयन कराएं। उन्होंने कहा कि फिश प्रोडक्शन के लिए चंवर काफी अनुकूल होता है, इसके विकास के लिए जिले के विभिन्न जगहों पर कलस्टर तैयार कराएं तथा उन्हें प्रशिक्षण दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि फिड प्रोडक्शन भी इसी जिले में प्रारम्भ हो सके, इसके लिए भी किसानों को प्रेरित करें एवं आवश्यक कार्रवाई करें।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, अनिल कुमार, एएसडीएम श्री अनिल कुमार, जिला मत्स्य पदाधिकारी, गणेश राम, सहायक निदेशक, उद्यान, विवेक भारती सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

दो घंटे इंतजार के बाद मायूस हो कर घर लौटे वार्ड सदस्य, नहीं पहुँचे मुखिया व जिले से आने वाले अधिकारी

मदरलैण्ड संवाददाता, बेतिया। गौनाहा प्रखंड के मटियरिया पंचायत भवन में दोपहर 1 बजे से ग्राम सभा होना सुनिश्चित किया गया थो परंतु मुखिया सहित जिले से आने वाले अधिकारी आये ही नहीं मटियरिया पंचायत के सरपंच नागेश्वर पंजियार, उप मुखिया सुनील चौधरी सहित सभी वार्ड सदस्य उपस्थित होकर लगभग 2 घंटा से इंतजार करते रहे हैं पर मुखिया दीवाकर पटवारी एवं जिला से जो अधिकारी आने वाले थे, नहीं पहुंच पाए जिस वजह से ग्राम सभा रद्द दी गई और सभी वार्ड सदस्य आक्रोश व्यक्त करते हुए अपने अपने घर वापस लौट गएउप मुखिया ने कहा कि ऐसी मजाक मुखिया जी को वार्ड सदस्यों के साथ नहीं करनी चाहिए

पत्नी से विवाद बाद युवक ने ट्रेन से कटकर दी जान

मदरलैण्ड संवाददाता, बेतिया। सेवरही रेलवे स्टेशन के पास एक युवक ने गुरुवार सुबह करीब 6 बजे ट्रेन से कटकर जान दे दी। उसकी पहचान तमकुहवा, घनहा पश्चिमी चंपारण निवासी गोविंद गिरी (40) के रूप में हुई है।वह बुधवार को यहां अपनी ससुराल पकडीहार पश्चिम पट्टी, सेवरही आया था। पत्नी पहले से मायके में है। बताते है कि पत्नी से किसी बात को लेकर उसका बुधवार की शाम को विवाद हुआ। इसके बाद वह घर से निकल गया। ससुराल वालों को लगा घर चला गया होगा। सुबह पुलिस ने उसकी आत्महत्या की जानकारी दी। सेवरही चौकी इंचार्ज राजेश मिश्रा ने बताया कि शव को पीएम के लिए भेज दिया है।

हथियार का भय दिखाकर रुपयें व मोबाइल की लूट

मदरलैण्ड संवाददाता, बेतिया। गौनाहा नरकटियागंज मुख्य पथ में बेलवा व सेरवा गांव के बीच सड़क पर अपराधियों ने बुधवार को हथियार का भय दिखाकर बाइक सवार से 3 हजार 5 सौ नगद रुपयें सहित एक एंड्राइड मोबाइल लूट ली। विदित हो कि मछली व्यवसायी बाइक सवार रमेश सहनी अपने पिता शोभा सहनी के साथ बाइक से मछली खरीदने नरकटियागंज जा रहें थें। इसी बीच पहले से घात लगाकर बैठे अपराधियों ने हथियार का भय दिखाकर रुपयें व मोबाइल लूट ली। इधर थानाध्यक्ष राजीव नंदन सिन्हा का कहना हैं की घटना की जानकारी मिली है अपराधियों के धर पकड़ के लिए छानबीन की जा रही है।

गांव को कटाव से बचाने हेतु प्रमुख ने भेजा डीडीसी को पत्र

मदरलैण्ड संवाददाता, बेतिया। गौनाहा प्रखंड प्रमुख जयप्रकाश पासवान ने गौनाहा प्रखंड के विभिन्न गांवों का पहाड़ी नदियों से हो रहे कटाव को लेकर डीडीसी को पत्र भेजा है। डीडीसी को भेजे पत्र में उनका कहना है कि सिट्ठी पंचायत का बखरी गांव व सिट्ठी गांव सहित मध्य विद्यालय सिट्ठी पर कटहाँ नदी से कटाव का खतरा बढ़ने लगा है। पिछले वर्ष भी बखरी गांव के एक दर्जन घर कटाव से प्रभावित हुआ था। उनका कहना है कि समय से पहले कटावरोधी कार्य नही कराए गए तो इस वर्ष भी बखरी गांव के कई घर सहित सिट्ठी गांव के दर्जनों घर तथा मध्य विद्यालय सिट्ठी कटाव का शिकार हो सकता है। ऐसे ही पन्डई नदी के कटाव से मुरली-भरहवाँ गांव तथा चंपारण सत्याग्रह आंदोलन के सूत्रधार पंडित राजकुमार शुक्ल व सन्त राउत की प्रतिमा कटाव का शिकार हो सकता है। वैसे तो प्रशासन द्वारा जीरो टिरेज बैग में बालू भरकर गांव तथा प्रतिमा को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। उनका कहना है कि महुयी पंचायत का धुमनी-परसा गांव चारो तरफ से द्वादह नदी से घिर गया है। द्वादह नदी से ही मेहनौल पंचायत का हरदी-शाहजहां पुर, हौदा-डुमरा, पिपरा गांव पर भी कटाव का खतरा मंडराने लगा है। उन्होंने डीडीसी से थरुहट क्षेत्र के उन सभी गांवों को कटाव से बचाने का अनुरोध किया है, जो नदी के किनारे है। बरसात के पहले अगर कटावरोधी कार्य नही कराए गए तो इस वर्ष भी कई गांवों के कई घर कटाव का शिकार हो सकता है।

थाना परिसर में बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न

मदरलैण्ड संवाददाता, बेतिया। गौनाहा-तीन दिनों तक चलने वाले बकरीद पर्व को शांति पूर्ण मनाने हेतु बुधवार को देर शाम गौनाहा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता करते हुए थानाध्यक्ष राजीव नंदन सिन्हा ने कहा कि बकरीद का पर्व शांति एवम सदभाव का पर्व है। प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी बकरीद का पर्व शांतिपूर्वक मनाते हुए प्रेम व भाईचारे का सन्देश दे। तीन दिनों तक चलने वाले इस पर्व में अगर कोई व्यक्ति शांति भंग तथा हुड़दंग करता है तो उसपर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि गलत पोस्ट करने या अफवाह फैलाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नही जाएगा। शांति समिति की बैठक में भाग लेने वालों में विक्रमा चौधरी, सूरज सहनी, आफताब आलम, रमेश प्रसाद आर्य, मुखिया छोटन साह, सरपंच फिरोज खां, पूर्व सरपंच बैतुल्लाह मियां आदि शामिल थे।

ग्राम सभा सीडीपीओ व कृष्णमुरारी तिवारी ने किया वृहद वृक्षारोपण

» मदरलैण्ड संवाददाता

● वृक्षारोपण करना जनजीवन के लिए सबसे जरूरी--कृष्ण मुरारी तिवारी

बेतिया। कुशीनगर वृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत वाल विकास परियोजना सेवरही व कृषि विभाग के परिसर में कृष्ण मुरारी तिवारी व सीडीपीओ सेवरही सीमा सिंह के द्वारा वृक्ष रोपण किया गया आंगनबाड़ी कार्यकत्री संगठन के संरक्षक श्री रविन्द्र कुमार मिश्र कुशीनगर के द्वारा ग्राम पंचायत पिरोजहा में वृहद संख्या में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कृषि विभाग के एडीओ एजी कृष्ण मुरारी तिवारी व वाल विकास परियोजना अधिकारी सेवरही ने कहा कि अगर पेड़ नही लगाओगे तो आक्सीजन कहा से पाओगे, वाल विकास परियोजना अधिकारी सेवरही ने कहा कि पर्यावरण के लिए वृक्षारोपण बहुत आवश्यक है वृक्षारोपण के दौरान उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकत्री व ग्रामीणों को संबोधित करते हुए आंगनबाड़ी कार्यकत्री संगठन के संरक्षक श्री रविन्द्र कुमार मिश्र जी ने कहा कि वृक्ष से ही हमारे

जीवन की रक्षा है सरकार द्वारा चलाए जा रहे वृक्षारोपण अभियान की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि पर्यावरण की बेहतरी के लिए वृक्षारोपण की नितांत आवश्यकता है।

इस अवसर पर वाल विकास परियोजना अधिकारी सेवरही सीमा सिंह ,उमारमन पांडेय,हिरालाल, रविन्द्र पटेल, बड़े बाबू धर्मेन्द्र केशरी, सुरेन्द्र यादव, रामभरोसे, अमित राय आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

कौशल विकास केंद्र मे स्वच्छता को लेकर कार्यक्रम का आयोजन

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। गौनाहा प्रखण्ड अन्तर्गरत बुधवार दिनांक 6 जुलाई 2022 को प्रखण्ड अंतर्गत कौशल विकास केंद्र पर स्वच्छता को लेकर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि चिकित्सा पदाधिकारी डॉ शशि कुमार, स्वच्छता पर्यवेक्षक बुद्धेश्वर प्रसाद, लेखापाल अरविंद कुमार,के समक्ष स्वच्छता कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम के शुरूआत मे बुद्धेश्वर प्रसाद द्वारा साफ सफाई, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन पर विशेष चर्चा करते हुए उन्होंने मुख्य रूप से अपने हाथों का साफ-सफाई घर का साफ-सफाई पर विशेष प्रकार से चर्चा किया। और छात्र छात्राओं से अनुरोध करते हुए कहा कि स्वच्छता के महत्व को आप सब समझ कर अपने आसपास तथा अपने पंचायत के लोगों को भी समझाइए। चिकित्सा पदाधिकारी डॉ शशि कुमार द्वारा मानसून में होने वाले तरह-तरह की बीमारियों एवं उससे बचाव के बारे में भी विस्तृत जानकारियां दी गई।जिसमें साधारण बुखार, चमकी बुखार, पेट दर्द, सर दर्द, सर्दी खांसी इत्यादि रोगो के बारे में विस्तार पूर्वक बताते हुए उन्होंने गौनाहा रेफरल अस्पताल की सारी सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी।

साथ ही छात्राओं को यह भी बताया कि आज के इस दौर में अस्पताल के समस्त एएनएम को भी वीडियो कॉलिंग के माध्यम से भी लोगों का इलाज और देखभाल कराने का जिम्मेदारी दे दिया गई है।वही स्वच्छता पर्यवेक्षक श्री प्रसाद द्वारा साफ सफाई के साथ-साथ शौचालय पर भी विशेष ध्यान दिलाते हुए कहा गया कि शौचालय आज हम सबके लिए बहुत जरूरी है।अतः जिनके घर अभी तक शौचालय नहीं बन पाया है वह जल्द से जल्द शौचालय बनवा लें। साथ ही उन्होंने बताया कि शौचालय बनाने के लिए सरकार भी आपकी मदद कर रही है। साथ ही स्वच्छता के अंतर्गत अन्य योजनाओं पर भी चर्चा करते हुए कार्यक्रम में प्रखंड कौशल विकास केंद्र की समस्त छात्र छात्राओं के साथ केंद्र समन्वयक सुबोध कुमार चौबे, प्रशिक्षक मनोज कुमार कुशवाहा एवं विशाल कुमार कुशवाहा उपस्थित रहे।

ग्रामीणों और सरकारी कर्मियों में असमय विद्युत कटौती से गहरा रोष

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। ठकराहा प्रखंड के सभी पंचायतों में बिना किसी सूचना के विद्युत विभाग की तरफ से बिजली कटौती पिछले सप्ताह से की जा रही है। लगातार विद्युत आपूर्ति ठप रहने से आम लोगों और सरकारी कर्मियों का बुरा हाल है। प्रखंड में स्वरोजगार कर अपने जीवन यापन करने वालों लोगों का कारोबार पूरी तरह से बाधित है तो वही सरकारी दफ्तरों में भी विद्युत नहीं होने से कोई कार्य नहीं हो पा रहा है। प्रखंड के सभी सरकारी दफ्तर कंप्यूटर कृत है जिसे सुचारू रूप से संचालित रखने के लिए विद्युत अत्यंत आवश्यक है। विद्युत आपूर्ति समय से नहीं होने के कारण किसानों को खेती में भी काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। अभी धान रोपने का समय है। पिछले 5 सालों से बिजली आने से प्रखंड क्षेत्र के 80 फीसदी लोगों का जीवन यापन पूरी तरह विद्युत पर आश्रित हो गया है। पिछले सप्ताह से ही बिजली की आंख मिचौली से लोग हताश हो चुके हैं पूरे प्रखंड क्षेत्र के लोगों में गहरा रोष का माहौल है फिर भी विद्युत विभाग के किसी कर्मी के द्वारा स्पष्ट रूप से नहीं बताया जा रहा है कि कब तक विद्युत की आंख मिचौली से प्रखंड के लोगों को निजात मिल पाएगा। लगातार हो रही विद्युत कटौती से ग्रामीणों ने प्रदर्शन भी किया।प्रदर्शन के दौरान बिजली उपभोगता प्रदीप तिवारी,जुम्मा रहीम, महबूब देवान,जरीना खातून,सिराजुद्दीन अंसारी, सुरेश शर्मा आदि लोगों ने बताया कि बिजली की आंख मिचौली से हमारा रोजगार के साथ खेती भी प्रभावित हुआ है।

-- बोले जेई :

अभी के भीषण गर्मी में ठकराहा से कुचायकोट तक पेड़ पौधे की टहनी की कटाई का कार्य चल रहा है। कार्य पूर्ण होने के साथ प्रखंड के लोगों को 20-22 घंटे बिजली दी जाएगी

-- वृजनन्दन सिंह,
जेई,बिजली विभाग, विजली सब स्टेशन,ठकराहा।

सीडीपीओ का विदाई समारोह आयोजित

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। बगहा अनुमंडल के चार प्रखंडों के प्रभार में कार्यरत सीडीपीओ अरुणा कुमारी के स्थानांतरण के बाद बगहा सीडीपीओ कार्यालय में बुधवार को दफ्तर कर्मी,सेविका एवं सहायिका के द्वारा विदाई समारोह आयोजित किया गया। विदाई समारोह का अध्यक्षता सीडीपीओ कार्यालय के हेड लिपिक विजय कुमार ने किया। किसी भी सीडीपीओ की सेविका एवं सहायिकाओं के प्रति रूढ व्यवहार के कारण आपसी सामंजस नहीं बन पाता है लेकिन ठीक इसके विपरीत विदाई समारोह में उपस्थित सभी दफ्तर कर्मी, सेविका एवं सहायिकाओं ने अपने सीडीपीओ के स्थानांतरण पर विदाई के समय सबकी आंखें नम हो गई। सेविका एवं सहायिका विदाई समारोह के संबोधन में बताया की आपको हम विदा, आज कर दें मगर, जिंदगी के हर मोड़ पर वो लम्हे याद आते है। महकते रहो, सबके दिल में बसते रहो। सीडीपीओ अरुणा कुमारी ने अपने संबोधन में बताया कि सरकार के नियम अनुसार सबका स्थानांतरण निश्चित है आप लोग अपने दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करें। आप सभी लोगों का साथ मुझे भी हमेशा याद आएगा। विदाई समारोह के दौरान विजय कुमार, इंदु पांडे, बेबी सिंह, गीता कुमारी, अनिता राज, प्रियंका कुमारी, प्रीति कुमारी इत्यादि तमाम सेविका व सहायिका उपस्थित रहे।

मुखिया प्रतिनिधि की पहल एवं भक्त जनों के सहयोग से हुआ मंदिर का बाउंड्री निर्माण

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। ठकराहा प्रखंड के सदर पंचायत में अवस्थित सुप्रसिद्ध राम जानकी मंदिर भक्तों के मनोकामना पूर्ण करने में ख्याति प्राप्त है। प्रतिदिन सुबह शाम सुप्रसिद्ध राम जानकी मंदिर में हजारों भक्त पूजा याचना करते हैं मंदिर में आकर माथा टेकने और पूजा करने वाले सभी भक्तों का मनोकामना भी ईश्वर की कृपा से पूर्ण हो जाती है। श्रद्धालुओं का मानना है कि मंदिर परिसर में आते अद्भुत सुख की अनुभूति होती है। प्रत्येक शिवरात्रि के दिन मंदिर प्रांगण में मेले का आयोजन किया जाता है मेले में दूरदराज से हजारों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर आते हैं पूजा अर्चना के बाद मंदिर मे लगा मेले से खाने-पीने से लेकर बच्चों के खिलौने इत्यादि तमाम तरह की सामग्री खरीद कर भी ले जाते हैं। मुखिया प्रतिनिधि विरेंद्र तिवारी की पहल से और तमाम भक्त जनों के सहयोग से किया जा रहा मंदिर परिसर में बाउंड्री निर्माण कार्य मंदिर परिसर की साफ-सफाई एवं मंदिर को सुंदर बनाने में आने वाले समय में मील का पत्थर साबित होगा। मंदिर में किए जा रहे बाउंड्री निर्माण कार्य में राम जानकी मंदिर के परम भक्त सुभाष तिवारी,अजय प्रताप तिवारी,जयप्रकाश तिवारी,रवि तिवारी,अखिलेश तिवारी,अशोक तिवारी,मात्री रंजन तिवारी, मोहम्मद साबिर हुसैन, राज किशोर तिवारी,सचिंदर तिवारी, मुखिया प्रतिनिधि विरेंद्र तिवारी व चंद्रा जी ने सहयोग प्रदान किया।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव ने कटाव प्रभावित क्षेत्र कि किया दौरा

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव तारिक अनवर ने अमदाबाद क्षेत्र के बाढ़ कटाव प्रभावित गांवो का दौराकर स्थिति का जायजा लिया। बाढ़ व कटाव को रोकने के लिए सरकार के स्तर पर की जा रही प्रयासों को सतही बताया।

अमदाबाद क्षेत्र के कटाव व बाढ़ की मार झेल रहे बेलगच्छी एवं भोलामारी गांव का दौरा बुध्दवार को श्री अनवर ने किया। दौराकर मनिहारी विधायक के आवास पर पत्र प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि मनिहारी अमदाबाद की बड़ी आबादी प्रत्येक वर्ष बाढ़ कटाव कि मार झेलने को विवश है। इस दिशा मे सरकारी व प्रशासनिक प्रयासों को उन्होंने सतही बताया। उन्होंने ने सरकार पर इस गंभीर समस्या के प्रति संवेदनहीन बताते हुए कहा कि सरकार के पास इस समस्या से निपटने को कोई दीर्घकालिक योजना का अभाव है। बाढ़ कटाव के दौरान आनन फानन मे इस दिशा मे जो कदम उठाये जाते हैं, वह जनसापेक्ष न होकर लोगों के साथ छलावा साबित हुआ है।श्री अनवर ने कहा कि इस क्षेत्र की जन समस्याओं व बाढ़ कटाव को लेकर सरकार एवं प्रशासनिक उदासीनता ,लचर व्यवस्था से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सहित केन्द्रीय नेताओं को अवगत कराया जाएगा।

क्षेत्र भ्रमण के क्रम मे स्थानीय विधायक मनोहर प्रसाद सिंह भु शामिल थे। इस क्षेत्र को बाढ़ व कटाव की समस्या से निजात दिलाने सहित विस्थापित परिवारों के पुनर्वासन की मांग को लेकर विधानसभा मे अपनी आवाज बुलंद की है। क्षेत्र भ्रमण के क्रम मे कांग्रेस नेता संजय सिंह, एम एल सी प्रत्याशी रहे सुनील यादब, गोपाल यादब, ऐनुल अंसारी, अवधेश मंडल, मो शाजीद, मन्नान, एकलाख हुसैन, राम चन्द्र सिंह, मुन्ना सिंह, मुनेन्द्र यादब, चुन्नू उर्फ चिन्मय अतिक सिंह साथ थे।

सैमसंग ने प्रीमियम टीवी के लिए लॉन्च किया स्मार्ट अपग्रेड प्रोग्राम

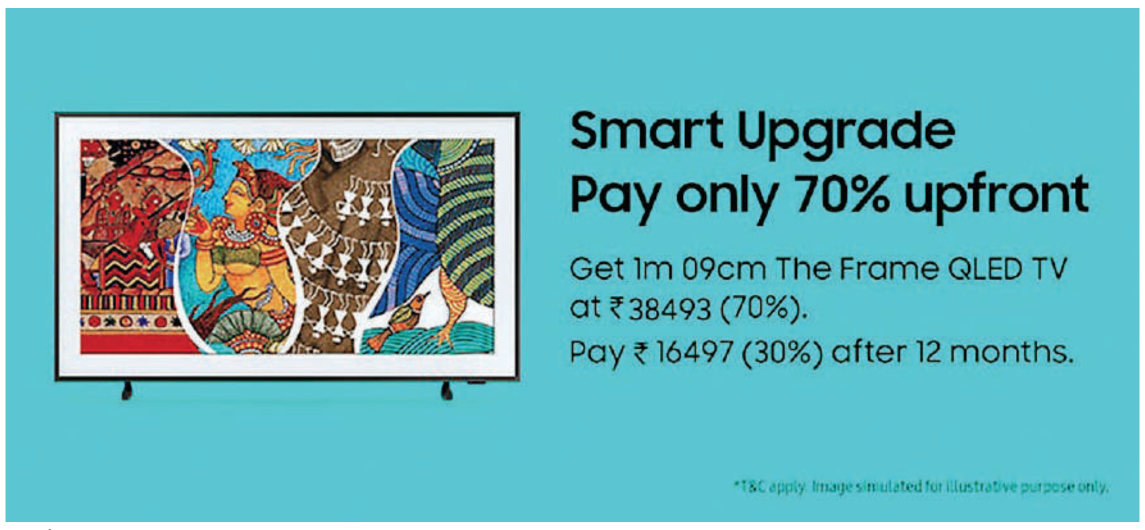

चंडीगढ़ : भारत के सबसे बड़े और सबसे भरोसेमंद कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज एक रोमांचक ह्यस्मार्ट अपग्रेड प्रोग्रामह्न शुरू करने की घोषणा की। फ्लिपकार्ट के साथ साझेदारी में लॉन्च किए गए इन अनूठे कंज्यूमर अफोर्डेबिलिटी प्रोग्राम का फायदा उठा कर उपभोक्ता सैमसंग लाइफस्टाइल और प्रीमियम टीवी रेंज झ्र नियो क्यूएलईडी, द फ्रेम और क्रिस्टल यूएचडी की खरीद आसानी से कर सकेंगे।ह्यस्मार्ट अपग्रेड प्रोग्रामह्न उपभोक्ताओं को सैमसंग प्रीमियम टीवी के साथ अपने घरों का स्टाइल और अपना जीवनस्तर बेहतर बनाने का एक विशेष अवसर प्रदान करता है, जिसमें वे खरीद के समय सिर्फ 70% भुगतान कर बाकी 30% भुगतान 12 महीनों के बाद कर सकते हैं।इस प्रोग्राम को ऐसे डिजाइन किया गया है जिससे उपभोक्ताओं कोकीमतों में राहत और खरीद में सहूलियत दी जा सके। इससे उपभोक्ताओं को अपने पुराने टीवी के बदले बड़ी स्क्रीन के और अधिक प्रीमियम सैमसंग टीवी लाने में मदद मिलेगी।इस कार्यक्रम के तहत, उपभोक्ताओं को सैमसंग क्रिस्टल 4के यूएचडी टीवी खरीदने के लिए शुरू में 23,093 रुपये देने होंगे और बाकी 9,897 रुपये वे 12 महीनों के बाद दे सकते हैं। सैमसंग फ्रेम 2021 सीरीज क्यूएलईडी अल्ट्रा एचडी (4के) स्मार्ट टीवी को 38,493रुपये के भुगतान के साथ खरीदा जा सकता है, जबकि शेष 16,497 रुपये 21 महीनों के बाद दिया जा सकेगा। सैमसंग इंडिया के कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स में ऑनलाइन बिजनेस के सीनियर डायरेक्टर संदीप सिंह अरोड़ा ने कहा, स्मार्ट अपग्रेड टेलीविजन के लिए अपने तरह का पहला कार्यक्रम है जो हमने उपभोक्ताओं को ज्यादा अफोर्डेबल कीमतों के विकल्प प्रदान करने के लिए फ्लिपकार्ट के साथ मिलकर शुरू किया है।यह कार्यक्रम उपभोक्ताओं को श्रेणी की बेहतरीन टेक्नोलॉजी के साथ अपनी जीवनशैली तथा अपने घर का स्तर और ऊंचा करने के लिए रोमांचक अवसर उपलब्ध कराने के हमारे विजन के अनुरूप है।

आयरन मैन के साथ काम करना चाहते हैं मिस मार्वल अभिनेता और बॉलिवुड स्टार फरहान अख्तर

चंडीगढ़ : प्रतिभाशाली अभिनेता और डायरेक्टर फरहान अख्तर ने मार्वल स्टूडियोज मिस मार्वल के चौथे एपिसोड के साथ मार्वल सिनेमेटिक यूनिवर्स में प्रवेश कर लिया है। यह डिज्नी+ हॉटस्टार पर इंग्लिश, हिंदी, तमिल, तेलुगू, और मलयालम में स्ट्रीम हो रहा है।एक प्राचीन कबीले, रेड डैगर्स के सरदार, वलीद का किरदार निभाते हुए फरहान अख्तर के प्रदर्शन को भारत में मार्वल फैंस ने बहुत सराहा है। फरहान के लिए मार्वल सिनेमेटिक में प्रवेश एक सुपरहीरो बनने के जैसा है। मार्वल स्टूडियोज के मिस मार्वल में प्रवेश की खबरों के प्रति अपनी पहली प्रतिक्रिया के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, जब आपको कोई बताता है कि आप मार्वल सिनेमेटिक यूनिवर्स का हिस्सा बनने जा रहे हैं, तो आप खुदबखुद एक सुपरहीरो की तरह महसूस करने लग जाते हैं। मैं सुपरहीरो की तरह खड़ा था, बस मेरे कंधों पर केप नहीं था।फरहान ने मार्वल के किस्सों से जुड़े सवालों के भी जवाब दिए। उन्होंने सबसे पहली मार्वल सिनेमेटिक यूनिवर्स की कौन सी फिल्म/सीरीज देखी थी, इस बारे में उन्होंने बताया, जहां तक मुझे याद है आयरन मैन मार्वल सिनेमेटिक की सबसे पहली फिल्म थी, जो मैंने देखी थी। भविष्य में वो किसके साथ काम करना चाहते हैं, इस बारे में फरहान ने कहा, मैं आयरन मैन के साथ काम करना चाहता हूँ।मुझे मालूम है कि वो अब हमारे साथ नहीं हैं, लेकिन यदि कभी कोई रास्ता निकला, तो मैं उनके साथ काम करना चाहूंगा। फरहान आयरन मैन के बहुत बड़े फैन हैं, लेकिन उन्होंने बताया कि उन्हें डॉक्टर स्ट्रांज की शक्तियां भी बहुत अच्छी लगती हैं और वो उन शक्तियों को पाना चाहते हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी फैशन ब्रांड ह्लगेपह्व के आइटम मिलेंगे रिलायंस रिटेल से

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी फैशन ब्रांड गेप की अधिकारिक रिटेलर अब रिलायंस रिटेल बन गई है। रिलायंस रिटेल ने एक्सक्लूसिव ब्रांड स्टोर, मल्टी ब्रांड स्टोर, डिजिटल कॉमर्स प्लेटफार्म से भारतीय उपभोक्ताओं को गैप के फैशन आइटम उपलब्ध कराए जाएंगे। अमेरिका की गेप, एक फैशन प्रधान कंपनी है। जो महिलाओं और बच्चों के लिए कपड़े ऐसेसरीज और पर्सनल उत्पाद तैयार करती है।इसे दुनिया भर में डेनिम आधारित फैशन के लिए भी जाना जाता है। रिलायंस रिटेल के द्वारा अब अमेरिका की इस कंपनी के बने उत्पाद भारत में ऑनलाइन उपलब्ध होंगे।

कार्गो एयरलाइन प्रधान एयर एक्सप्रेस को मिली एनओसी

मुंबई, एजेंसी। प्रधान एयर एक्सप्रेस को नागर विमानन मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) मिल गया है। इसके साथ ही इस कार्गो एयरलाइन के वाणिज्यिक परिचालन का रास्ता खुल गया है। प्रधान एयर एक्सप्रेस के इस साल वाणिज्यिक परिचालन शुरू करने की उम्मीद है। जील ग्लोबल कॉरपोरेशन के संस्थापक निपुण आनंद द्वारा स्थापित मालवाहक विमानन सेवा कंपनी के कार्गो विमान में बदले गए ए320 के जरिये परिचालन शुरू करने की उम्मीद है। यह विमान इस महीने दिल्ली आने की संभावना है। कंपनी ने कहा कि देश की नई कार्गो एयरलाइन का परिचालन इस साल शुरू होगा। इसके लिए दुनिया के पहले मालवाहक विमान में बदले गए एक 320 विमान का इस्तेमाल होगा।

आटे की बढ़ती कीमत पर रोक लगाने सरकार ने निर्यात पर बढ़ाई सख्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में आटे की कीमत बढ़ती जा रही है, इसलिए आटे की बढ़ती कीमत पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने आटा और इससे जुड़े उत्पादों के निर्यात पर सख्ती बढ़ा दी है। इससे पहले सरकार ने देश में अनाज की कीमतों को बढ़ने से रोकने के लिए 13 मई को गेहूं निर्यात पर रोक लगा दी थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक आटे के निर्यात के लिए सभी निर्यातकों को इंटर मिनिस्ट्रियल कमेटी ऑन व्हीट एक्सपोर्ट से पूर्व अनुमति लेनी होगी। डायरेक्ट्रोरेट जनरल आफ फारेन ट्रेड (डीजीएफटी) द्वारा जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक नई व्यवस्था 12 जुलाई से लागू होगी। छह जुलाई से पहले लोड किए गए शिपमेंट या 12 जुलाई से पहले कस्टम के पास दाखिल कर दी खेप को निर्यात की अनुमति दी जाएगी। डीजीएफटी के नोटिफिकेशन के मुताबिक आटे के साथ-साथ मैदे और सूजी को भी इस लिस्ट में जारी किया गया है। यानी इनके निर्यात से पहले सरकार से अनुमति लेनी होगी। हालांकि गेहूं के निर्यात पर बैन के बाद देश में आटे की कीमतों में कुछ कमी आई है।

जेएसडब्ल्यू स्टील का कच्चे इस्पात का उत्पादन बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू स्टील का कच्चे इस्पात का समेकित उत्पादन अप्रैल-जून 2022 के दौरान 16 फीसदी बढ़कर 58.8 लाख टन रहा। कंपनी ने बताया कि पिछले वर्ष की समान अवधि में उत्पादन 50.7 लाख टन था। कंपनी ने एक बयान में कहा कि 2022-23 की पहली तिमाही में जेएसडब्ल्यू स्टील का कच्चे इस्पात का संयुक्त उत्पादन सालाना आधार पर 16 फीसदी बढ़कर 58.8 लाख टन रहा है, इसमें संयुक्त नियंत्रण वाले संस्थानों का उत्पादन भी शामिल है।

ब्रेंट क्रूड दो महीने में पहली बार 100 डॉलर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट लगातार जारी है और ब्रेंट क्रूड दो महीने में पहली बार 100 डॉलर पर आया है। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों ने गुरुवार सुबह पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। दिल्ली में पेट्रोल अब भी 96.72 रुपए लीटर मिल रहा है। कंपनियों ने 6 अप्रैल के बाद से इसकी कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है, जबकि क्रूड के भाव एक समय 140 डॉलर प्रति बैरल तक चले गए थे। हालांकि, लगातार गिरावट से गुरुवार सुबह ब्रेंट क्रूड 100.3 डॉलर प्रति बैरल जबकि डब्ल्यूटीआई 98.23 डॉलर प्रति बैरल रहा। इन शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम - दिल्ली पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 109.27 रुपए और डीजल 95.84 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर. नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है, पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे टूटकर 79.06 पर खुला

मुंबई, एजेंसी। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के इस महीने दरों में एक और बढ़ोतरी के संकेतों के बीच गुरुवार को रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे टूटकर 79.06 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि बुधवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जो कदम उठाए उससे रुपए में गिरावट सीमित रही।

आनन्द महिन्द्रा का जवाब फिर सोशल मीडिया में चर्चा का विषय रहा

मुंबई, एजेंसी। आनन्द महिंद्रा ऐसे कारोबारी हैं जो हमेशा सोशल मीडिया में चर्चा का विषय रहते हैं। कभी सोशल मीडिया में यूजर को दिया गया उनका जवाब ट्रेंड करता है तो कभी उनकी सोशल मीडिया पोस्ट खबरों में रहती है। एक बार फिर ट्विटर यूजर को दिया गया उनका जवाब सबका दिल जीत रहा है। कुछ पहले ही अपने क्वालिफिकेशन पर दी गई उनकी रिप्लाई चर्चा में थीमुंबई. इस बार आनन्द महिंद्रा की अमेरिका से जुड़ी एक पोस्ट पर आए सवाल-जवाब वायरल हैं। महिंद्रा ने ट्विटर पोस्ट में अमेरिका में 4 जुलाई के समारोह की फोटो और वीडियो पोस्ट की। उन्होंने मैनहट्टन की तस्वीरे डालते हुए लिखा मैनहट्टन 4 जुलाई स्काईलाइन, उन्होंने दूसरे ट्वीट में एक वीडियो भी पोस्ट की जिसमें मैनहट्टन में सेलेब्रेशन को दिखाई दे रहा है। पोस्ट से पता चला कि महिंद्रा 4 जुलाई को अमेरिका में थे, जिसे संयुक्त राज्य अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। मैनहट्टन की तस्वीरों को देख कर एक ट्विटर यूजर ने उनसे पूछा कि क्या आप एनआरआई हैं? महिंद्रा का यूनिक रिप्लाई इंटरनेट की दुनिया में फिर वायरल हो गया. महिंद्रा ने जवाब में लिखाझ्र न्यूयॉर्क में बस परिवार का टूर था। मैं एक एचआरआई हूं। भारत का निवासी, मतलब उन्होंने खुद को एनआरआई की बजाय उन्होंने एचआरआई बताया और उन्होंने एचआरआई की फुल फॉर्म भी समझाया कि दिल हमेशा भारत में रहता है। महिंद्रा का ये एचआरआई वाला रिप्लाई सोशल मीडिया में तुरन्त ही छा गया और यूजर तरह तरह से इस पर कमेंट करने लगे। एक यूजर ने लिखा कि अच्छा कहा सरझ्रआखिर घर हमेशा वहीं होता है जहां दिल होता है, दूसरे यूजर ने लिखा, यह अच्छा हैझ्रमैं एक एचआरआई हूं, मैं इस जवाब को बिना शर्म के चुराऊंगा. कुछ दिन पहले भी ट्विटर पर एक यूजर ने महिंद्रा से पूछा था कि आपकी क्वालिफिकेशन क्या है, तब उन्होंने जवाब दिया था कि इस उम्र में अनुभव ही योग्यता है। उनका यह जवाब भी खूब चर्चा में था।

खाने का तेल 10 रुपए तक और सस्ता होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार लगातार खाने के तेल की कीमतें घटाने का प्रयास कर रही है। पिछले महीने 10-15 रुपए प्रति लीटर कीमत कम होने के बाद अब फिर इसमें 10 रुप, की गिरावट आएगी। सरकार ने इस बाबत खाद्य तेल कंपनियों को निर्देश दिए हैं। पहले ग्लोबल मार्केट में दाम बढ़ने का दबाव था, जिससे पिछले कुछ महीने खाद्य तेलों के दाम आसमान पर थे। अब ग्लोबल मार्केट में पाम सहित अन्य खाद्य तेलों की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है, जिसके बाद सरकार ने कंपनियों से खुदरा बाजार में भी कीमतें घटाने की बात कही है। उम्मीद है कि अगले सप्ताह तक खाने का तेल 10 रुपए प्रति लीटर तक और सस्ता हो जाएगा। खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय ने खाद्य तेल कंपनियों के साथ बैठक में कहा कि ग्लोबल मार्केट में अब पाम तेल सहित अन्य खाद्य तेलों की कीमतों में बड़ी गिरावट आ चुकी है। इसका लाभ उपभोक्ताओं को भी मिलना चाहिए। लिहाजा आप खाद्य तेल के खुदरा दाम में भी जल्द कटौती कीजिए।

पांडेय ने कंपनियों को यह भी निर्देश दिए कि खाद्य तेल की कीमत देशभर में एकसमान होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब जीएसटी की दरें समान हैं, तो उत्पादों की एमआरपी भी एकसमान होनी चाहिए। भारत अपनी जरूरत का 60 फीसदी खाद्य तेल आयात करता है, इसीलिए ग्लोबल मार्केट में दाम बढ़ने की वजह से घरेलू बाजार पर भी दबाव था। खाद्य सचिव ने बताया कि हमने कंपनियों से साफ कहा है कि महज एक सप्ताह के भीतर ही ग्लोबल मार्केट में तेल के दाम 10 फीसदी घट गए हैं। इसका लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचना चाहिए। इसके बाद सभी बड़ी तेल कंपनियों ने अगले सप्ताह तक 10 रुपए तक दाम घटाने का आश्वासन दिया है। इसके बाद आयात होने वाले सभी खाद्य तेलों जैसे पाम तेल, सोयाबीन और सूरजमुखी तेल की कीमतों में गिरावट आएगी। सचिव ने कहा कि कुछ कंपनियां 15 डिग्री सेल्सियस पर पैकिंग करने का दावा करती हैं। इस तापमान पर तेल फैलता है और उसका वजन कम हो जाता है। यह घटा हुआ वजन कंपनियां अपनी पैकेट पर नहीं लिखती हैं। कंपनियों को 30 डिग्री सेल्सियस पर खाद्य तेलों की पैकिंग करनी चाहिए। कंपनियों की पैकेज पर 910 ग्राम का वजन लिखा होता है, जबकि 15 डिग्री पर पैक करने पर यह 900 ग्राम से भी कम हो जाएगा। उपभोक्ता मंत्रालय के अनुसार, 6 जुलाई को देश में पाम रिफाइंड ऑयल की कीमत 144.16 रुपए लीटर थी, जबकि सूरजमुखी का तेल 185.77 रुपए लीटर, सोयाबीन का तेल 185.77 रुपए लीटर, सरसों तेल 177.37 रुपए लीटर और मूंगफली का तेल 187.93 रुपए लीटर था।

डी बीयर्स ने वार्षिक फोरम का आयोजन किया

चण्डीगढ़ः डायमंड कंपनी डी बीयर्स ग्रुप ने अपने वार्षिक फोरम का आयोजन किया। इस फोरम का मुख्य उद्देश्य, डायमंड इंडस्ट्री से जुड़े सदस्यों को ब्रांड के विकास एवं विजन के साथ-साथ बड़े पैमाने पर प्राकृतिक हीरा उद्योग की प्रगति पर आपस में चर्चा करने, नेटवर्क बनाने और गहन जानकारी वाली बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए एक साझा मंच उपलब्ध कराना था। इस साल की थीम में डी बीयर्स की सबसे ऐतिहासिक टैगलाइन, ए डायमंड इज फॉरएवर को शामिल किया गया है, जिसने कहानी बयां करने वाले एक शानदार माध्यम के रूप में हमेशा ब्रांड की विरासत को आगे बढ़ाया है। इस साल इस आइकॉनिक टैगलाइन की 75वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है।

इस फोरम में भाग लेने वाले लोगों ने रिटेल टेक्नोलॉजी में बेहद दिलचस्प इनोवेशन का अनुभव किया, जिसने ब्रांड के अनोखे पहलुओं को प्रदर्शित किया। गेमिफिकेशन को सबसे आगे लाने के लिए, ब्रांड के विभिन्न घटकों के आधार पर तैयार किए गए इंटरैक्टिव गेम्स भी दिखाए गए। अत्याधुनिक प्रोजेक्शन मैपिंग टेक्नोलॉजी की मदद से एक डायमंड के सफर को दिखाया

इस फोरम के दौरान, ब्रांड ने फॉरएवरमार्क अवंती कलेक्शन में नए डिजाइनों के लॉन्च की घोषणा भी की। इस मॉडर्न कलेक्शन की प्रगति में एक नवीनतम अध्याय जोड़ा गया है, जिसके बिल्कुल नए डिजाइन नई संभावनाओं के मूल भाव को दशार्ते हैं, साथ ही पहनने वाले को अपनी शक्ति का एहसास करने और हर दिन को हमेशा के लिए यादगार बनाने की प्रेरणा देते हैं। इस कलेक्शन की एकदम नई अंगूठियों, पेंडेंट और झुमके में सबसे खूबसूरत, नायाब तथा जिम्मेदारी से प्राप्त किए गए डी बीयर्स फॉरएवरमार्क डायमंड को 18 कैरेट के यलो, ह्वाइट या रोज गोल्ड में सेट किया गया है। नगीने के रूप में जड़े गए डायमंड्स की अतिरिक्त चमक के साथ बिल्कुल साफ -सुथरे एवं नई ऊर्जा देने वाले शानदार डिजाइन भी उपलब्ध हैं।

श्री सचिन जैन, मैनेजिंग डायरेक्टर, डी बीयर्स इंडिया, ने कहा कि डी बीयर्स ग्रुप ने वर्षों से, हर तरह के उतार-चढ़ावों के साथ-साथ बदलती परिस्थितियों के दौरान भी आईकॉनिक लाइन ए डायमंड इज फॉरएवर से प्रेरणा लेना जारी रखा है। इन सब चीजों के बीच, और यहां तक की हाल में आई महामारी के दौर में बाजार के कामकाज के तौर-तरीकों में बदलाव के बावजूद डी बीयर्स लगातार आगे बढ़ता रहा है। हमने अपने अटल इरादों की वजह से पिछले एक साल में कारोबार में अभूतपूर्व वृद्धि देखी है। हमने चंचलता, खुद को तुरंत परिस्थितियों के अनुरूप ढालने की क्षमता और हर वर्ग के ग्राहकों की भावनाओं के साथ जुड़े रहने पर लगातार ध्यान देना जारी रखा है।

पहली छमाही में रिकॉर्ड 130 अरब डॉलर के सौदे हुएः रिपोर्ट

मुंबई, एजेंसी। एचडीएफसी विलय और अडाणी-होल्सिम जैसे बड़े सौदों के साथ वर्ष 2022 की पहली छमाही में विलय-अधिग्रहण बाजार अब तक के रिकॉर्ड 130.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया। रिफाइनिटिव ने आंकड़ों के आधार पर तैयार एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। पहली छमाही में हुए 130.3 अरब डॉलर के सौदे एक साल पहले की समान अवधि में हुए सौदों से दोगुनी से भी अधिक हैं। इस तरह जनवरी-जून 2022 की छमाही 1980 से अब तक की सर्वाधिक सौदा राशि वाली छमाही बन गई है। इस तरह के आंकड़ों का संकलन 1980 से ही शुरू हुआ था। पहली छमाही के दौरान अप्रैल-जून अवधि में सर्वाधिक सौदे हुए।इनमें 60 अरब डॉलर मूल्य का एचडीएफसी बैंक एवं एचडीएफसी लिमिटेड विलय सौदा, 10.5 अरब डॉलर का अडाणी-होल्सिम सौदा और एलआईसी के 2.7 अरब डॉलर के शेयरों की बिक्री सौदा शामिल हैं। एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में बीती छमाही में सौदों की संख्या 30.3 प्रतिशत बढ़ गई और यह अब तक की सबसे व्यस्त अवधि रही।रिपोर्ट के मुताबिक नवीकरणीय ऊर्जा और टिकाऊ क्षेत्रों में विलय एवं अधिग्रहण सौदे 11.5 अरब डॉलर के रहे जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 41.7 प्रतिशत अधिक है। इसमें सबसे बड़ा 10.5 अरब डॉलर का सौदा अडाणी समूह और सीमेंट कंपनी होल्सिम का था। हालांकि भारत में होने वाले विदेशी कंपनियों के विलय एवं अधिग्रहण सौदे 14.6 प्रतिशत गिरकर 21.5 अरब डॉलर पर आ गए। वहीं विदेश में होने वाले विलय एवं अधिग्रहण सौदे छह अरब डॉलर के रहे।

मार्च 2021 से नवंबर 2021 तक नीमच फैक्ट्री को 110 करोड़ का लाभ

इंदौर, एजेंसी। दवा कंपनियों को अफीम सप्लाई करके नीमच अफीम फैक्ट्री और अल्कलॉइड वर्क्स ने इस साल ड्राई अफीम एवं अन्य उत्पादों के माध्यम से मार्च 2021 से नवंबर 2021 के बीच करोंडो रुपए का राजस्व कमाया। नीमच फैक्ट्री को 110 करोड़ रुपए का लाभ हुआ है। पिछले साल 77.53 करोड़ अफीम की बिक्री से प्राप्त हुए थे।इस साल नीमच फैक्ट्री से 137 किलो ड्राई अफीम एवं अन्य उत्पाद अमेरिका और स्विजरलैंड को निर्यात किए गए हैं।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग की रिपोर्ट से उक्त जानकारी प्राप्त हुई है। भारत में अफीम की बिक्री से सबसे ज्यादा राजस्व नीमच से प्राप्त होता है। 2021-22 के वित्तीय वर्ष में 183.79 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई, एजेंसी। मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में यह उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से आया है। एशिया और यूरोपीय बाजारों में बढ़त से घरेलू बाजार को भी बल मिला। आज सुबह से ही बाजार में उत्साह देखा गया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 427.49 अंक करीब 0.80 फीसदी की बढ़त के साथ ही 54,178.46 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान एक समय यह 503.80 अंक तक पहुंच गया था। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 143.10 अंक तकरीबन 0.89 फीसदी बढ़कर 16,132.90 अंक पर पहुंच गया। इससे पहले गत दिवस भी बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था। दिग्गज कंपनियों में टाइटन, टाटा स्टील, लार्सन एंड टुब्रो, इंडसइंड बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों में उछाल है जबकि डॉ. रेड्डीज लैब, नेस्ले, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर और बजाज फाइनेंस के शेयरों में गिरावट है। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग ऊपर आया है। इसके अलावा यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी शुरूआती कारोबार में तेजी आई है। दूसरी ओर अमेरिकी शेयर बाजार लाभ में रहे। बाजार जानकारों के अनुसार कच्चे तेल और जिंसों के दाम में कमी से निवेशकों की धारणा मजबूत हुई है इससे भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। मुद्रास्फीति घटने की उम्मीद से बाजार में तेजी आगे भी बनी रहने की उम्मीद है।

ग्लेनमार्क ने टाइप 2 डायबिटीज के लिए सीटाग्लिप्टिन और इसके फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशंस लॉन्च किए

चंडीगढ़ : ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड (ग्लेनमार्क), एक नवाचार-संचालित वैश्विक दवा कंपनी ने भारत में टाइप 2 डायबिटीज वाले वयस्कों के लिए सस्ती कीमत पर सीटाग्लिप्टिन और इसके फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) लॉन्च किए हैं। कंपनी ने ब्रांड नाम सिटाज़िटइ और इसके वैरिएंट के अंतर्गत किफायती मूल्य पर सीटाग्लिप्टिन आधारित दवाओं के 8 अलग-अलग कॉम्बिनेशंस प्रस्तुत किए हैं। ग्लेनमार्क का सिटाज़िटइ और इसके वैरिएंट टाइप -2 डायबिटीज के रोगियों के लिए साइटग्लिप्टिन की पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जिसकी पहचान डीपीपी4 इनहिबिटर थेरेपी में गोलडन स्टैंडर्ड मॉलिक्यूल के रूप में है। यह रोगियों को उनके ग्लाइसेमिक स्तर को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और बेहतर अनुपालन में मदद करेगा। ये दवाएं हाइपोग्लाइसीमिया का जोखिम कम करती हैं, बीटा सेल सुरक्षा प्रदान करती हैं, कार्डियो-रीनल लाभ प्रदान करती हैं और किडनी या लीवर की समस्याओं से ग्रसित रोगियों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षित हैं। टाइप 2 डायबिटीज जैसी पुरानी बीमारियों में, रोगियों को लंबे समय तक कई डायबिटीज-रोधी दवाओं का सेवन करना पड़ता है। इसके अलावा, भारत में, रोगियों को दवा का खर्च स्वयं उठाना पड़ता है और इसलिए उपचार में दवा की कीमत एक प्रमुख कारक बन जाती है। ग्लेनमार्क के सीटाग्लिप्टिन और उसके एफडीसी की कीमत भारत में उसके इनोवेटर ब्रांड की लागत का लगभग एक तिहाई है।ये दवाएं ब्रांड नाम सिटाज़िटइ, सिटाज़िटइ-एम, सिटाज़िटइ- एम ईआर और सिटाज़िटइ डी के तहत उपलब्ध होंगी। इनमें से प्रत्येक ब्रांड के दो अलग-अलग प्रकार होंगे झ्र सिटाज़िट (सिटाग्लिप्टिन) 50 मिलीग्राम और 100 मिलीग्राम वैरिएंट में उपलब्ध होगा। सिटाज़िटइ एम में सीटाग्लिप्टिन (50 मिलीग्राम) + मेटफॉर्मिन (500 मिलीग्राम/1000 मिलीग्राम) होगा; सिटाज़िटइ एम ईआर में सीटाग्लिप्टिन (100 मिलीग्राम) + मेटफॉर्मिन एसआर (500 मिलीग्राम/1000 मिलीग्राम) होगा। ब्रांड सिटाज़िटइ डी दो वैरिएंट सिटाज़िटइ डी 100/10 के साथ एक नया कॉम्बिनेशन है, जिसमें सीटाग्लिप्टिन (100 मिलीग्राम) + डैपाग्लिफ्लोज़िन (10 मिलीग्राम) और सिटाज़िटइ डी 50/5 होगा, जिसमें सीटाग्लिप्टिन (50 मिलीग्राम) + डैपाग्लिफ्लोज़िन (5 मिलीग्राम) होगा।

श्रीलंकाई टीम के तीन और खिलाड़ी कोरोना संक्रमित हुए

गाले, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले ही श्रीलंकाई टीम को करारा झटका लगा है। टीम के तीन और खिलाडी कोरोना संक्रमित हुए हैं। श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड के अनुसार कोरोना संक्रमित होने के कारण ऑलराउंडर धनंजय डी सिल्वा, तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो और स्पिनर जेफरी वेंडरसे को दूसरे टेस्ट मैच से बाहर कर दिया गया है। तीनों ही खिलाड़ियों में कोरोना संक्रमण के लक्षण पाए गए हैं। पहले टेस्ट मैच में ये तीनों ही खिलाड़ी टीम में शामिल थे।

श्रीलंकाई टीम को पहले ही स्पिनर प्रवीण जयविक्रमा के बिना खेलना पड़ रहा है। प्रवीण की इस सप्ताह में रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। इसके साथ ही मेजबान टीम में कोरोना संक्रमित खिलाड़ियों की तादाद बढ़कर पांच पहुंच गई है हालांकि टीम में अन्य सभी टीम खिलाड़ियों की रिपोर्ट नेगेटिव रही है। मेजबान टीम ने स्पिनर लक्षण संदाकन को टीम में शामिल किया है। श्रीलंकाई टीम इस सीरीज में 1-0 से पीछे है।

गिरजा/ईएमएस 07जुलाई 2022

(बेंगलुरु) आईपीएल नीलामी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खिलाड़ियों की नीलामी को चुनौती देने वाली एक याचिका खारिज कर दी है। इस जनहित याचिका में खिलाड़ियों की नीलामी को अमानवीय है और मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया गया है। याचिका में कहा गया है कि खिलाड़ी न तो रोबोट हैं और न ही सामान और इस प्रकार सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से खिलाड़ियों का चयन मानव जीवन और सम्मान को प्रभावित करता है। इसलिए आगामी आईपीएल नीलामी पर रोक लगायी जाये।

इसपर न्यायालय की खंडपीठ ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि आईपीएल का सत्र समाप्त हो गया है। साथ ही कहा कि इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी ऐसी ही एक अन्य याचिका को खारिज किया था, ऐसे में यह जनहित याचिका सुनवाई के योग्य नहीं है।

विराट की टीम में जगह पक्की नहीं मानते जाफर

अय्यर, , सूर्यकुमार और हुड्डा बन सकते हैं विकल्प

मुम्बई, एजेंसी। पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर ने कहा है कि पूर्व कप्तान विराट कोहली के लगातार खराब फार्म में रहने के कारण उनका अब आने वाले मुकाबलों में खेलना तय नहीं है। जाफर ने कहा कि जिस प्रकार विराट आईपीएल के बाद एजबेस्टन टेस्ट में विफल रहे हैं। उससे अब हर एक मैच में उनके प्रदर्शन पर नजरें रहेंगी। उन्होंने कहा कि विराट की जगह खेलने के लिए इस समय भारतीय टीम के पास मध्य क्रम में श्रेयस अय्यर, , सूर्यकुमार यादव और दीपक हुड्डा जैसे शानदार बल्लेबाज हैं। इन सभी को विराट के विकल्प के तौर पर आजमाया जा सकता है। आगामी टी20 विश्व कप को देखते हुए भी अब हर मैच में खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर चयनसमिति की नजरें रहेंगी। जाफर ने कहा है कि फिलहाल तो वह टीम का हिस्सा हैं पर उनका फार्म चिन्ता का कारण बन गया है।

जाफर ने कहा कि ह्लकोहली के खेलने को लेकर कोई संदेह नहीं है पर उनके फार्म पर भी ध्यान रहेगा। आइपीएल में उनका स्ट्राइक रेट ठीक नहीं रहा था। उनका मौजूदा फार्म भी ठीक नहीं है। वहीं हुड्डा आपको गेंदबाजी के साथ एक विकल्प दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोहली को कुछ मैचों में जरूर मौका मिलेगा और उसके बाद चयनकर्ता अपना फैसला लेंगे पर अभी के खेल को देखकर मुझे नहीं लगता है कि उनकी जगह टीम में निश्चित है क्योंकि कई युवा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रह हैं। पिछले विश्व कप में भी उनका स्ट्राइक रेट सवालों के घेरे में था ऐसे में हमें भविष्य के बारे में सोचने की जरुरत है

संक्षिप्त समाचार

वार्विकशायर के साथ तीन साल का अनुबंध करेंगे मोईन

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के ऑलराउंडर मोईन अली काउंटी टीम वार्विकशायर से खेल सकते हैं। अब तक वह यॉर्कशायर से खेलते रहे हैं। अटकलें हैं कि मोईन अब अपनी पुरानी काउंटी टीम वार्विकशायर के साथ तीन साल का अनुबंध कर सकते हैं। मोइन ने पिछले साल ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था ताकि वह लंबे समय तक सीमित ओवरों का क्रिकेट खेल सकें। एक रिपोर्ट के अनुसार उन्हें यॉर्कशायर से प्रस्ताव मिला था पर वह वारविकशायर के साथ तीन साल का अनुबंध करना चाहते हैं। पिछले कुछ साल में आईपीएल फ्रैंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से शानदार प्रदर्शन करने वाले मोईन को यॉर्कशायर अपने साथ रखना चाहती थी पर वह वार्विकशायर के साथ खेलने को लेकर उत्सुक हैं। गत माह मोईन ने कहा था, वोर्सेस्टर में यह मेरा अंतिम साल है। मैं उनसे बात कर रहा हूं, मैं अन्य काउंटियों से बात कर रहा हूं। मुझे वॉर्सेस्टर के लिए खेलना अच्छा लगता है, वहां अब 15 साल हो गए हैं। मैं वारविकशायर से चला गया और उन्होंने मुझे अपना खेल विकसित करने इंग्लैंड के लिए खेलने में सहायता की। मोईन ने वारविकशायर से शुरूआत की थी पर अवसरों की कमी के कारण वह साल 2007 में वोस्टरशायर से खेलने चले गये थे।

चेन्नईयिन ने क्रोएशियाई स्ट्राइकर स्लिसकोविच को शामिल किया

चेन्नई, एजेंसी। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल टूनामेंट के आगामी सत्र के लिए चेन्नईयिन एफसी ने क्रोएशियाई स्ट्राइकर पीटर स्लिसकोविच के साथ करार किया है। चेन्नईयिन स्लिसकोविच को जोड़कर अपनी अग्रिम पंक्ति को और बेहतर बनाना चाहती है। स्लिसकोविच ने बुंदेसलीगा लीग में एफएसवी मेंज क्लब की ओर से शुरूआत की थी और वह साल 2015 तक पांच सत्र में इस क्लब की टीम में शामिल रहे हैं, ऐसे में उन्हें अच्छा खासा अनुभव हो गया है। चेन्नईयिन एफसी ने इसे पहले घाना के फारवर्ड क्वेन करिकारी के साथ भी अनुबंधित किया था। स्लिसकोविच मुख्य रूप से सेंटर फारवर्ड के रूप में खेलते हैं। इस खिलाड़ी ने 359 मुकाबलों में 136 गोल किये हैं। वह अपने करियर में अधिकतर समय जर्मनी की ओर से प्रतिस्पर्धी फुटबॉल खेलते रहे हैं। उन्होंने एफएसवी मेंज के अलावा स्लिसकोविच हालेशर एफसी, विक्टोरिया 1889 बर्लिन और एमएसवी डुइबर्ग जैसे जर्मन क्लब से खेला है। इसके अलावा एफसी अराउ जैसे गैर जर्मन क्लब और क्रोएशिया अंडर-21 टीम में भी शामिल रहे हैं। चेन्नईयिन को उम्मीद है कि स्लिसकोविच के आने से टीम को उनके अनुभवों का लाभ मिलेगा।

एथलीट अरोकिया को विश्व चैंपियनशिप में जगह मिलने की संभावना नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। एथलीट अरोकिया राजीव को यूजीन में 15 से 24 जुलाई तक होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए भारत की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम में जगह मिलने की संभावना कम हो गयी है। इसका कारण यह है कि अरोकिया ने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) से कहा है कि वह विश्व चैंपियनशिप के लिए फिर से ट्रायल नहीं दे सकते हैं। इस मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि राजीव की तबीयत ठीक नहीं है और वह फिर से ट्रायल के लिए तैयार नहीं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अरोकिया ने एएफआई से कहा है कि वह आठ जुलाई को एनआईएस पटियाला में होने वाले दूसरे ट्रायल में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। एएफआई ने विश्व चैंपियनशिप के लिए बुलाए गए ट्रायल्स में 400 मीटर धाविका ऐश्वर्या मिश्रा, लंबी कूद खिलाड़ी जेसविन एल्ड्रिन और आरोकिया ट्रायल में पिछले ट्राल में खराब प्रदर्शनह्न करने के बाद दोबारा ट्रायल देने को कहा था।

पूजा निचले क्रम पर सबसे अधिक अर्धशतक लगाने वाली बल्लेबाज बनी

कोलंबो, एजेंसी। भारत की महिला क्रिकेटर पूजा वस्त्राकर ने गुरुवार को श्रीलंका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में निचले क्रम पर सबसे अधिक अर्धशतक लगाने का रिकार्ड बनाया है। इसी के साथ ही पूजा आठवें या इससे नीचे के नंबर पर सबसे अधिक पचास रन बनाने वालीं महिला क्रिकेटर बन गई हैं। पूजा ने अपनी पारी से भारतीय टीम को नौ विकेट पर 255 रनों तक पहुंचाया। पूजा 56 रन बनाकर नाबाद रहीं।

यह पूजा का आठवें नंबर पर दूसरा अर्धशतक है। उसने नौवें नंबर पर भी एक अर्धशतक लगाया है। इस तरह उनके 8वें नंबर पर या इससे निचले नंबर को मिलाकर कुल 3 अर्धशतक हो गए हैं, यह एक विश्व रिकॉर्ड भी है। इससे पहले यह रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की निकोल ब्राउन के नाम था। निकोल ने आठवें नंबर पर दो अर्धशतक लगाए हैं।

तीसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही। ओपनर स्मृति मंधाना 6 रन बनाकर पैवेलियन लौट गईं। शेफाली वर्मा (49) और यस्तिका भाटिया (30) ने दूसरे विकेट के लिए 59 रन की साझेदारी कर टीम को संभाला। यस्तिका के आउट होने पर भारत का स्कोर 89 रन था। इसके बाद भारतीय टीम ने जल्दी-जल्दी विकेट खोये। इसके बाद पूजा और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शानदार साझेदारी कर भारतीय पारी को संभाला।

मैनचेस्टर में महिला यूरो कप फुटबॉल में खेलती हुई खिलाड़ी।

28 अगस्त को एशिया कप क्रिकेट में आमने-सामने होगी भारत और पाकिस्तान !

कोलंबो, एजेंसी। भारत ओर पाकिस्तान की क्रिकेट टीम एक बार फिर एशिया कप में आमने-सामने होंगी। एशिस कप अगले माह श्रीलंका में होगा। श्रीलंकाई बोर्ड ने देश में व्याप्त आर्थिक संकट के बाद भी इसका आयोजन देश में ही करने का फैसला किया है। इसमें क्रिकेट प्रशंसकों को भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले का इतजार है। एशिया कप से दोनो ही टीमों को अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। श्रीलंकाई क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी एश्ले डिसिल्वा ने कहा कि टूनामेंट के मुकाबले तय कायक्रम के अनुसार ही कराए जाएंगे। इसके लिए एशियन क्रिकेट परिषद ने भी अपनी सहमति दे दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एशिया कप टी20 टूनामेंट की शुरूआत 27 अगस्त से होगी। इसमें भारत और पाक का मुकाबला 28 अगस्त को होने की संभावना है। भारतीय टीम इस टूनामेंट में अपना खिताब बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। भारत ने सात बार यह खिताब जीता है जबकि दो बार पाकिस्तान टीम विजेता रही है।

एशिया कप के मौजूदा टी20 प्रारुप में खेले जाएंगे। इसमें क्वालिफायर मुकाबले 21 अगस्त से शुरू होंगे। इसमें यूएई, ओमान, नेपान, हॉन्गकॉन्ग सहित अन्य टीमें उतरेंगी। इसमें से एक टीम मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालिफाई करेगी। मुख्य ड्रॉ में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश को पहले ही जगह मिली है। अंतिम बार एशिया कप के मुकाबले 2018 में यूएई में हुए थे। उसके बाद से ही कोरोना संक्रमण के कारण ये नहीं हो पाये थे। अब जबकि हालात सामान्य हो गये हैं तब इन खेलों का आयोजन हो रहा है।

प्रशासकों की समिति और सीओए की बैठक का नहीं निकला परिणाम

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) और एशियाई फुटबॉल परिषद (एएफसी) के अल्टीमेटम के बाद राज्य फुटबॉल संघ के प्रतिनिधियों और प्रशासकों की समिति (सीओए) के बीच संविधान प्रारुप तैयार करने को लेकर हुई अहम बैठक विफल रही है। इससे पहले विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) और एशियाई फुटबॉल परिषद (एएफसी) की एक टीम ने पिछले महीने भारतीय फुटबॉल संघ से कहा था कि नया संविधान 31 जुलाई तक मंजूर करायें व 15 सितंबर तक चुनाव कराये जाएं। साथ ही कहा था कि अगर ऐसा नहीं होगा तो भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) पर पाबंदी लगायी जाएगी।

वहीं फीफा का प्रतिबंध अगर लगता है तो भारत के साथ से अक्टूबर में होने वाले अंडर 17 महिला विश्व कप की मेजबानी निकल जाएगी। प्रदेश संघों के अधिकारियों ने कहा कि सीओए के साथ बैठक का कोई परिणाम नहीं निकला है। प्रदेश संघों की ओर से बैठक में सात सदस्यीय समिति ने भाग लिया था। वहीं दूसरी ओर सीओए ने कहा कि वह सभी के सुझावों को ध्यान में रखकर संविधान का मसौदा तैयार करेगी।

विम्बलडन टेनिस के सेमीफाइनल में नडाल , किर्गियोस में होगा मुकाबला

विम्बलडन, एजेंसी। स्पेन के टेनिस स्टार रफल नडाल विम्बलडन टेनिस टूनामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। नडाल ने क्वार्टर फाइनल में अमेरिका के 11वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी टेलर फ्रिट्स को हराया। सेट के दर्द के कारण मैच में परेशान रहे नडाल ने 3-6, 7-5, 3-6, 7-5, 7-6 से जीत हासिल की। अब उनका सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस से मुकाबला होगा। किर्गियोस ने एक अन्य क्वार्टर फाइनल में चिली के क्रिस्टियन गारिन को 6-4, 6-3, 7-6 से हराया था। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में सर्बिया के नोवाक जोकोविच का सामना कैम नॉरी से होगी।

इसके अलावा महिला वर्ग का सेमीफाइनल साल 2019 की चैम्पियन सिमोना हालेप और एलेन राइबाकिना के बीच होगा जबकि ओंस जबाउर का मुकाबला ततयाना मारिया से होगा। हालेप ने अमांडा एनिसिमोवा को 6-2, 6-4 से हराया जबकि राइबाकिना ने एला टोमजानोविच को 4-6, 6-2, 6-3 से पराजित किया।

एक साल बाद पाक टीम में यासिर की वापसी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने श्रीलंका के खिलाफ अगले माह होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए लेग स्पिनर यासिर शाह को शामिल किया है। यासिर एक साल के बाद टीम में वापसी करेंगे। वह पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के बाद से ही अपनी फिटनेस के लिए संघर्ष कर रहे थे। उन्होंने सात साल पहले श्रीलंका में में हुई टेस्ट सीरीज में 24 विकेट लेकर पाक टीम को जीत दिलायी थी। यासिर को 18 सदस्यीय टीम में आफ स्पिनर साजिद खान की जगह शामिल किया गया है। शाह ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली घरेलू टेस्ट सीरीज में खेला था पर पाक टीम को 1-0 से हार का सामना करना पड़ा था। शाह के अलावा ऑलराउंडर सलमान अली आगा और बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज को भी टीम में जगह मिली है। पाक और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट गॉल में 16 से 20 जुलाई तक होगा जबकि दूसरा टेस्ट कोलंबो में 24 से 28 जुलाई तक खेला जाएगा। पाकिस्तान की टीम छह जुलाई को इस दौरे के लिए श्रीलंका रवाना होगी और वहां 11 से 13 जुलाई तक तीन दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी।

पाक टीम इस प्रकार है: बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान, अब्दुल्ला शफीक, अजहर अली, फहीम अशरफ, फवद आलम, हारिस राउफ, हसन अली, इमाम उल हक, मोहम्मद नवाज, नसीम शाह, नौमान अली, सलमान अली आगा, सरफराज अहमद, सौद शकील, शाहीन अफरीदी, शान मसूद और यासिर शाह।

पीटी उषा राज्यसभा के लिए मनोनीत, प्रधानमंत्री ने बधाई दी

नई दिल्ली, एजेंसी। महान धाविका पीटी ऊषा को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसके लिए उन्हें बधाई दी है। मोदी ने अपने ट्विट में लिखा, पीटी ऊषा जी हर भारतीय के लिए एक प्रेरणा हैं। खेलों में उनकी उपलब्धियों को व्यापक रूप से जाना जाता है पर गत कई वर्षों से उभरते हुए एथलीटों के मार्गदर्शन करने की उनकी भूमिका भी उतनी ही सराहनीय है। राज्यसभा के लिए मनोनीत होने पर उन्हें बधाई।

केरल में जन्मी ऊषा 1979 से अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स में उतरीं। उन्हें केरल के कोजिकोड जिले के पय्योली ग्राम में जन्म के कारण पय्योली एक्स्प्रेस के नाम से भी जाना जाता है। 1982 के नई दिल्ली एशियाड में उन्हें 100मी व 200मी में रजत पदक मिला। इसके बाद कुवैत में एशियाई ट्रैक और फील्ड प्रतियोगिता में 400 मीटर दौड़ में एशियाई कीर्तिमान के साथ उन्होंने स्वर्ण जीता। ऊषा ने 1983 से 89 के बीच में एटीएफ खेलों में 13 स्वर्ण जीते। 1984 के लॉस एंजिलिस ओलम्पिक की 400 मीटर बाधा दौड़ के सैमीफाइनल में वह पहले नंबर पर थीं लेकिन फाइनल मुकाबले में वह पादक नहीं जीत पाईं। वह 1/100 सैकेंड के अंतर की वजह से कांस्य पदक हासिल नहीं कर पायीं। साल1986 में सियोल में हुए दसवें एशियाई खेलों में ऊषा ने 4 स्वर्ण व 1 रजत पदक जीते। 1985 में जकार्ता में हुई एशियाई दौड-कूद प्रतियोगिता में उन्होंने 5 स्वर्ण पदक जीते। एक ही अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छः स्वर्ण जीतना भी एक कीर्तिमान है। ऊषा ने अब तक 101 अंतर्राष्ट्रीय पदक जीते हैं।

तेजस्विन राष्ट्रमंडल खेलों के लिये भारतीय दल में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने कहा है कि ऊंची कूद एथलीट तेजस्विन शंकर को इसी माह 28 जुलाई से शुरू हो रहे 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय दल में शामिल किया जाएगा। इससे पहले तेजस्विन ने राष्ट्रमंडल खेलों के लिये चयनित टीम से में जगह नहीं मिलने पर दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिक दायर की थी। शंकर की इस याचिका पर अदालत ने एएफआई को आगे की कार्रवाई के लिये उनका नाम भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को भेजने के निर्देश दिये थे। साथ ही कहा था कि अदालत को एएफआई और आईओए से उम्मीद है कि वे निर्धारित समयसीमा को ध्यान में रखते हुए आगे की कार्रवाई करेंगे।

इससे पहले एएफआई के वकील ने अदालत को बताया कि टीम में एक स्थान खाली था क्योंकि रिले स्पर्धा में भारतीय दल का हिस्सा बना एक एथलीट ट्रायल्स में ह्यडिस्क्वालीफाईह्न हो गया , इसलिये याचिकाकर्ता का नाम उनके स्थान पर शामिल किया जा सकेगा। राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन 28 जुलाई से आठ अगस्त तक बर्मिंघम में होगा।

स्टाइलिश के साथ अट्रैक्टिव लुक के लिए लड़के फॉलो करें आसान ट्रिक्स

अक्सर लड़के अपने आप को स्मार्ट दिखाने के लिए क्या क्या नहीं करते है। चेहरे की क्लीनिंग के लिए फेस वॉश और फेस क्रीम लगाकर निकल जाएंगे, जबकि यह जल्दबाज़ी आपको अनाकर्षक दिखाती है। तो कम समय में बेस्ट लुक के लिए आजमाएं ये ट्रिक्स।

➤ महीने में एक बार हेयर कट ज़रूर लें, क्योंकि गर्दन के पीछे और कान के पास बाल अनइवन दिखते हैं, जो चेहरे को बिगाडने का काम करते हैं इसलिए इनकी कटिंग जरूरी है।

➤ किसी-किसी की आईब्रोज़ घनी व मोटी होती हैं, जो चेहरे की खूबसूरती को बिगाड़ देती है। इसलिए किसी अच्छे सलॉन में जाकर आईब्रोज़ बनवाएं। अगर बालों की ग्रोथ जल्दी होती है तो घर में प्लकर रखें।

➤ सप्ताह में एक बार नाखून काटें। अगर नाखून हार्ड हैं तो शॉवर लेने के बाद वे नरम हो जाएंगे और तब आप इन्हें आसानी से काट सकते हैं। नेल्स कट करने के बाद हाथों में मॉयस्चराइज़र ज़रूर लगाएं।

➤ हल्की फ्रेंगरैंस वाला परफ्यूम चुनें। किसी एक ब्रांड परफ्यूम को अपना सिग्नेचर सेंट बनाएं। सबसे अलग और बेहतरीन खुशबू भी आपकी पर्सनैलिटी में चार-चांद लगा देगी।

➤ चेहरा साफ करने के लिए सोमवार की सुबह एक माइक्रोबेड-फ्री स्क्रबिंग करें। सप्ताह के दूसरे दिन सामान्य फेस वॉश यूज़ करें। इससे आपका चेहरा खिला-खिला नज़र आएगा।

➤ ज्यादातर पुरुष फेशियल कराने से बचते हैं लेकिन इससे चेहरे की गंदगी साफ हो जाती है और आप अच्छा महसूस करते हैं। इससे चेहरे की मसल्स भी मज़बूत बनती हैं।

➤ सुबह की दिनचर्या में आई क्रीम या रोल-ऑन लगाना न भूलें। यह आंखों को आराम देगा और डार्क सर्कल्स भी हटाएगा।

➤ आपका जैकेट का शोल्डर परफेक्ट होना चाहिए, इसके स्लीव्स कलाई के थोड़े उपर होने चाहिए और पैंट्स की लेंथ proper और हेमिंग किए हुए होने चाहिए। अगर आपके सूट में इन चीजों को कमी है, तो बिना देर किए टेलर के पास जाएं और अपने सूट को Alteration के लिए डाल दें।

➤ सूट के बार में ये कहा जाता है कि लड़के सूट में सबसे ज्यादा आकर्षक लगते हैं। वैसे ये कोई जरूरी नहीं है कि आप हमेशा सूट में रहें, लेकिन जब भी सूट पहनें इस बात का ख्याल रखें कि वो परफेक्ट फिट हो। अगर आपका सूट फिट नहीं है और आपके शरीर में झूल रहा है, तो ऐसा सूट पहनने से अच्छा है ना पहनिए।

कीवी के फायदे

वैसे तो कीवी मुख्य रूप से चीनी फल है, लेकिन इसकी ख़ूबियों को देखते हुए, दुनिया के अन्य देशों में भी इसे उगाया जाने लगा है. भारत के कुछ इलाकों में भी कीवी की खेती की जाती है, पर फिर भी हम इसका आयात करते हैं. विटामिन सी, के, ई और कैल्शियम, फ़ॉलेट, पोटैशियम, फ़ाइबर से भरपूर कीवी और किन-किन बीमारियों से राहत दिला सकता है, आइए हम आपको बताते हैं.

पाचनक्रिया में सुधार
फ़ाइबर से भरपूर कीवी आपके पाचन क्रिया में सुधार लाने में मदद करता है. अगर आप कब्ज से परेशान हैं तो कीवी का सेवन करें. इसमें मौजूद लैक्सेटिव पेट को साफ़ करके कब्ज से राहत दिलाता है.

ब्लड क्लॉटिंग में मददगार
शरीर में अगर ब्लड क्लॉटिंग होती है तो उससे स्ट्रोक, हार्ट अटैक व किडनी संबंधी सस्याएं होती हैं, जो आपके लिए बिल्कुल भी सही नहीं है. कीवी में मौजूद ऐंटी-थ्रोम्बॉटिक यानी कि ख़ून को ना जमने देनेवाला गुण मौजूद होता है.

अस्थमा के लिए फ़ायदेमंद है
एक रिसर्च की माने तो रोजाना 1 ग्राम विटामिन सी के सेवन से अस्थमा के अटैक में कमी आती है. कीवी में भी विटामिन सी की मात्रा मौजूद होती है. अगर आप कीवी का सेवन किसी भी रूप में करते हैं, तो फ़ायदे में ही रहेंगे.

इम्यून सिस्टम को मज़बूत बनाता है
कीवी में मौजूद विटामिन सी और कैरोटिनाइड और पॉलीफ़ेनॉल जैसे ऐंटी-ऑक्सिडेंट्स शरीर को फ्री रेडिकल्स के दुस्प्रभाव से बचाकर हमारे इम्यून सिस्टम को मज़बूती प्रदान करते हैं.

गर्भावस्था में लाभदायक
कीवी में फोलेट काफ़ी मात्रा में मौजूद होता है. गर्भवती महिलाओं के लिए फोलेट एक ज़रूरी मिनरल्स है, जिसकी कमी से एनीमिया, थकान, कमजोरी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है.

ऐंटी-एजिंग के फ़ायदों से भरपूर
कीवी में विटामिन्स और मिनरल्स इतनी अधिक मात्रा में मौजूद हैं, कि इसके रोजाना सेवन से एजिंग का प्रक्रिया धीमी पड़ जाती है. इसे आप फ़ेस पैक के रूप में भी इस्तेमाल कर सकते हैं.

एथनिक लुक कम्प्लीट करें पोटली बैग्स

कम्प्लीट ट्रेडिशनल लुक के लिए सिर्फ़ पारंपरिक पोशाकों से ही काम नहीं बनता. उसके लिए मैचिंग ज्वेलरी और बैग्स होना भी ज़रूरी होता है. अगर आपके पास ट्रेडिशनल ज्वेलरी हैं तो भी साड़ी, लहंगा, सूट और इंडो-वेस्टर्न जैसे ट्रेडिशनल पहनावे के साथ एक ऐसे बैग की ज़रूरत होती है, जो हमारे एथनिक लुक को पूरा करे. ऐसे में हम डिज़ाइनर क्लच और पोटली बैग्स को ख़ासा तवज्जो देते हैं. इन दिनों पोटली बैग्स का क्रेज बॉलिवुड सेलेब्स में भी देखने को मिल रहा है. हालांकि पोटली बैग्स का फ़ैशन सदाबहार है, जिसे हम ही नहीं हमारी दादी-नानी भी कई दशकों से अपने ट्रेडिशनल लुक के लिए पसंद करती आई हैं. रेखा से लेकर आथिया शेट्टी तक ने अपने एथनिक लुक को कम्प्लीट करने के लिए पोटली बैग्स कैरी किया है.

टीबैग के सेहतमंद इस्तेमाल

आपका टीबैग आपको तरोताज़ा करने के अलावा भी काम आ सकता है. आइए जानते हैं कैसे?

खरोंच
भीगा हुआ टीबैग त्वचा की बाहरी खरोंचों को जल्द हील करता है. टीबैग्स में टैनिन होता है, जो खरोंचों से निकलनेवाले ख़ून को रोकता है. त्वचा की खरोंचों पर भीगा हुआ टीबैग डालने पर खरोंचों का रंग बदलता है और उनकी हीलिंग जल्दी होती है.

जलना
चाहे सनबर्न हो या रेज़र बर्न भीगा हुआ टीबैग जलन को कम करता है. टीबैग्स को गर्म पानी से बाहर निकालकर ठंडा होने दें. फिर उन्हें बर्न से प्रभावित जगह पर रखें. त्वचा पर टीबैग्स को रगड़ें नहीं. त्वचा को टीबैग के सत्व को अवशोषित करने दें.

मसूड़े
यदि आपके मसूड़ों से ख़ून आ रहा हो तो टीबैग्स आपके काम आ सकते हैं. आप मसूड़ों पर ठंडा किया हुआ यूज़्ड टीबैग रखें. जल्द ही मसूड़ों से ख़ून आना बंद होगा और सूजन में भी कमी देखने मिलेगा.

मस्सा
टी बैग्स में मौजूद टैनिक एसिड मस्सों को प्रभावी बना-नेवाले बैक्टीरिया से लड़ता है, जिसके चलते मस्सों के सूखने की प्रक्रिया में तेज़ी आती है. मस्सों पर १० मिनट के लिए गर्म टीबैग रखें. दिन में दो-तीन बार यह प्रक्रिया दोहराकर आप मस्सों में फ़र्क़ महसूस कर सकेंगे.

दूध नहीं पीते तो डाइट में शामिल करें रागी

हमारे शरीर के लिए कैल्शियम बहुत जरूरी होता है. कैल्शियम की कमी को दूर करने के लिए दूध और डेयरी प्रोडक्ट्स लेने की सलाह दी जाती है. लेकिन अगर आप दूध नहीं पीते या डेयरी प्रोडक्ट्स लेने से किसी तरह की समस्या हो जाती है, तो आपको रागी के आटे को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए. रागी एक ऐसा नॉन डेयरी प्रोडक्ट है, जिसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है. आप रागी का आटा पिसवाकर इसे गेहूं के आटे के साथ 7 :3 के अनुपात में मिक्स करके खाने में यूज कर सकते हैं. इसके अलावा इसे अंकुरित करके भी खा सकते हैं. प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन्स, फाइबर, कार्बोहाइड्रेड जैसे तमाम पोषक तत्वों से भरपूर रागी और भी कई तरह से सेहत को लाभ पहुंचाती है. जानिए इसके बेमिसाल फायदे.

ऑस्टियोपोरोसिस की रोकथाम
किसी भी अनाज की तुलना में रागी में सबसे ज्यादा कैल्शियम होता है. इसकी वजह से ये हड्डियों के लिए काफी फायदेमंद मानी जाती है. यदि इसे नियमित रूप से डाइट में शामिल किया जाए तो ये ऑस्टियोपोरोसिस के जोखिम से शरीर को बचाती है और दांतों को मजबूत बनाती है.

कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए
अगर आपके शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल का स्तर काफी बढ़ गया है, तो रागी आपके लिए काफी काम की है. कोलेस्ट्रॉल शरीर में हार्ट अटैक का रिस्क बढ़ाता है. रागी में डायटरी फाइबर और फायटिक एसिड होता है जो बैड कोलेस्ट्रॉल को शरीर से बाहर निकालने में मददगार होता है.

डायबिटीज के रोगियों के लिए लाभकारी
रागी में एंटी-डायबिटिक गुण होते हैं, ऐसे में ये डायबिटीज के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद है. रागी के नियमित सेवन से शरीर में ग्लूकोज के बढ़ते स्तर को नियंत्रित किया जा सकता है.

एनीमिया से बचाती
रागी में भरपूर मात्रा में आयरन होता है, ऐसे में इसके सेवन से शरीर में तेजी से खून बनता है और एनीमिया जैसी परेशानी से बचाव होता है.

तनाव घटाती है रागी
रागी में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं जो तनाव को कम करने में मददगार माने जाते हैं. आज के समय में स्ट्रेस बहुत कॉमन समस्या बन चुका है. ऐसे में रागी को नियमित रूप से डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए.

साधारण दही से कितना अलग है ग्रीक योगर्ट?

ग्रीक योगर्ट का नाम सुनकर आपके मन में यह सवाल ज़रूर उठा होगा कि दही और फ्लेवर्ड दही तो ठीक है, लेकिन यह ग्रीक योगर्ट क्या है? नाम तो विदेशी जान पड़ता है. क्या यह दही से अलग है? खाने में इसका स्वाद कैसा होगा? और ना जाने कितने सवाल. तो चलिए इन सारे सवालों के जवाब हम आपको दिए देते हैं, ताकि आप समझ सकें कि यह ग्रीक योगर्ट है क्या? और यह हमारी सेहत के लिए कितना फ़ायदेमंद है?

क्या है ग्रीक योगर्ट?
ग्रीक योगर्ट और साधारण दही में बहुत अधिक अंतर नहीं है. दोनों के जमाने की प्रक्रिया एक जैसी ही है, लेकिन जमने के बाद दही से एक्स्ट्रा पानी छानकर निकाल दिया जाता है और वह ग्रीक योगर्ट का रूप ले लेती है. ग्रीक योगर्ट साधारण दही की अपेक्षा अधिक गाढ़ा होता है और इसमें प्रोटीन अधिक मात्रा में पाया जाता है, जिस वजह से वर्कआउट करनेवाले लोग इसे अधिक पसंद करते हैं. अधिक दूध के इस्तेमाल की वजह से ग्रीक योगर्ट का दाम साधारण दही से काफ़ी अधिक होता है, इसलिए लोग इसे ख़रीदने से बचते हैं.

ग्रीक योगर्ट के फ़ायदे
साधारण दही की तुलना में ग्रीक योगर्ट कई मायनों में असरदार है. ग्रीक योगर्ट में प्रोटीन की मात्रा सामान्य दही की अपेक्षा दोगुनी होती है. सामान्यतः एक कप ग्रीक योगर्ट में 23 ग्राम जबकि साधारण दही में 14 ग्राम प्रोटीन होता है. इस वजह से वज़न कम करनेवाले या अधिक वर्कआउट करनेवाले लोग इसे अपनी डायट में शामिल करते हैं. इसके अलावा प्लेन दही से पानी निकालते समय उसमें मौजूद लैक्टोज़ और सोडियम की कुछ मात्रा भी बाहर निकल जाती है.

इसके नुक़सान
हालांकि ग्रीक योगर्ट का प्रत्यक्ष रूप से कोई नुक़सान नहीं है, लेकिन अधिक प्रक्रिया से गुज़रने के कारण योगर्ट अपने कुछ ज़रूरी पोषण खो देती है. ग्रीक योगर्ट में कैल्शियम की मात्रा घटकर आधी रह जाती है. साधारण दही में कैल्शियम 49 फ़ीसदी पाया जाता है, तो ग्रीक योगर्ट में 25 फ़ीसदी ही होता है. फ़ैट की मात्रा भी ग्रीक योगर्ट में अधिक पाई जाती है, इसलिए अगर आप साधारण दही की जगह ग्रीक योगर्ट का विकल्प चुन रहे हैं, तो कम फ़ैट वाले विकल्प चुनें.

सूखा आलू बुखारा जो देगा सेहत का तोहफ़ा

सूखे मेवों यानी ड्रायफ्रूट्स में हम किशमिश, खूबानी और अंजीर के बीच काले रंग के इन छोटे-छोटे सूखे आलू बुखारा को हमेशा दरकिनार कर देते हैं या फिर दूसरे सूखे मेवों की अपेक्षा इनका बहुत ही कम इस्तेमाल करते हैं. हालांकि इस मेवे में कई पोषक तत्वों की भरपूर मात्रा होती है, जिसकी वजह से इसे आप बेझिझक अपनी डायट में शामिल कर सकते हैं.

आलू बुखारे में प्रोटीन की मात्रा भले ही कम हो, लेकिन फ़ाइबर की पर्याप्त मात्रा पाई जाती है. क़रीब प्रति 15 ग्राम आलू बुखारे में 1 ग्राम फ़ाइबर पाया जाता है. यह ब्लड में शुगर लेवल और टाइप-2 डायबिटीज़ को कंट्रोल रखने में सहायक होता है. केले के अलावा आलू बुखारा ही एक ऐसा नैचुरल फ़ूड है जिसमें पोटैशियम की भरपूर मात्रा पाई जाती है. अगर आप कब्ज़ से परेशान हैं तो सूखे आलू बुखारा का सेवन आपकी पाचन क्रिया को ठीक करने में मदद कर सकता है. यह हड्डियों को मज़बूती देने के साथ उनके स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है. ऐंटी-ऑक्सि-डेंट्स और विटामिन्स से भरपूर आलू बुखारे आंख व त्वचा के लिए फ़ायदेमंद होते हैं. आयरन की कमी को भी पूरा करने में यह मदद करते हैं.

एक वयस्क व्यक्ति को रोज़ाना 3-4 आलू बुखारा से ज़्यादा नहीं खाना चाहिए. ध्यान रहे कि हमेशा ताज़े आलू बुखारा को ही अपने डायट में शामिल करें. डिब्बाबंद या पैकेट में आनेवाली इसकी अनेक क़िस्मों से बचें, क्योंकि उनमें प्रिज़र्वेटिव्स होते हैं और कभी-कभी इसमें शक्कर भी मिलाया होता है.

सावधान! अगर आपको चक्कर आ रहे हैं

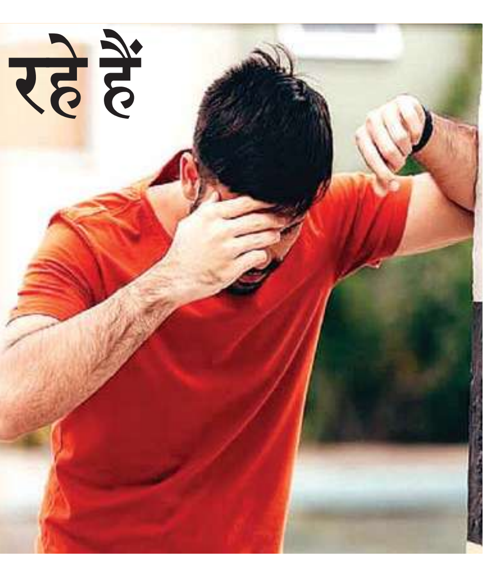

चक्कर आना अक्सर कमजोरी और थकान के कारण होता है, जो एक आम समस्या हो सकती है। लेकिन कभी-कभी ये सामान्य समस्याएं कुछ अलग कारणों से होती हैं। कभी-कभी चक्कर आना शरीर में हार्मोनल समस्याओं के कारण होता है और कभी-कभी यह रक्तचाप के कारण हो सकता है। चक्कर आना सुनवाई हानि, धुंधली दृष्टि और बोलने में कठिनाई की विशेषता है। चक्कर आना भी चक्कर आने का एक और कारण हो सकता है। जिसमें व्यक्ति को हमेशा चक्कर आते हैं। यह समस्या मध्यम आयु वर्ग की महिलाओं में अधिक आम है। कुछ लोग अपना संतुलन खो देते हैं और गिर जाते हैं। इसके अलावा, यह रक्तचाप में अचानक परिवर्तन के कारण भी होता है।

इन बीमारियों से बचने के लिए आपको अपनी फिटनेस और स्वास्थ्य समस्याओं का बहुत ध्यान रखना चाहिए। इसके लिए भोजन समय पर बनाया जाना चाहिए और भोजन से कभी भी परहेज नहीं करना चाहिए। कभी-कभी एंटीबायोटिक्स लेते समय भी चक्कर आ सकते हैं। इसलिए डॉक्टर की सलाह पर ही दवाइयां लें। एनीमिया के मामलों में चक्कर आना आम है। ऐसा इसलिए है क्योंकि शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं की कमी है। यदि कोई निर्जलित है, तो चक्कर भी आ सकता है। हमेशा अपने साथ पानी की बोतल लेकर जाएं। यदि आप समय-समय पर चक्कर महसूस करते हैं, तो आप डॉक्टर से परामर्श करके तुरंत उपचार शुरू कर सकते हैं।

आज की रेसिपी
सोया मेथी गार्लिक नान

यह एक झटपट और स्वादिष्ट नान है जिसमें आपको मेथी और सोया की गुडनेस मिलेगी, इसे एक बार जरूर ट्राई करें.

सामग्री :
- 1/2 कप सोया आटा
- 1 कप गेहूं का आटा
- 3 टी स्पून कसूरी मेथी
- 2 टी स्पून लहसुन, बारीक कटा हुआ
- 1 टी स्पून सूखा खमीर
- 1 टी स्पून नमक
- 1/2 टी स्पून तेल

विधि :
- एक बाउल में नमक के साथ खमीर और पानी मिलाएं. ढककर लगभग 10 मिनट के लिए रख दें, जब तक वह फूल न जाए.
- अब गेहूं का आटा, सोया आटा, खमीर, नमक, तेल, कसूरी मेथी और लहसुन को एक साथ मिलाकर एक नरम आटा गूंध लें, जरूरत के हिसाब से पानी का उपयोग करें.
- आटे को एक मुलायम कपड़े से ढक दें और इसे लगभग 20 मिनट तक रेस्ट दें.
- अब आटे को बराबर भागों में बांटे. सूखा आटा छिड़क कर एक हिस्सा दबाएं और इसे फ्लैट रोल करें.
- एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और नान को दोनों तरफ से सुनहरा भूरा होने तक पकाएं. बाकी बचे आटे से इस प्रक्रिया को दोहराएं. गर्म-गर्म नान परोसें.

ऐसे बढ़ाएं अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता

शरीर लगातार विभिन्न प्रकार की बीमारियों के वाहक जीवाणुओं के हमले झेलता रहता है। ये हमले नाकाम तभी हो सकते हैं जब हमारे शरीर का किला यानी हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत हो। इस किले को मजबूत करना कोई ज्यादा मुश्किल नहीं है। आइए देखते हैं कैसे :

जल
यह प्राकृतिक औषधि है। प्रचुर मात्रा में शुद्ध जल के सेवन से शरीर में जमा कई तरह के विषैले तत्व बाहर निकल जाते हैं और प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। पानी या तो सामान्य तापमान पर हो या फिर थोड़ा कुनकुना। फ्रिज के पानी के सेवन से बचें।

रसदार फल
संतरा, मौसमी आदि रसदार फलों में भरपूर मात्रा में खनिज लवण तथा विटामिन सी होता है। प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में ये महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आप चाहें तो पूरे फल खाएँ और चाहें तो इनका रस निकालकर सेवन करें। हां, रस में शकर या नमक न मिलाएं।

गिरीदार फल
सर्दी के मौसम में गिरीदार फलों का सेवन फायदेमंद होता है। इन्हें रात भर भिगोकर रखने व सुबह चाय या दूध के साथ, खाने से आधे घंटे पहले लेने से बहुत लाभ होता है।

अंकुरित अनाज
अंकुरित अनाज (जैसे मूंग, मोठ, चना आदि) तथा भीगी हुई दालों का भरपूर मात्रा में सेवन करें। अनाज को अंकुरित करने से उनमें उपस्थित पोषक तत्वों की क्षमता बढ़ जाती है। ये पचाने में आसान, पौष्टिक और स्वादिष्ट होते हैं।

सलाद
भोजन के साथ सलाद का उपयोग अधिक से अधिक करें। भोजन का पाचन पूर्ण रूप से हो, इसके लिए सलाद का सेवन जरूरी होता है। ककड़ी, टमाटर, मूली, गाजर, पत्तागोभी, प्याज, चुकंदर आदि को सलाद में शामिल करें। इनमें प्राकृतिक रूप से मौजूद नमक हमारे लिए पर्याप्त होता है। ऊपर से नमक न डालें।

चोकर सहित अनाज
गेहूं, ज्वार, बाजरा, मक्का जैसे अनाज का सेवन चोकर सहित करें। इससे कब्ज नहीं होगी तथा प्रतिरोध क्षमता चुस्त-दुरुस्त रहेगी।

तुलसी
तुलसी का धार्मिक महत्व अपनी जगह है मगर इसके साथ ही यह एंटीबायोटिक, दर्द निवारक और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में भी फायदेमंद है। रोज सुबह तुलसी के 3-5 पत्तों का सेवन करें।

योग
योग व प्राणायाम शरीर को स्वस्थ और रोगमुक्त रखने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। किसी जानकार से इन्हें सीखकर प्रतिदिन घर पर इनका अभ्यास किया जाना चाहिए।

हंसिए भी
हंसने से रक्त संचार सुचारु होता है व हमारा शरीर अधिक मात्रा में ऑक्सीजन ग्रहण करता है। तनावमुक्त होकर हंसने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ने में मदद मिलती है।